शर्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 260 | गुवाहाटी | मंगलवार, 18 अप्रैल, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मुख्यमंत्री ने पूर्वोत्तर के सबसे बड़े मेफेयर स्प्रिंगवैली होटल-रिसॉर्ट का ... पेज 3
राष्ट्रपति ने ग्राम पंचायतों में प्रतिनिधियों का चुनाव सर्वसम्मति से कराने ... पेज 4
पुलिस सुरक्षा में हत्या, सरकार की नाकामी : अखिलेश यादव पेज 5
प्रभारी हूं, पायलट मामले का समाधान मैं ही करूंगा : रंधावा पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

भारत ने जी-20 प्रेसीडेंसी में वैश्विक भलाई को आगे बढ़ाया : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को जी-20 की सौ बैठकें पूरी होने पर कहा कि भारत ने जी-20 प्रेसीडेंसी में वैश्विक भलाई को आगे बढ़ाने और एक बेहतर दुनिया बनाने के लिए काम किया है। भारत सोमवार को वाराणसी में अपनी 100वीं जी-20 बैठक यानी कृषि मुख्य वैज्ञानिकों (एमएसीएस) की बैठक की मेजबानी के साथ अपनी महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न मना रहा है। वहीं गोवा में हेल्थ वर्किंग ग्रुप, हैदराबाद में डिजिटल इकोनॉमी वर्किंग ग्रुप और शिलांग में स्पेस इकोनॉमी लीडर्स प्री-कर्सर मीटिंग भी आज आयोजित की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा कि एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के सिद्धांत द्वारा निर्देशित और वसुधैव कुटुंबकम के हमारे लोकाचार के अनुरूप, भारत की जी-20 प्रेसीडेंसी ने वैश्विक भलाई को आगे बढ़ाने और एक बेहतर दुनिया बनाने के लिए काम किया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार अब तक तीन मंत्री स्तरीय बैठकें हो चुकी हैं। वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की पहली बैठक (एफएमसीबीजी) 24-25 फरवरी 2023 को बेंगलुरु में आयोजित की गई थी। जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक (एफएमएम) 1-2 मार्च 2023 को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी, जबकि दूसरी एफएमसीबीजी बैठक 12-13 अप्रैल 2023 को वाशिंगटन डीसी में आयोजित की गई। वहीं दो शेरपा बैठकें उदयपुर (4-7 दिसंबर 2022) और कुमारकोम (30 मार्च - 2 अप्रैल 2023) में आयोजित की गई हैं। भारत की जी-20 अध्यक्षता में, इस समूह के नेताओं का शिखर सम्मेलन 9 और 10 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। इससे पहले की तैयारियों के सिलसिले में भारत द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न गतिविधियों के दौरान समावेशी, महत्वाकांक्षी, कार्य-उन्मुख और निर्णायक एजेंडे के लिए जी-20 सदस्य राष्ट्रों तथा अतिथि देशों से इसे अपार समर्थन प्राप्त हुआ है। उल्लेखनीय है कि दुनिया के 20 बड़ी अर्थव्यवस्था वाले समूह (जी-20) में 19 देश (अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्किए, यूनाईटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका) और यूरोपीय संघ शामिल हैं। जी-20 के सदस्य देश, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 85 प्रतिशत, वैश्विक व्यापार के 75 प्रतिशत से अधिक और विश्व की जनसंख्या के लगभग दो-तिहाई का प्रतिनिधित्व करते हैं। पिछले साल 16 नवंबर को जी-20 बाली शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जी-20 की अध्यक्षता सौंपी गई थी। इसके बाद भारत की साल भर चलने वाली जी-20 अध्यक्षता पिछले साल 1 दिसंबर को शुरू हुई और इस साल 30 नवंबर तक जारी रहेगी। इससे पहले 8 नवंबर को प्रधानमंत्री ने जी-20 लोगो लॉन्च किया था और भारत की जी-20 प्रेसीडेंसी थीम - वसुधैव कुटुंबकम यानी - *वन अर्थ-वन फैमिली-वन फ्यूचर* का अनावरण किया था। जी-20 लोगो को भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रंगों में डिजाइन किया -शेष पृष्ठ दो पर

काजीरंगा में गैंडों के सुरक्षा उपायों को लेकर सीएम ने की समीक्षा

काजीरंगा। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में इस साल गैंडों के अवैध शिकार के पहले मामले के बाद मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने भविष्य में ऐसे मामलों को टालने के लिए सुरक्षा उपायों की समीक्ष की। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। शर्मा ने रविवार ब्रह्मपुत्र के तट पर काजीरंगा में संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा किया और वन रक्षकों के साथ बातचीत की। उन्होंने अवैध शिकार पर रोक लगाने के लिए काजीरंगा के विभिन्न -शेष पृष्ठ दो पर

हैलाकांदी गैस एजेंसी से 300 एलपीजी सिलेंडर चोरी

हैलाकांदी। असम के हैलाकांदी में एक गैस एजेंसी से 300 से अधिक एलपीजी गैस सिलेंडर चोरी होने की एक विचित्र घटना सामने आई है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, असम के हैलाकांदी जिले में चोराचोरी गैस एजेंसी द्वारा सिलेंडरों की चोरी की सूचना दी गई थी। अधिकारियों ने बताया कि कल रात हुई डकैती में 370 गैस सिलेंडर चोरी हो गए। इस बीच, कथित तौर पर चोरी पंचग्राम पुलिस स्टेशन से महज 50 मीटर की दूरी पर हुई।

कांडला में ऑयल जेटी के विकास को सोनोवाल ने दी मंजूरी

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने सोमवार को पीपीपी मोड के तहत बीओटी आधार पर कांडला (गुजरात) में सभी प्रकार के तरल कार्गो को संभालने के लिए दीनदयाल पोर्ट, कांडला में ऑयल जेटी नंबर 09 के विकास की परियोजना को मंजूरी दे दी। इस ऑयल जेट्टी को विकसित करने की अनुमानित परियोजना लागत 123.40 करोड़ रुपये है। परियोजना को पीपीपी मोड के माध्यम से कार्यान्वित किया जाना है और कंसेसियनार परियोजना के लिए वित्तपोषण की व्यवस्था करेगा। निर्माण अवधि 24 महीने -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
प्रसन्नता परमात्मा की दी हुई औषधि है।
- स्वेट मार्डन

न्यूज गैलरी

मेघालय-असम सीमा वार्ता मई में : कोनराड

शिलांग। मेघालय-असम में दूसरे चरण की सीमा वार्ता अगले महीने होगा। मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा ने सोमवार इसकी जानकारी दी। पत्रकारों से बात करते हुए संगमा ने कहा कि मई के महीने में किसी समय हम पहले दौर की चर्चा शुरू करने या सीमा वार्ता के अगले दौर की चर्चा जारी रखने की कोशिश करेंगे। समय आने दीजिए, मैं उम्मीद करता हूं कि शायद मई के महीने में हम अगला चरण (सीमा वार्ता का) देख पाएंगे। 24 मार्च को, राज्य सरकार ने -शेष पृष्ठ दो पर

असम व नगालैंड में भूकंप

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के कामरूप जिला में सोमवार की शाम 4 बजकर 52 मिनट 27 सेकेंड पर 3.7 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गये। भूकंप के झटके लगने से लोगों में दहशत फैल गई और लोग घरों से निकलकर बाहर निकल आये। नगालैंड में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। यहां भूकंप की तीव्रता 2.5 दर्ज की गई। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार भूकंप का केंद्र कामरूप (ग्रामीण) जिले जमीन के अंदर 10 किमी नीचे स्थित था। भूकंप का एपीक सेंटर 26.22 उत्तरी अक्षांश तथा 91.54 पूर्वी -शेष पृष्ठ दो पर

फर्जी आधार कार्ड के साथ रह रहे लोगों की जांच का आदेश

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के उत्तर और दक्षिण 24 परगना के सीमाई क्षेत्रों में बड़ी संख्या में रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी लोगों को फर्जी आधार कार्ड और अन्य पहचान पत्र उपलब्ध कराने के आरोपों के बीच केंद्र ने जांच के आदेश दिए हैं। इसे लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नाराजगी जताई है। सोमवार को राज्य सचिवालय में मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मीडिया से मुखातिब ममता ने खुद ही यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्तर और दक्षिण 24 परगना के कुछ खास क्षेत्रों में जहां विशेष समुदाय के लोग बहुसंख्यक हैं वहां आधार कार्ड जांच के निर्देश दिए गए हैं। इन लोगों के आधार -शेष पृष्ठ दो पर

नियुक्ति भ्रष्टाचार : तृणमूल विधायक जीवन कृष्ण गिरफ्तार

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित शिक्षक नियुक्ति भ्रष्टाचार मामले में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के तीसरे विधायक जीवन कृष्ण साहा को भी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने 65 घंटे की तलाशी और पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। केंद्रीय एजेंसी के सूत्रों ने बताया है कि सोमवार सुबह 5:30 बजे के करीब जीवन कृष्ण को गिरफ्तार किया गया। केंद्रीय अर्धसैनिक बल और राज्य पुलिस के सुरक्षा घेरे में उन्हें दुर्गापुर में बने अस्थाई कैंप में ले जाया गया। इसके बाद उन्हें कोलकाता के निजाम पैलेस स्थित केंद्रीय एजेंसी के कार्यालय में लाया गया। चिकित्सकीय जांच के बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया है, जहां से 21 अप्रैल तक के लिए सीबीआई हिरासत में भेज दिया गया है। अलीपुर के विशेष सीबीआई कोर्ट में पेशी के समय साहा ने अपनी जमानत के लिए अर्जी लगाई थी लेकिन कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया। भ्रष्टाचार की -शेष पृष्ठ दो पर

समलैंगिक विवाह पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को राजी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में समलैंगिक विवाह की वैधता की मांग पर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। केंद्र सरकार ने इस संबंध में आज एक याचिका दायर की, जिसमें इसकी वैधता की मांग पर सवाल उठाए हैं। कोर्ट केंद्र की आपत्ति वाली इस याचिका पर सुनवाई को तैयार हो गया है। समलैंगिक विवाह की वैधता पर सुप्रीम कोर्ट में पहले से कई याचिकाएं दायर हैं, जिसपर कोर्ट में पांच जजों की बेंच 18 अप्रैल को सुनवाई करेगी। गुजरात-मध्य प्रदेश सरकार ने भी वैधता की मांग वाली याचिकाओं के खिलाफ कोर्ट में अर्जी दी है। केंद्र सरकार, गुजरात -शेष पृष्ठ दो पर

अतीक के मोहल्ले में छाया सन्नाटा, हर चौराहे पर पुलिस

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हमलावरों की ताबड़तोड़ गोलीबारी में मारे गए माफिया अतीक अहमद के मोहल्ले कसारी-मसारी और आसपास के इलाकों में सन्नाटा छाया हुआ है और अहमद के गढ़ माने जाने वाले शहर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र के संवेदनशील इलाकों में पुलिस का कड़ा पहरा है। अतीक के वकील मनीष खन्ना ने बताया कि, वह अदालत से कहेंगे कि पुलिस की चूक की वजह से अतीक और उसके भाई एवं पूर्व विधायक खालिद अजीम उर्फ अशरफ की हत्या हुई है। वह इस मामले में पुलिस पर कार्रवाई की मांग करेंगे। बता दें कि, प्रयागराज में -शेष पृष्ठ दो पर

संपूर्ण समाज को अपना मानता है संघ : भागवत

बुरहानपुर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि संघ, संपूर्ण समाज को अपना मानता है। संघ एक दिन बढ़ते-बढ़ते समाज रूप हो जाएगा तो संघ नाम भी हट जाएगा, हिंदू समाज ही संघ बन जाएगा। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने अपने दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन सोमवार को ब्रह्मपुर (बुरहानपुर) में डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति के नवनिर्मित कार्यालय का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उपस्थित जनों और स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह कार्यालय हिंदू समाज का केंद्र है। यह समाज के सहयोग से खड़ा हुआ है और समाज को ही समर्पित है। उन्होंने कहा कि कार्यालय से संघ कार्य में अधिक सुविधा तथा यहां कोई नया व्यक्ति भी आया तो संघ कार्य की सभी विशेषताओं का अनुभव उसे इस भवन में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संघ का कार्य स्वार्थ तथा भय से नहीं चलता, आत्मीयता से चलता है, क्योंकि स्वार्थ और भय स्थायी नहीं है। इसीलिए कार्यालय पर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को उस आत्मीयता का दर्शन होना चाहिए, साथ ही कार्यालय के अनुशासन का पालन भी होना चाहिए। सरसंघचालक ने कहा कि संघ का कार्य लोक संग्रह का कार्य है। संघ का कार्य ईश्वरीय कार्य है और ईश्वरीय कार्य को भगवान करेगा, लेकिन उसका निमित्त हमें बनना है, इसलिए शाखा चलती है। अपने इस ईश्वरीय और पवित्र कार्य का अनुभव -शेष पृष्ठ दो पर

जाति आधारित जनगणना समय की मांग है : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को कहा कि सामाजिक, आर्थिक और जाति के आधार पर जनगणना समय की मांग है। केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर पहल करने की जरूरत है। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जाति के आधार पर जनगणना की मांग की है। इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को ध्यान देना चाहिए। यह लोगों के हितों से जुड़ा मामला है। आगे उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हर तरह के आंकड़ों को छुपाना चाहती है। ऐसा करना देश हित में नहीं है। कांग्रेस केंद्र सरकार के इस रवैये का विरोध करती है। उल्लेखनीय है कि जातीय जनगणना कराए -शेष पृष्ठ दो पर

सास-ससुर विधवा बहू की जिम्मेदारी नहीं : हाईकोर्ट

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट की औरंगाबाद बेंच ने फैसला सुनाया है कि एक बहू को अपने मरे हुए पति के माता-पिता को मैनटेनेंस के लिए भुगतान करने की जरूरत नहीं है। जस्टिस किशोर संत की सिंगल बेंच ने 12 अप्रैल को एक याचिका पर यह फैसला सुनाया है। दरअसल 30 वर्षीय महिला शोभा तिडके ने लातूर की एक निचली अदालत के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। निचली अदालत ने फैसले में कहा था कि महिला को रखरखाव के लिए अपने मरे हुए पति के माता-पिता को भुगतान करना होगा। कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसीजर के सेक्सन 125 के अंतर्गत कोर्ट ने कहा कि सास और ससुर दिए गए सेक्शन में लिस्टेड नहीं है। बता दें कि शोभा के पति महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन में काम करते थे। बाद में उनकी मौत हो गई थी। जिसके बाद उनकी पत्नी शोभा ने सरकारी हॉस्पिटल जेजे हॉस्पिटल मुंबई में काम करना शुरू किया। 68 वर्षीय किशन राव टिडके और 60 वर्षीय कांताबाई तिड़के, शोभा के सास-ससुर हैं। इन दोनों ने दावा किया कि उनके पास कमाई का कोई और जरिया नहीं है। इसी वजह से उन्होंने अपने मैनटेनेंस के लिए पैसों की मांग की थी। वहीं महिला ने कोर्ट में दावा किया कि उनके सास-ससुर के पास गांव में जमीन और अपना एक घर है, और पति की मौत के बाद उन्हें ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट -शेष पृष्ठ दो पर

ज्ञानवापी में *वजू* के लिए होगी वैकल्पिक व्यवस्था

नई दिल्ली। ज्ञानवापी मस्जिद क्षेत्र में *वजू* (हाथ-पैर धोना) करने को लेकर हल निकालने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक नया आदेश दिया है। कोर्ट ने वाराणसी के जिला अधिकारियों से रमजान के दौरान ज्ञानवापी मस्जिद क्षेत्र में वजू की वैकल्पिक व्यवस्था के लिए एक अनुकूल समाधान निकालने को 18 अप्रैल को एक बैठक बुलाने के लिए कहा है। वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद में रमजान के दौरान नमाजियों को वजू में हो रही दिक्कत का मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया है। मस्जिद कमेटी के वकील हुजैफा अहमदी कहा कि वजूखाना एससी के आदेश पर बंद है। फिलहाल मोबाइल वाशरूम की व्यवस्था कर दी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

नाम परिवर्तन

मैं, सेना संख्या 15701131W रैंक हवलदार नाम Meer Shah Alom Ahmed गांव भालुका बारी थाना छायगांव जिला कामरूप (ग्रामीण) का पिता Abul Kashem ने अपना नाम Abul Kashem से बदलकर Abul Kashem Ahmed (प्रस्तावित नया नाम) किया, शपथ पत्र दिनांक 23/03/2023 कामरूप (ग्रामीण) न्यायालय असम के समक्ष।

नाम परिवर्तन

मैं, सेना संख्या 15701131W रैंक हवलदार नाम Meer Shah Alom Ahmed गांव भालुका बारी थाना छायगांव जिला कामरूप (ग्रामीण) असम का माता Sofia Ahmed ने अपना नाम Sofia Ahmed से बदलकर Sufia Khatun (प्रस्तावित नया नाम) किया, शपथ पत्र दिनांक 23/03/2023 कामरूप (ग्रामीण) न्यायालय असम के समक्ष।

देश की सीमा, आर्थिक, खाद्य के साथ सांस्कृतिक सुरक्षा भी अनिवार्य : गृहमंत्री

प्रभास पाटण/अहमदाबाद (हि.स.)। सौराष्ट्र तमिल संगम कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि विश्व के प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ महादेव के सानिध्य में दो प्रदेशों तमिलनाडु और गुजरात के मिलन का यह कार्यक्रम भारत के सांस्कृतिक वैभव को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत श्रेष्ठ भारत के स्वप्न को सार्थक करने की दिशा में सौराष्ट्र-तमिल संगम कार्यक्रम का आयोजन हुआ है। रक्षा मंत्री ने कहा कि सीमा सुरक्षा, आर्थिक सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा, साइबर सुरक्षा के साथ-साथ देश की सांस्कृतिक सुरक्षा भी अनिवार्य है। गिर सोमनाथ जिले के सोमनाथ में सोमवार को आयोजित समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि किसी भी राष्ट्र को सुरक्षित करने के लिए सीमा सुरक्षा जरूरी है। इसी तरह इसकी अस्मिता बचाए रखने के लिए सांस्कृतिक सुरक्षा भी जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस दिशा में अभूतपूर्व काम हो रहा है, देश के सांस्कृतिक पुनर्जागरण युग के हम साक्षी बन रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के

प्रयास से काशी-तमिल संगम का भी भव्य आयोजन हुआ था। इस तरह के आयोजन भारत की विविध संस्कृतियों के बीच बंधन को मजबूत करते हैं और देश की एकता को मजबूत करते हैं। भारत एक विचार, एक भावना है जिसे शब्दों में परिभाषित नहीं किया जा सकता है। सदियों के विदेशी आक्रमण इस विचार को नष्ट नहीं कर सके, जिस प्रकार सौराष्ट्र की भूमि पर समुद्री आक्रमण सौराष्ट्र के जुनून को नहीं तोड़ सके। आक्रमणकारियों ने धन की लूट की, मंदिरों, घरों, स्कूलों, पुस्तकालयों को लूटा और नष्ट कर दिया, लेकिन आक्रमणकारी सौराष्ट्र के लोगों का मनोबल नहीं तोड़ सके। ये सौराष्ट्रवासी अपने धर्म और संस्कृति को बचाए रखने के लिए सदियों पहले तमिलनाडु में बस गए और अपनी मेहनत व बुद्धिमत्ता से समृद्ध होकर तमिलनाडु के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। तेलंगाणा और पुडुचेरी की राज्यपाल तमिलसाई सुंदरराजन ने कहा कि विदेशी आक्रमणों से विस्थापित हुए सौराष्ट्रवासियों ने अपने हाथ की कारीगरी से तैयार सिल्क वस्त्र बनाए। उस समय के शासक तिरुमलाई नाइक्कर और राजकुमारी ने सौराष्ट्रवासियों को स्वीकार करने के साथ उनकी कारीगरी की सराहना की। शासक ने कहा था कि चाइनीज और यूरोपियन सिल्क से भी श्रेष्ठ इनके सिल्क वस्त्र हमें पहनने को नहीं मिलते यदि सौराष्ट्र के सिल्क कारीगर तमिलनाडु नहीं आते। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने प्रभास पाटण का इतिहास और ऐतिहासिक पलायन के बारे में जानकारी देते हुए तमिलनाडु में बसे मूल सौराष्ट्रवासियों के योगदान को याद किया।

राज्य के डीजीपी ने शिकायतों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया

गुवाहाटी। राज्य के डीजीपी जीपी सिंह ने एक हॉटलाइन नंबर स्थापित किया, जहां जनता शिकायतों की सूचना दे सकते हैं। इस नंबर पर यदि शिकायतकर्ता के मामले की पर्याप्त जांच नहीं की जाती है या यदि किसी पुलिस अधिकारी के कर्तव्य में लापरवाही के कारण न्याय मिलने में देरी हो रही है जैसे मामलो में शिकायत दर्ज करा सकता है। इच्छुक लोग व्हाट्सएप नंबर 6026903490 पर संदेश भेज सकते हैं। उन्होंने दो मेल आईडी- dgpassam.publicgrievance@gmail.com और dgp-publicgrievance@assampolice.gov.in भी जारी किए, जहां जनता उन्हें आधिकारिक रूप से मेल कर सकती है। जीपी सिंह ने ट्विटर पर लिखा कि यदि आपको कोई शिकायत है तो कृपया dgpassam.publicgrievance@gmail.com और dgp-publicgrievance@assampolice.gov.in पर लिखें या 6026903490 पर व्हाट्सएप करें।

नकली नोट के साथ पुलिसकर्मी गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव जिला की पुलिस ने लाखों रुपए के नकली नोट के साथ एक सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी अब्दुल अली को बीती रात को नकली नोट के साथ नगांव के बरभेटी में गिरफ्तार किया गया है। अब्दुल अली जिला के धिंग थानांतर्गत सोनारी गांव का निवासी बताया गया है। आरोपित के पास से नकली नोट के अलावा पुलिस आई-कार्ड भी बरामद किया गया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है।

ईसी नियुक्ति को चुनौती देनेवाली याचिका से एससी की बेंच ने सुनवाई से खुद को किया अलग

नई दिल्ली। जस्टिस केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने सोमवार को अरुण गोयल की चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। जस्टिस जोसेफ और बीवी नागरत्ना की बेंच ने कहा कि मामले को किसी और बेंच के सामने लिस्ट करें। पीठ द्वारा सुनवाई से खुद को अलग करने से पहले, शीर्ष अदालत ने गोयल की नियुक्ति को चुनौती देने वाले एनजीओ एसोसिएशन फॉर

डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स से सवाल किया और यह दिखाने को कहा कि किन नियमों का उल्लंघन किया गया। इसमें कहा गया है कि संवैधानिक पद पर किसी व्यक्ति की नियुक्ति के बाद यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता है कि वह गलत, मनमाना काम करेगा या हां में हां मिलाएगा। पीठ ने कहा कि याचिका शीर्ष अदालत के दो मार्च के उस फैसले पर निर्भर है जिसमें कहा गया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति एक समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी, जिसमें प्रधानमंत्री, चुनाव आयोग के नेता शामिल होंगे। लंबे फैसले में, पांच-न्यायाधीशों की पीठ ने कहा था कि नौकरशाह गोयल ने पिछले साल 18 नवंबर को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन कैसे किया, जब उन्हें चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव के बारे में पता नहीं था। सुनवाई के दौरान एनजीओ की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि गोयल की नियुक्ति प्रक्रिया दुर्भावनापूर्ण और मनमानी थी और देश भर में 160 अधिकारियों के पूल में से चार अधिकारियों का चयन किया गया था और उनमें से कई गोयल से छोटे थे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा अपनाई गई चयन प्रक्रिया सवालों के घेरे में है।

वरिष्ठ पत्रकार पीपी सिंह का गुवाहाटी में निधन

गुवाहाटी। वरिष्ठ पत्रकार पुष्प पॉल सिंह नहीं रहे। पुष्प पॉल सिंह का निधन असम के गुवाहाटी में हुआ। वह हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे। उन्होंने सोमवार (17 अप्रैल) की तड़के अंतिम सांस ली। सिंह का सोमवार रात करीब एक बजे असम के गुवाहाटी में निधन हो गया। पीपी सिंह 30 से अधिक वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में थे। उन्होंने त्रिपुरा में टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ अपना करियर शुरू किया। उन्होंने इकोनॉमिक टाइम्स और बीबीसी में भी काम किया और पूर्वोत्तर से पहली समाचार वेबसाइट शुरू की। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अनुभवी पत्रकार के निधन पर शोक व्यक्त किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ट्वीट किया : अनुभवी पत्रकार पुष्प पॉल सिंह के निधन के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ जो उत्तर पूर्व में 3 दशकों तक मीडिया का जाना-पहचाना चेहरा थे।

आग में व्यावसायिक प्रतिष्ठान जलकर राख

धुबड़ी (असम) (हिंस)। धुबड़ी जिला शहर के वार्ड नंबर 11 स्थित एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान में लगी भीषण आग के दौरान पूरा प्रतिष्ठान जलकर राख हो गया। हादसे में लाखों रुपए की संपत्ति के नुकसान का अनुमान जताया गया है। जिला सदर पुलिस ने आज बताया है कि आग बीती मध्य रात्रि को लगी, जिसमें इलाके की एक मशहूर कपड़े की दुकान जलकर राख हो गयी। आग लगने से दुकान में रखे लाखों रुपए के कपड़े पूरी तरह जल गए। आग धुबड़ी शहर के बीचों बीच वार्ड नंबर 11 के बहादुरटारी क्लॉथ मार्केट में लगी थी। आग लगने की आशंका बिजली के शॉर्ट सर्किट से होना बताया गया है। आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड के साथ-साथ धुबड़ी पुलिस स्टेशन के पुलिस कर्मियों ने कड़ी मशक्कत की।

FRESH & 6th SALE TENDER NOTICE

This is for general information to all concerned that E-Tender is hereby invited from intending tenderer for fresh and 6th sale of 02 (two) nos. Confiscated vehicle finder Lakhimpur Forest Division, North Lakhimpur.

The details of E-Tender will be available on **https.www.assamforestonline.in**

-- Janasanyog /C/1016/23

Divisional Forest Officer,
Lakhimpur Division,
North Lakhimpur.

ट्रेन की चपेट में आने से एक की मौत

शोणितपुर (हिंस/विभास)। शोणितपुर जिला के सतिया में आज एक दर्दनाक हादसा हो गया। सतिया में ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान पियार अली के रूप में की गयी है। मृतक व्यक्ति सतिया कॉलेज के असमिया विभाग में सेवानिवृत्त प्रोफेसर थे। स्थानीय निवासियों ने अली के शव को उनके आवास के पास रेलवे ट्रैक पर शव को देखा था। सेवानिवृत्त प्रोफेसर सुबह की सैर पर निकले थे।

पृष्ठ एक का शेष

भारत ने जी-20 ...

गया, जो हमारे पृथ्वी-समर्थक दृष्टिकोण और चुनौतियों के बीच विकास का प्रतीक है। अपनी अध्यक्षता के दौरान भारत वैश्विक दक्षिण और विकासशील देशों की आवाज और चिंताओं को भी मजबूती से सामने रख रहा है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में जनवरी 2023 को आयोजित *वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ* शिखर सम्मेलन में 125 देशों ने भाग लिया, जिसमें 18 देशों के प्रमुख और अन्य मंत्री स्तर के प्रतिनिधि शामिल थे। इसके अलावा भारत की वर्तमान अध्यक्षता के दौरान अफ्रीका से अब तक की सबसे ज्यादा भागीदारी हुई है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका (जी-20 सदस्य), मॉरीशस, मिस्र, नाइजीरिया, एयू अध्यक्ष- कोमोरोस और एयूडीए-एनईपीएडी शामिल हैं। भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान व्यक्तिगत रूप से भागीदारी अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी में से एक है। अब तक 110 से अधिक राष्ट्रीयताओं वाले 12,300 से अधिक प्रतिनिधियों ने जी-20 से संबंधित बैठकों में भाग लिया है। इसमें जी-20 सदस्यों, 9 आमंत्रित देशों और 14 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी शामिल है। वहीं अब तक 28 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को कवर करते हुए 41 शहरों में जी-20 की 100 बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं।

काजीरंगा में गैंडों ...

शिविरों में सुरक्षा उपायों का जायजा लिया। ब्रह्मपुत्र में एक कथित गैंडा शिकारी का शव मिलने के दो दिन बाद मुख्यमंत्री का दौरा हुआ है, जो पहले पुलिस हिरासत से भाग गया था। असम पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) द्वारा नगांव के बटद्रवा इलाके में 14 अप्रैल को चार गैंडा शिकारियों का पीछा किया था। इनमें से तीन भाग गए, जबकि चौथे को पकड़ लिया गया। उसकी पहचान सैदुल इस्लाम के रूप में हुई। उसके पास से 750 ग्राम गैंडे का सींग बरामद किया गया। गैंडे के शव को खोजने के लिए काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के बागोरी क्षेत्र में ले जाए जाने के दौरान सैदुल इस्लाम पुलिस की गिरफ्त से भाग गया। वह नगांव के लाहोरीघाट का रहने वाला था। उसकी मौत का कोई अतिरिक्त विवरण नहीं मिला है।

कांडला में ऑयल...

रहने का अनुमान है। रियायत अवधि 30 साल के लिए होगी। परियोजना रॉयल्टी प्रति टन के राजस्व शेयर मॉडल का अनुपालन करेगी। सर्वानंद सोनोवाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार कहा था कि कांडला पोर्ट में देश की अर्थव्यवस्था को एक नई दिशा देने की क्षमता है और तदनुसार यह परियोजना इस यात्रा में एक और मील का पत्थर साबित होगी। जेटी पोर्ट क्षमता को और बढ़ाने के साथ-साथ इसके पूरे भीतरी इलाकों के लिए समग्र आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी।

फर्जी आधार कार्ड ...

कार्ड नहीं मिलेंगे तो उन्हें विदेशी घोषित कर हटाया जाएगा। ऐसा करने का क्या औचित्य है? यह घुमा फिरा कर एनआरसी लागू करने की कोशिश है। ममता ने एक बार फिर अडिग होकर कहा कि पश्चिम बंगाल में रहने वाला हर व्यक्ति यहां का नागरिक है और किसी को हटाने नहीं दिया जाएगा। सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार से इस संबंध में पत्र मिला है जिसमें बताया गया है कि उत्तर और दक्षिण 24 परगना के निर्दिष्ट इलाके में आधार कार्ड जांचने की प्रक्रिया चलेगी। यह पूरी तरह से एक खास कम्युनिटी को भगाने की कोशिश है जिनके पास आधार कार्ड नहीं मिलेंगे उन्हें विदेशी घोषित किया जाएगा। ठीक असम में जैसा डिटेंशन कैंप बनाया गया था उसी तरह से यहां भी एनआरसी लागू करने की कोशिश हो रही है। बंगाल में इसे किसी भी सूरत में लागू नहीं होने दिया जाएगा। उल्लेखनीय है राज्य के उत्तर 24 परगना में बारासात, गोबरडांगा, हाबरा, अशोकनगर, संदेशखली, बगदा, पेट्रोपोल, नैहाटी, रहरा, खरदह, निमता, दमदम, न्यू बैरकपुर, बैरकपुर, बगुईआटी, लेकटाउन, साल्ट लेक, न्यूटाउन का नाम है। इसी तरह से दक्षिण 24 परगना के बरुईपुर, कैनिंग, जीवनतला, सोनारपुर, कुलतली, और गोपालगंज में आधार सत्यापन का आदेश दिया गया है।

नियुक्ति भ्रष्टाचार : तृणमूल...

जांच में सहयोग नहीं करने और साक्ष्य को नष्ट करने की कोशिश के आरोप में उन्हें गिरफ्तार किया गया है। इसके पहले तृणमूल कांग्रेस के विधायक और पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार किया गया था। बाद में नदिया जिले के पलाशिपाड़ा से तृणमूल कांग्रेस के विधायक व प्राथमिक शिक्षा परिषद के पूर्व अध्यक्ष माणिक भट्टाचार्य इस मामले में गिरफ्तारी के बाद प्रेसिडेंसी जेल में बंद हैं। अब मुर्शिदाबाद के बरवान से विधायक जीवन कृष्णा साहा तीसरे जनप्रतिनिधि हैं जिन्हें इस मामले में केंद्रीय एजेंसी ने गिरफ्तार किया है। केंद्रीय एजेंसी के एक सूत्र ने हिंदुस्थान समाचार को बताया कि शुक्रवार दोपहर 12:30 बजे के करीब बरवान के ओंदी स्थित जीवन कृष्ण के घर छापेमारी की गई थी। उसके बाद से ही उनसे लगातार पूछताछ हो रही थी। शाम के समय उन्होंने सेहत खराब होने की बात की और शौचालय जाने को कहा। केंद्रीय एजेंसी ने उन्हें शौचालय जाने दिया, जिसका फायदा उठाकर उन्होंने रोशनदान से अपना दो मोबाइल फोन और दो पेन ड्राइव के साथ एक हार्डडिस्क घर के पीछे स्थित तालाब में फेंक दिया था। इसकी भनक मिलते ही केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों ने उसी रात पंप मंगाकर तालाब का पूरा पानी खाली कराया और करीब 32 घंटे की तलाशी के बाद रविवार को उनका एक मोबाइल फोन बरामद किया जा सका। पहले ही दिन केंद्रीय एजेंसियों के पहुंचने के बाद वह छत के रास्ते भागने की फिराक में थे लेकिन उन्हें दबोच लिया गया था। सीबीआई के साथ केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के जवान तो मौजूद थे ही साथ ही राज्य पुलिस के जवानों ने भी बाहरी सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली थी। शुक्रवार के बाद शनिवार सारा दिन तालाब के कीचड़ में मोबाइल ढूंढ़ा गया और आखिरकार रविवार को मोबाइल कीचड़ से बरामद हुआ। अभी भी एक मोबाइल, हार्ड डिस्क और दो पेन ड्राइव बरामद नहीं किया जा सका है। उन्होंने अपने घर के एक कमरे को नियुक्ति भ्रष्टाचार का अड्डा बना रखा था। इसमें कई कंप्यूटर, तीन नोटपैड, हाईस्पीड इंटरनेट और कई संदिग्ध सॉफ्टवेयर मिले हैं। उनके उसी घर से नियुक्ति भ्रष्टाचार से संबंधित दो बोरे दस्तावेज बरामद हुए हैं जिनमें प्राथमिक शिक्षकों से लेकर 9वीं 10वीं और 11वीं 12वीं नियुक्ति तक के एडमिट कार्ड शामिल मिले हैं। एक अधिकारी ने बताया कि 3400 परीक्षार्थियों के दस्तावेज उनके घर से मिले हैं। उन्होंने अपने मोबाइल का मेमोरी कार्ड सिन्होरा (सिंदूरदान) में छिपा कर रखा था उसे भी बरामद कर लिया गया है। उनके दो नोटपैड भी बरामद किए गए हैं। जो मोबाइल उन्होंने तालाब में फेंक दिया था उनमें से एक बरामद करने के बाद जीवन कृष्ण से इस बात की सहमति पर हस्ताक्षर करवाया गया है कि फोन उन्हीं का है और उन्होंने तालाब में फेंक दिया था। दावा है कि नियुक्ति भ्रष्टाचार में करोड़ों रुपये का लेनदेन जीवन कृष्ण के जरिए हुआ है, जो कहां-कहां पहुंचाए गए थे इस बार में पूछताछ होगी। उनकी गिरफ्तारी के बाद राज्य की राजनीति में हलचल तेज है। भाजपा के वरिष्ठ विधायक और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी का कहना है कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने समानांतर *वसूली आयोग* चला रखा था जिनमें उसके चुने हुए प्रतिनिधियों ने बिचौलियों के तौर पर काम किया और सबसे अधिक बोली लगाने वालों को सरकारी नौकरियां बेची हैं। हालांकि तृणमूल कांग्रेस ने फिलहाल इस मामले पर प्रतिक्रिया नहीं दी है।

समलैंगिक विवाह पर ...

और मध्य प्रदेश और एनसीपीसीआर ने मंगलवार को अर्जियों पर भी सुनवाई की मांग की। इन याचिकाओं के विरोध में केंद्र ने एक हलफनामे में कहा कि यह *शहरी एलीट टाइप* कॉन्सेप्ट है। केंद्र सरकार ने यह भी कहा कि कोर्ट समलैंगिक विवाह को मान्यता देने के लिए पूरा कानून नहीं लिख सकता, क्योंकि एक नया सोशल इंस्टीट्यूशन बनाना कोर्ट के अधिकार क्षेत्र के बाहर है। समलैंगिक विवाह को मान्यता देने वाले सुप्रीम कोर्ट के किसी भी फैसले का मतलब आभासी तौर पर इससे संबंधित कानून को दोबारा लिखने जैसा होगा। केंद्र ने अपनी याचिका में कहा कि कोर्ट को इस तरह के कोई भी आदेश पारित करने से बचना चाहिए। केंद्र ने कहा कि इसके लिए उचित अधिकार, उचित विधायिका मौजूद है। इन कानूनों की मौलिक सामाजिक मूल्यों को देखते हुए, इसे वैध होने के लिए नीचे से ऊपर और कानून के माध्यम से होकर गुजरना होगा। सुप्रीम कोर्ट में पांच जजों की बेंच मंगलवार से देश में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एसके कौल, एस रवींद्र भट, पीएस नरसिम्हा और हिमा कोहली की बेंच के सामने 18 अप्रैल को मामले की सुनवाई होगी। 13 मार्च को इस मामले को बड़ी बेंच को भेजा गया था।

अतीक के मोहल्ले ...

शनिवार देर रात अस्पताल से मेडिकल जांच के बाद पुलिस हिरासत में वापस लाए जाते वक्त तीन युवकों द्वारा की गई गोलीबारी में अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की मौत हो गई थी। दोनों को रविवार रात कसारी-मसारी के कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। हालांकि इलाके में हालात अब भी सामान्य नहीं हैं। सोमवार को भी चकिया थाना क्षेत्र स्थित अतीक के मोहल्ले कसारी-मसारी में सन्नाटा छाया रहा। चकिया से सटे राजजरूपपुर, करेली और खुल्दाबाद में छुटपुट दुकानें ही खुलीं। कुल मिलाकर फिजा में अजीब सा सन्नाटा है। शहर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र के चार-पांच मुस्लिम बहुल इलाकों के चौराहे पर पुलिस का कड़ा पहरा है। संवेदनशील क्षेत्र में पुलिस की गश्त जारी है। वहीं, पूरे शहर में इंटरनेट सेवा अब भी बहाल नहीं हुई है। चकिया और आसपास के इलाकों के लोग अतीक और अशरफ की सनसनीखेज हत्या को लेकर बात करने से अब भी कतरा रहे हैं। इस बीच, पुलिस सूत्रों ने बताया कि इसी साल 24 फरवरी को हुए उमेश पाल हत्याकांड मामले में अभियुक्त रहे अतीक और अशरफ की पुलिस रिमांड की अवधि आज खत्म हो रही है। उन्होंने कहा कि अब उनकी मृत्यु के बाद पुलिस जिला अदालत को उनकी हत्या के पूरे घटनाक्रम से अवगत करायेगी। इसके लिए धूमनगंज के थानाध्यक्ष राजेश कुमार मौर्य और अन्य पुलिसकर्मी अदालत पहुंचे। अतीक के वकील मनीष खन्ना ने बताया कि वह अदालत से कहेंगे कि पुलिस की चूक की वजह से अतीक और अशरफ की हत्या हुई है। वह इस मामले में पुलिस पर कार्रवाई की मांग करेंगे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अतीक और उसके भाई अशरफ की हत्या करने वाले तीनों शूटर लवलेश, सनी और अरुण को रिमांड पर लेने के लिए पुलिस एक-दो दिन में अर्जी दे सकती है। उन्होंने बताया कि उनसे इस बात को लेकर पूछताछ की जा सकती है कि उनके पास इतने अत्याधुनिक हथियार कैसे आए और क्या उन्हें किसी ने अतीक और अशरफ की हत्या की सुपारी दी थी। सूत्रों के मुताबिक, अब ये तीनों शूटर भी अतीक के गुर्गों के निशाने पर आ सकते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है।

संपूर्ण समाज को ...

कार्यालय के वातावरण से होना चाहिए। समाज की इस संगठित शक्ति से अच्छे कार्य होंगे। इस शक्ति से सज्जन लोगों की सुरक्षा होगी और धर्म की रक्षा के लिए शक्ति का उपयोग होगा। डॉ. भागवत ने कहा कि आज संघ का कार्य बढ़ रहा है। संघ के हितैषी बढ़ रहे हैं, इसलिए जगह-जगह पर कार्यालय बन रहे हैं, लेकिन जब कार्यालय नहीं थे, तब भी संघ था। इसलिए सुविधाओं के कारण क्षमता कम नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरे समाज को संगठित होकर अपने देश के लिए जीने-मरने को तत्पर होकर, एक होकर, भेद और स्वार्थ भूलकर जीना पड़ता है, तब देश आगे बढ़ता है। देश को आगे बढ़ाने का कार्य ठेके पर नहीं दिया जा सकता। संघ को भी नहीं दिया जा सकता। पूरे 130 करोड़ के समाज को संगठित होना होगा।

जाति आधारित ...

जाने को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी एक दिन पूर्व प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा था। उन्होंने कहा था कि सामाजिक न्याय के लिए जाति आधारित जनगणना जरूरी है।

सास-ससुर विधवा...

से 1.88 लाख रुपए भी दिए गए थे। इस दलील के बाद कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि जो जॉब शोभा कर रही हैं वह अनुकंपा के जरिए नहीं दी गई है। कोर्ट ने इस दौरान यह भी दोहराया कि मृतक के माता-पिता के पास गांव में घर और जमीन भी है, और उन्हें उनके बेटे की मौत के बाद ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट से भी मुआवजा मिला है। कोर्ट ने इन सभी दलीलों को मानते हुए कहा कि माता-पिता के पास कोई ठोस ग्राउंड नहीं है कि वह महिला से मैंनटेनेंस की डिमांड करें।

ज्ञानवापी में वजू ...

जाए। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वजू करने की जगह विवादित है और वहां शिवलिंग होने की बात है, इसलिए यह मांग समस्या पैदा कर सकती है। उन्होंने कहा कि इसपर कलेक्टर और मस्जिद कमेटी फैसला ले सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता वजू के लिए सही जगह की मांग कर रहा है। उनकी इस समस्या का हल निकालने के लिए कल एक जरूरी बैठक कर कोई निर्णय लेना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर बैठक में कोई हल निकलता है या मोबाइल वाशरूम के लिए आपसी सहमति बनती है तो बिना हमारे अगले आदेश के इसे लागू दर दिया जाए।

मेघालय-असम ...

मतभेदों के शेष छह क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति की जांच करने और 45 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए तीन क्षेत्रीय समितियों का पुनर्गठन किया।

असम व नगालैंड ...

देशांत्तर पर स्थित था। सोमवार को ही दोपहर 3 बजकर 04 मिनट 07 सेकेंड पर नगालैंड के फेक जिले में भी 2.5 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र के अनुसार भूकंप का केंद्र फेक जिले में जमीन में 10 किमी नीचे स्थित था। भूकंप का एपीक सेंटर 25.68 उत्तरी अक्षांश तथा 94.70 पूर्वी देशांत्तर पर स्थित था।

स्वर्वेद भाष्य

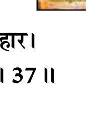

चतुर्थ मंडल **दशम अध्याय**

(गृहस्थ संत)

भोजन बिनु नहिं भजन है, देश में भजन अहार।
राष्ट्र की रक्षा कीजिये, तन मन जिवन संहार॥ 37॥

शब्दार्थ : (अहार) भोजन (रक्षा) पालन।

भाष्य : भोजन के बिना भजन नहीं होता। देश में भजन के लिए आहार चाहिए इसलिए तन, मन एवं जीवनको देकर राष्ट्र की रक्षा कीजिए।

प्रभु प्रसाद भोजन करे, रोटी छीन न जाय।
नहिं आपन मैं देऊँगा, नहिं छीनो पर धाय॥ 38॥

शब्दार्थ : (प्रसाद) प्रसन्नता, कृपा।

भाष्य : प्रभु की कृपा से भोजन मिलता है। वह भोजन दूसरा छीन न ले। मैं अपना भोजन दूसरे को न दूंगा, न दूसरे का भोजन छीनने के लिए दूसरी जगह जाऊंगा।

मुख्यमंत्री ने पूर्वोत्तर के सबसे बड़े मेफेयर स्प्रिंगवैली होटल-रिर्सोट का किया शुभारंभ

इस तरह डेस्टिनेशंस से पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा : हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी (विभास)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को सोनापुर में पूर्वोत्तर के सबसे विशाल तथा भव्य मेफेयर स्प्रिंगवैली होटल-रिर्सोट का शुभारंभ किया। 100 बीघा भूमि से अधिक इलाके में फैला मेफेयर स्प्रिंगवैली होटल-रिर्सोट पूर्वोत्तर में अपनी तरह का पहला टूरिस्ट व वैडिंग डेस्टिनेशंस होगा, जहां करीब 250 आलीशान कमरे, चार स्वीमिंग पुल तथा 8 तथा 15 हजार स्कवार फीट के दो विशाल हाल के अलावा सभी सुख-सुविधाएं होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने अपने उद्घाटन भाषण में इस भव्य एवं विशाल रिसोर्ट के निर्माण के लिए मेफयर होटल रिसोर्ट समूह के प्रमुख दिलीप रे तथा सत्यम समूह के प्रमुख रतन शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के रिर्सोट व होटल के खुलने से असम सहित पूर्वोत्तर में पयर्टन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के पास भी इस तरह का एक भव्य होटल-रिसोर्ट खालने की पेशकश की। उन्होंने कहा कि इसके लिए राज्य सरकार हर तरह की मदद करने को तैयार है तथा सरकार पर्यटन से जुड़ी चीजों को बढ़ावा देने के लिए कृतसंकल्प है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे स्वयं भी फेफेयर होटल रिसोर्टों में कई बार ठहर चुके हैं। वहां की सेवाओं और आवभगत

को विश्व स्तरीय बताते हुए उन्होंने कहा कि गुवाहाटी का यह रिर्सोट असम के आतिथ्य और आवभगत परंपरा को आगे बढ़ाएगा तथा मुझे पूर्ण भरोसा है कि यह रिसोर्ट मेफेयर समूह का सबसे अधिक मुनाफा कमाने वाला रिसोर्ट बनकर उभरेगा। मुख्यमंत्री ने उद्योगपति रतन शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि वे जिस काम को हाथ में लेते हैं उसमे सफलता मिलती है। मेफेयर के साथ उनकी साझेदारी भी वैसी है तथा यह खूब फलेगी। इस मौके पर बोलते हुए सत्यम समूह के प्रमुख रतन शर्मा ने कहा कि देश के 10 शीर्ष रिसोर्ट में से एक गुवाहाटी का मेफेयर स्प्रिंगवैली रिसोर्ट होगा। उन्होंने कहा कुल 250 आलीशान कमरे बनने है जिसमे से 130 बनकर तैयार हो चुके है। चार में से दो स्वीमिंग पुल भी बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि पहले लोग डेस्टिनेशन वैडिंग के अलावा जयपुर, उदयपुर, जोधपुर तथा विदेशों में जाते थे, लेकिन आने वाले समय में यह रिसोर्ट देश में सबसे बड़ा डेस्टिनेशन वैडिंग केंद्र में से एक होगा। रिसोर्ट के प्राकृतिक सौदर्य को बनाए रखने के लिए लाखों पेड़ व फूल के पौधे लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि असम के मुख्यमंत्री बहुआयामी तथा उच्च सोच वाले है, यही कारण है कि वे राज्य को इतना आगे ले गए हैं। हाल ही में जो बिहू नृत्य का रिकार्ड बना है वह भी मुख्यमंत्री की कर्मठता के कारण ही संभव हो पाया है। इस मौके पर आवासीय एवं शहरी मामलों के मंत्री अशोक सिंहल, पर्यटन मंत्री जयंतमल्ल बरुवा, मेफेयर समूह के प्रमुख दिलीप रे, सलाहकार प्रशांत पांडा आदि मंचासीन थे। समारोह में पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह, प्राइड ईस्ट एंटरटेनमेंट प्रा. लि. की प्रमुख रिनीकी भुयां शर्मा, महाधिवक्ता देवजीत सइकिया, गुजरात से आए सोमभाई मोदी, हास्य कलाकार सुरेंद्र शर्मा, नेडफी के प्रमुख सहित बड़ी संख्या में विशिष्ट नागरिक मौजूद थे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने परिसर में स्थित शिव मंदिर में पूजा अर्चना की एवं पूरे रिसोर्ट का परिभ्रमण भी किया।

फकीराग्राम सहकारी समिति का चुनाव संपन्न

कोकराझाड़ (विभास)। फकीराग्राम सहकारी समिति का चुनाव आज संपन्न हुआ। आगामी 19 अप्रैल को मत गणना होगा। इस बार सहकारी समिति चुनाव में कुल 27 उमीदवार मैदान में उतरे। जबकि 15 सदस्यीय सहकारी समिति है। चुनाव में बीपीएफ के 14 उम्मीदवार, एक निर्दलीय, बाकी यूपीपीएल के उम्मीदवार मैदान में थे। फकीराग्राम सहकारी समिति के शेयर होल्डर 2876 है। जो मतदान कर उमीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। आज सुबह से ही भारी संख्या में शेयर होल्डरों ने मतादान के लिए कतार में खड़े रहे। फकीराग्राम ब्लॉक के बीपीएफ के अध्यक्ष इनामुल हके ने संवाददाताओं को साक्षत्कार में बताया कि बीपीएफ का ही फकीराग्राम सहकारी समिति में बॉडी बना हुआ है और इस बार भी बीपीएफ के 14 में से 11 उमीदवार जीतेंगे। इस बारह भी बीपीएफ द्वारा फकीराग्राम सहकारी समिति का दूसरे बार के लिए बॉडी बनाया जाएगा। फकीराग्राम भाजपा मंडल के अध्यक्ष मनोज कुमार राय ने कहा कि इस बार सहकारी समिति चुनाव में काफी संख्या में लोग मतदान देने के लिए आए हैं और यहां भाजपा समर्थित उम्मीदवार ही जीतेगी। वहीं यूपीपीएल के नेताओं ने यूपीपीएल समर्थित उम्मीदवारों की जीतने की बात कही।

एमजी मोटर इंडिया ने इलेक्ट्रिक वाहन का उत्पादन शुरू करने की घोषणा की

गुवाहाटी (विभास)। एमजी मोटर इंडिया ने अपने स्मार्ट इलेक्ट्रिक वाहन - कॉमेट का उत्पादन शुरू करने की घोषणा की है और गुजरात में हलोल प्लांट से इसकी पहली यूनिट सड़क पर उतार दी गई है। विश्वप्रसिद्ध जीएसईवी प्लेटफॉर्म पर आधारित, एमजी कॉमेट में इनोवेटिव और भविष्य की डिजाईन लैंग्वेज है, जो सभी का ध्यान आकर्षित करेगी। जीएसईवी प्लेटफॉर्म की मुख्य विशेषताओं में से एक है इसकी बहुमुखी उपयोगिता और केबिन में विशाल जगह। इसलिए यह शहरी कंप्यूटर्स के लिए उत्तम है। यह प्लेटफॉर्म उपयोग को आसान बनाने पर ध्यान केंद्रित करके विकसित किया गया है, जो भीड़ भरी सड़कों पर सुगम मैन्योवरिंग और आसानी से पार्क करने की क्षमता प्रदान करता है। जीएसईवी प्लेटफॉर्म पर बने वाहन विश्व के बाजारों में बहुत सफल रहे हैं, और अभी तक इनकी 1 मिलियन से ज्यादा यूनिट्स बेची जा चुकी हैं। जीएसईवी प्लेटफॉर्म के लिए सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें ठोस स्टील का ढांचा वाहन की बॉडी के लिए बहुत मजबूत आधार प्रदान करता है, और एयरबैग्स यात्रियों की अधिकतम सुरक्षा प्रदान करते हैं। एमजी कॉमेट में सुरक्षा का स्तर और ज्यादा बढ़ गया है। इसमें पूरी व्हाईट बॉडी में फैले 17 हॉट स्टैंपिंग पैनल हैं, जिससे वाहन की सुरक्षा और ज्यादा मजबूत बन जाती है। पहला प्रोडक्शन कॉमेट वाहन सड़क पर उतारने के बारे में बीजू बालेंद्रन, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, एमजी मोटर इंडिया ने कहा कि नीलसन द्वारा हाल ही में किए गए अर्बन मोबिलिटी हैप्पीनेस सर्वे में सामने आया कि आवागमन के मामले में शहरी कंप्यूटर्स की पसंद कंपैक्ट स्मार्ट वाहनों की ओर है। एमजी में हम इनोवेटिव और सस्टेनेबल मोबिलिटी समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एमजी कॉमेट के साथ हम भविष्य का एक व्यवहारिक अर्बन इलेक्ट्रिक वाहन पेश करेंगे, जिसमें ड्राईविंग को मजेदार बनाने वाली अनेक विशेषताएं होंगी। प्रोडक्शन श्रृंखला से बाहर आने वाले पहले कॉमेट वाहन के साथ हमें भारत के एक नए ईवी भविष्य की शुरुआत करने की खुशी है। इसके अलावा, कॉमेट में अनेक स्मार्ट विशेषताएं हैं, जो जीएसईवी प्लेटफॉर्म को और ज्यादा बेहतर बना देती हैं। इनमें इंटरनेट ऑफ वैहिकल्स (आईओवी), मल्टीमीडिया एवं कनेक्टेड फीचर्स शामिल हैं। स्मार्ट ईवी - कॉमेट के उत्पादन के साथ एमजी मोटर इंडिया इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में इनोवेशन और डिजाईन की सीमाओं का विस्तार कर रहा है। कॉमेट का ठोस स्टील चेसिस और उच्च शक्ति की वाहन बॉडी के कारण यह उन लोगों के लिए टिकाऊ और भरोसेमंद विकल्प है, जो इलेक्ट्रिक वाहन में सुरक्षा और व्यवहारिकता को महत्व देते हैं।

मॉडर्न इंग्लिश स्कूल (एमईएस) गुवाहाटी ने कला उत्सव 2022-23 का मनाया जश्न

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में से एक मॉडर्न इंग्लिश स्कूल (एमईएस) गुवाहाटी ने उत्साह के साथ यह साझा किया है कि दसवीं कक्षा की मेधावी छात्रा, सुश्री शोम्पिया रॉय ने 3 से 7 जनवरी 2023 तक भुवनेश्वर (ओडिशा) में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कला उत्सव 2022 में राज्य स्तरीय कला उत्सव प्रतियोगिता में भाग लिया और मुखर संगीत पारंपरिक लोक (महिला) श्रेणी में अपने असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया। कला उत्सव राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएसएमए) के तहत शिक्षा मंत्रालय (एमओई) की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य पूरे देश में माध्यमिक स्तर पर स्कूली छात्रों की कलात्मक प्रतिभाओं को विकसित और प्रदर्शित करके शिक्षा क्षेत्र में कला को बढ़ावा देना है। यह पहल माध्यमिक स्तर के छात्रों के लिए सौंदर्यशास्त्र और कलात्मक अनुभवों के महत्व को रेखांकित करती है, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जीवंत विविधता के बारे में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण हैं। सुश्री शोम्पिया रॉय का उत्कृष्ट प्रदर्शन उनकी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता का ही प्रमाण है, और उन्होंने इस तरह के प्रतिष्ठित अनुष्ठान में संस्थान का प्रतिनिधित्व करके स्कूल में सभी को गौरवान्वित किया है। एमईएस ने एक बार फिर शोम्पिया रॉय को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए बधाई देती है और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देती है।

मारवाड़ी सम्मेलन, होजाई शाखा की नई कार्यकारिणी गठित

निरंजन सरावगी अध्यक्ष और सचिव बने प्रमोद मोर

होजाई (होसं/निसं)। मारवाड़ी सम्मेलन होजाई शाखा की नई कार्यकारिणी का गठन शनिवार को श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर परिसर में आयोजित एक सभा में किया गया। शाखा अध्यक्ष प्रदीप सुरेका की अध्यक्षता में आयोजित सभा में सचिव रमेश मुंदड़ा ने बीते 2 वर्षों के दौरान किए गए कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित सभी सदस्यों को बताया 2 वर्षों के कार्यकाल के दौरान गरीब तबके के लोगों के बीच कंवल वितरण कार्यक्रम, शिल्पी दिवस का आयोजन, सम्मेलन द्वारा मारवाड़ी पंचायती के सहयोग से दो बार कोविड वैक्सीनेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया,बच्चों हेतु खेलकूद, बौद्धिक विकास कार्यक्रम, गणतंत्र दिवस व स्वतंत्र दिवस का पालन, गांधी जयंती के दौरान कार्यक्रम, बीर लचित बरफुकान की 400वीं जयंती मनाई गई, पहली बार सम्मेलन के दो पूर्व अध्यक्षों को शाखा रत्न की उपाधि से सुशोभित किया गया जिसमें सज्जन जी शर्मा व कामाख्या लाल सरावगी है, असम साहित्य सभा के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. सूर्यकांत हजारिका का सम्मान, शाखा के सदस्यों द्वारा प्रांतीय अधिवेशन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई गई इसके अलावा कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। तत्पश्चात प्रदीप सुरेका ने नई कार्यकारिणी गठन का प्रस्ताव रखा जिसमें सचिव रमेश मुंदड़ा ने उपाध्यक्ष निरंजन सरावगी के नाम का प्रस्ताव अध्यक्ष के रूप में किया जिसको सभा ने सर्वसम्मति से ग्रहण करते हुए वर्ष 2023-25 के अध्यक्ष निरंजन सरावगी एवं प्रमोद मोर को सचिव बनाया। वही सभा में उपस्थित अध्यक्ष प्रदीप सुरेका को प्रांतीय कार्यकारिणी का सदस्य बनाये जाने पर पूर्व अध्यक्ष कामाख्या लाल सरावगी ने फूलम गमछा पहनाकर सम्मान किया। सभा में आगामी 2023-25 हेतु महेश चनानी उपाध्यक्ष, परवीण सरावगी को सह सचिव एवं दीपक चनानी को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। वही प्रदीप सुरेखा ने पत्रकार निरंजन सरावगी को सम्मानित किया। इस दौरान समाज के वरिष्ठ सीताराम दायमा भी उपस्थित थे। उल्लेखयोग्य है, शाखा अध्यक्ष व सचिव द्वारा सभीनए पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। वही सभा भंग करने से पहले सचिव रमेश मुंदड़ा उनके कार्यकाल के दौरान प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से जिन्होंने भी सहयोग किया उन्हें धन्यवाद दिया।

प्रसाद खाने के बाद 50 से अधिक लोग बीमार एक बच्ची की मौत

बाक्सा (असम) (हिंस)। बाक्सा जिलांतर्गत तामुलपुर अनुमंडल के इक्राबिल गांव में प्रसाद खाने के बाद 50 से अधिक लोग बीमार हो गये। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां बताया जा रहा है कि एक बच्ची की मौत हो गयी है। जिसकी पहचान ज्योतिका नमोदास (10) के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार इक्राबिल गांव में शनिवार को गणेश पूजा के दौरान महाप्रसाद का आयोजन किया गया था। प्रसाद खाने के बाद रात को ग्रामीणों की तबीयत खराब होने लगी। आनन-फानन में मरीजों को नागरीजुली मॉडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां लोगों का इलाज चल रहा है।

कुसुम मोर बनीं मायुम, बरपेटारोड की अध्यक्षा

बरपेटारोड (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच बरपेटारोड शाखा में रविवार दिनांक 16 अप्रैल को संपादित हुई। साधारण सभा में कार्यकाल 2023-24 हेतु सर्वसम्मति से कुसुम मोर को अध्यक्ष पद पर चयनित किया गया। साधारण सभा में सर्वप्रथम अध्यक्ष लक्ष्मीकांत माहेश्वरी ने सभा प्रारंभ की घोषणा की। सचिव इंदु जैन ने कार्यकाल 2022-23 का सचिवीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया,एंव कोषाध्यक्ष कमल सराफ ने वार्षिक हिसाब प्रस्तुत किया। तदुपंरात चुनाव अधिकारी रविप्रकाश अग्रवाला नेनए अध्यक्ष के चयन एंव निर्वाचन संबंधित जानकारी प्रेषित की। अध्यक्ष पद के लिए कुसुम मोर का नाम हरिश चाचान ने प्रस्तावित किया एंव नंदिता सराफ ने समर्थन किया। चुनाव अधिकारी रविप्रकाश अग्रवाला ने सर्वसम्मति के साथनए अध्यक्ष के लिए कुसुम मोर के नाम की घोषणा की। नवीन चयनित अध्यक्षा ने सभी से साथ एंव आशिर्वाद देने का आह्वान किया। नवचयनित अध्यक्षा कुसुम मोर ने सचिव पद के लिए विनित सराफ एंव कोषाध्यक्ष के लिए नंदिता सराफ को मनोनित करते हूए जल्द कार्यकारिणी बनानें की घोषणा की। इस आशय पर जानकारी शाखा के जनसंपर्क अधिकारी चेतन धिरासरीया ने दी।

पूप्रमायुम के मंडल ए की चार शाखाओं का शपथ-ग्रहण समारोह आयोजित

प्रांतीय अध्यक्ष सहित प्रांतीय अधिकारी रहे उपस्थित

गुवाहाटी (विभास)। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के अंतर्गत मंडल ए की चार शाखाओं की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह रंगाली बिहु तथा नए वर्ष के पावन अवसर पर संपन्न हुआ। प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान अन्य प्रांतीय अधिकारियों के साथ मंडल ए की कुल पांच शाखाओं का सांगठनिक दौरा कर उनमें से चार शाखाओं के शपथ ग्रहण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सर्वप्रथम नाहरकटिया शाखा के सांगठनिक दौरे में पुनित तोदी को मंडल समन्वयक हेतु शपथ पाठ करवाया गया। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान, मडंल ए मंडलीय उपाध्यक्ष मिंटू मोदी, मंडलीय सहायक मंत्री भवानी मंढ़ानिया, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) प्रदीप राठी, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य अमित त्रिवेदी एवम आमंत्रित सदस्य दीपक पटवारी आदि उपस्थित थे। प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान ने प्रांतीय पदाधिकारीयो के साथ नाहोलिया - बरडुबी शाखा का शपथ ग्रहण समारोह में मनीष अग्रवाल की अध्यक्षता में सत्र 23-24 के लिए डिम्पी अग्रवाल को शाखाध्यक्ष, नितीन अग्रवाल को सचिव, पंकज अग्रवाल को कोषाध्यक्ष और कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ पाठ करवाया गया तथा रजत अग्रवाल को मंडल समन्वयक हेतु शपथ पाठ करवाया गया। प्रांतीय पदाधिकारी ने दुमदुमा प्रगति शाखा का शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित होकर श्रीमती स्नेहा केजरीवाल की अध्यक्षता में मशाल पुरुष रामजीवन सुरेका की उपस्तिथि में सत्र 23-24 हेतु अध्यक्ष स्नेहा केजरीवाल को शाखाध्यक्ष, अनु मोदी को शाखासचिव, हर्षा मोदी को कोषाध्यक्ष के साथ अन्य कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ पाठ करवाया गया। दुमदुमा शाखा ने प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान के दुमदुमा आगमन पर उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान किया। तिनसुकिया शाखा और तिनसुकिया प्रगति शाखा का शपथ ग्रहण समारोह तिनसुकिया शाखा के निवर्तमान शाखाध्यक्ष मुकेश जिंदल और प्रगति अध्यक्षा लता जिंदल की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि डिब्रूगढ़ के जाने माने चिकित्सक डॉ. निर्मल साहेवाल की उपस्तिथि में सत्र 23-24 हेतु विकास केजरीवाल को शाखाध्यक्ष, सीए अर्पित केडिया को शाखासचिव, सीए रौनक अग्रवाल को कोषाध्यक्ष, एवम तिनसुकिया प्रगति शाखा के लिए नीलम शर्मा को शाखाध्यक्ष, खुशबू शर्मा को शाखासचिव, खुशबू केडिया को कोषाध्यक्ष के साथ तिनसुकिया और तिनसुकिया प्रगति के अन्य कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ पाठ करवाया गया। अपने संबोधन में प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान ने कहा की मैं सभी शाखाओं के प्रति दिल की गहराई से अभार प्रकट करता हूं जिन्होंने इतना सुंदर कार्यक्रम आयोजित किया साथ ही इन सभी समारोह में हमें भी उपस्थित रहने का अवसर प्राप्त हुआ। आगे भी हम सभी मिलकर *मैं नहीं हम* तरह कार्य करते रहेंगे। यह जानकारी पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के जनसंपर्क सचिव सेंकी अग्रवाल एवं समन्वयक संदीप अग्रवाल द्वारा संयुक्त रूप से एक प्रेस विज्ञप्ति के जरिए दी गई है।

No. DVT-223/RIDF-XXVII (S)/Nagaon/2022-23/4

PRESS NOTICE INVITING TENDER

The Director of A.H. & Veterinary Deptt.. Assam. on behalf of the Governor of Assam, invites bids for the following works under **RIDF-XXVII** in two Bid System from the eligible contractors duly registered under Animal Husbandry & Veterinary Department, Assam and Dairy Development, Assam with e-Tendering system provider through e-Tendering Portal **www.assamtenders.gov.in**. Detail may be seen in the website **www.assamtenders.gov.in**. and also in the Engineering Cell of this Directorate during office hours from **13.04.2023** to **09.05.2023.**

Sl. No.	Work Description	Estimated Cost (Rs.)	Bid Processing Fee. (Rs.)	Bid Security (Rs.)	Completion Period
1	Construction of Assam Type Sub-Centre Building with electrification, Water supply and sanitary works etc. at **Kachamari** in Nagaon District.	33,71,000.00	1,200.00	67,420.00	120 days
2	Construction of Assam Type Sub-Centre Building with electrification, Water supply and sanitary works etc. at **Borkhola** in Nagaon District.	33,71,000.00	1,200.00	67,420.00	120 days
3	Construction of Assam Type Sub-Centre Building with electrification, Water supply and sanitary works etc. at **Garajan** in Nagoan District.	33,71,000.00	1,200.00	67,420.00	120 days

Bidders submitting Bids through online have also to submit each copy of the Documents of Technical Bid manually. The Bid Processing Fee and Bid Security should be deposited through net banking before the expiry of online Bid submission date and time as mentioned in the Tender Schedule. Bid will be rejected / cancelled if Financial Bid submitted off line / hard copy.

TENDER SCHEDULE

DATE OF AVALIBILITY OF BIDDING DOCUMENTS ON e-PROCUREMENT PORTAL	**13.04.2023** (11.00 HRS) **09.05.2023** (14.00 HRS)
PRE-BID METTING	**19.04.2023** at 13.00 HRS.
LAST DATE AND TIME FOR ONLINE BID SUBMISSION	UP TO 14.00 HRS on **09.05.2023.**
LAST DATE AND TIME FOR HARD COPY SUBMISSION (TECHNICAL BID)	UP TO 14.00 HRS ON **09.05.2023**
DATE AND TIME OF TECHNICAL BID OPENING	14.30 HRS ON **10.05.2023.**
DATE AND TIME OF FINANCIAL BID OPENING	Intimated later on

Director
A.H. & Vety. Department, Assam,
Chenikuthi, Guwahati-3.

-- Janasanyog /C/986/23

राष्ट्रपति ने ग्राम पंचायतों में प्रतिनिधियों का चुनाव सर्वसम्मति से कराने का किया आह्वान

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश की समस्त ग्राम पंचायतों से अपने प्रतिनिधियों का चुनाव सर्वसम्मति से कराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गांव के विकास का मॉडल कैसा हो और इसे कैसे कार्यरूप दिया जाये? इसके लिए उसके अधिकार गांववासियों को होने चाहिए। राष्ट्रपति मुर्मू सोमवार को विज्ञान भवन में पंचायतों के प्रोत्साहन पर राष्ट्रीय सम्मेलन-सह-पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए अपनी बात रख रही थीं। प्रत्येक पांच वर्ष में पंचायत प्रतिनिधियों के चुनाव प्रावधान का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि इसका उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करना है। लेकिन यह देखा गया है कि इससे कभी-कभी लोगों में कटुता भी उत्पन्न हो जाती है। लोगों में आपसी मनमुटाव न बढ़े, इसके लिए पंचायत चुनावों को राजनीतिक दलों से अलग रखा गया है।

राष्ट्रपति ने इस संबंध में गुजरात सरकार की ओर से 2001 में शुरू की गई समरस ग्राम स्वराज योजना का उदाहरण दिया। इसके तहत उन पंचायतों को पुरस्कृत करने का प्रावधान था, जहां अपने प्रतिनिधियों का चुनाव सर्वसम्मति यानि बिना चुनाव के किया गया हो। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य गांव में शांति और सद्भावना बनाये रखना और चुनाव के कारण आने वाली कड़वाहट से बचना था। राष्ट्रपति ने कहा कि गांव परिवार का ही एक विस्तृत रूप है। परिवार में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी सामुदायिक कार्य आम सहमति से होने चाहिए, यदि चुनाव की नौबत भी आये, तो चुनाव ग्रामवासियों में विभाजन न लाये। राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार से सम्मानित सभी पंचायतों, ग्राम प्रधानों एवं पंचायत प्रतिनिधियों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि अपने प्रयासों के बल पर आपने अपनी पंचायत को विकास के इस शिखर पर पहुंचाया है। इसके लिए आप और आपके सभी पंचायतवासी प्रशंसा के पात्र हैं। राष्ट्रपति ने ग्राम पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी पर जोर देने के साथ ही ग्लोबल वार्मिंग की वैश्विक चुनौती से निपटने के भारत के लक्ष्य का भी उल्लेख किया। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत गांवों का देश है। देश की आत्मा गांवों में बसती है। पिछले कुछ दशकों के दौरान शहरीकरण में आई तेजी के बावजूद जनता गांव में ही निवास करती है। शहरों में रहने वाले अधिकांश लोग भी किसी न किसी तरह से गांवों से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि गांव वह आधारभूत इकाई है, जिसके विकास होने से पूरा देश विकसित बन सकता है। इसलिए हमारे गांवों को विकसित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रपति ने कहा कि गांव के विकास का मॉडल कैसा हो और इसे कैसे कार्यरूप दिया जाये? इसके लिए उसके अधिकार गांववासियों को होने चाहिए। राष्ट्रपित महात्मा गांधी इस बात को बखूबी समझते थे। इसलिए उन्होंने ग्राम स्वराज के जरिए आदर्श ग्राम के निर्माण की कल्पना की थी। उनके लिए स्वराज सत्ता का नहीं, बल्कि सेवा का साधन था। कालांतर में भी अनेक महापुरुषों ने ग्राम विकास और स्वशासन के मॉडल प्रस्तुत किये। ऐसा ही एक उदाहरण नानाजी देशमुख का है, जिन्होंने स्वावलंबन के माध्यम से देश के अनेक गांवों का उत्थान किया। राष्ट्रपति ने कहा कि संविधान निमार्ताओं ने भी पंचायतों में स्वशासन के महत्व को रेखांकित करते हुए संविधान के नीति निर्देशक तत्व में ग्राम पंचायत के संगठन और उन्हें अधिकार और शक्तियां प्रदान करने का उल्लेख किया।

महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार कार्यक्रम के आयोजकों पर हत्या का मामला दर्ज किया जाए : अंबादास दानवे

– भीषण गर्मी से अब तक 12 लोगों की मौत के लिए सांस्कृतिक विभाग के सचिव जिम्मेदार

मुंबई, (हि.स.)। विधान परिषद के नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे ने महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार कार्यक्रम में भीषण गर्मी से अब तक 12 लोगों की मौत के लिए सरकार के सांस्कृतिक विभाग के सचिव को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है। अंबादास दानवे सोमवार को नवी मुंबई स्थित एमजीएम अस्पताल में इस हादसे में बीमार लोगों से मिले। इसके बाद अंबादास दानवे ने कहा कि दोपहर की तेज गर्मी में कार्यक्रम का आयोजन आखिर क्यों किया गया। कार्यक्रम में आये लोग कड़कती धूप में बैठे थे, उनके लिए किसी भी तरह की व्यवस्था नहीं की गई थी इसलिए इस हादसे में 12 लोगों की मौत के लिए सांस्कृतिक विभाग के लोग ही जिम्मेदार है, उन पर हत्या का मामला दर्ज किया जाना चाहिए। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के नेता और राज्यसभा सदस्य संजय राऊत ने इस हादसे के लिए आयोजकों को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि आयोजकों के लिए अलग व्यवस्था की गई थी, जबकि आम लोगों के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई। लोग धूप में छह घंटे तक तड़पने के लिए बाध्य थे। विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष अजीत पवार ने बताया कि महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार के लिए 16 करोड़ रुपये खर्च किये गए थे। जब इस बार इतनी बड़ी धनराशि इस कार्यक्रम के लिए खर्च की गई, तो आम लोगों के लिए भी बैठने का इंतजाम करना चाहिए था। इस विषय पर बाद में चर्चा की जाएगी। फिलहाल इस घटना में मृतकों का दाह संस्कार, बीमार लोगों का बेहतर इलाज पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे सोमवार को नवी मुंबई में जाकर बीमार लोगों से मुलाकात की। इसके बाद राज ठाकरे ने कहा कि यह कार्यक्रम शाम को अथवा दोपहर में रखा जा सकता था। अव्वल तो यह कि इस तरह के कार्यक्रम में इतने अधिक लोगों को बुलाने की जरूरत ही नहीं थी। इस घटना में सरकार की गलती साफ नजर आ रही है। इस समय जो बीमार है, उनके इलाज को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मुंबई मेट्रो रेल कारपोरेशन पर स्वीकृति से अधिक पेड़ काटने पर 10 लाख का जुर्माना

अजय त्यागी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई की आरे कॉलोनी में मेट्रो कार शेड बनाने के लिए 84 पेड़ काटने की मंजूरी के बावजूद ज्यादा पेड़ काटने की कोशिश पर मुंबई मेट्रो रेल कारपोरेशन पर 10 लाख का जुर्माना लगाया है। हालांकि, चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने प्रोजेक्ट को ध्यान में रखते हुए 177 पेड़ काटने की अनुमति दे दी। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने कहा कि हमने 19 दिसंबर, 2022 को 84 पेड़ काटने की अनुमति दी थी, क्योंकि आपने 84 पेड़ काटने की अनुमति मांगी थी। जनवरी में आपने 185 पेड़ काटने की अनुमति प्राधिकरण से मांगी। मार्च में पेड़ काटने की अनुमति दे दी गई। आप 84 से ज्यादा पेड़ कैसे काट सकते हैं। आपने आदेश की अवमानना की है। कोर्ट के आदेश के ऊपर कोई कैसे जा सकता है। सुपरिंटेंडेंट को जेल में होना चाहिए। अगर आपको 84 से ज्यादा पेड़ काटने थे, तो आपको कोर्ट आना चाहिए था। सुनवाई के दौरान मुंबई मेट्रो रेल कारपोरेशन की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हम इसके लिए माफी मांगते हैं। मेहता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के दौरान जब मेट्रो प्रशासन प्राधिकरण के पास गया तो कहा गया कि पिछला सर्वे 2019 में हुआ था, जिसके आधार पर 84 पेड़ काटने की अनुमति दी गई थी। प्राधिकरण ने नये सर्वे की बात कही। तब चीफ जस्टिस ने पूछा कि आप 84 से ज्यादा पेड़ काटने के लिए प्राधिकरण के पास कैसे जा सकते हैं। आपको कोर्ट आना चाहिए था। कोर्ट ने मेहता से पूछा कि आप 84 पेड़ों की जगह 177 पेड़ काटना चाहते हैं। आप कितने पेड़ ट्रांसप्लांट करेंगे। तब मेहता ने कहा कि 53 पेड़ों को ट्रांसप्लांट किया जाएगा। तब चीफ जस्टिस ने पूछा कि आप कितने नये पेड़ लगाएंगे। तब मेहता ने कहा कि 1533, तब कोर्ट ने कहा कि हम 177 पेड़ काटने की अनुमति देते हैं लेकिन आपने हमारे आदेश की अवमानना की कोशिश की है। कोर्ट ने मुंबई मेट्रो रेल कारपोरेशन पर दस लाख रुपये जुमार्ना का आदेश दिया। कोर्ट ने 24 अगस्त, 2022 को मुंबई मेट्रो रेल कारपोरेशन को निर्देश दिया था कि वो अपने दिए गए हलफनामे का पालन करें और अगले आदेश तक पेड़ों की कोई कटाई नहीं करें। कोर्ट ने चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर पेड़ों की कटाई हुई तो हम सख्त कार्रवाई करेंगे। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद मुंबई मेट्रो रेल कारपोरेशन ने भरोसा दिलाया कि वहां पेड़ों की कटाई नहीं की जा रही है। 5 अगस्त, 2022 को सुनवाई के दौरान मुंबई मेट्रो रेल कारपोरेशन के लिए पेश सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि 2019 में हुई सुनवाई के बाद से एक पेड़ नहीं काटा गया। कुछ झाड़ियां जरूर हटाई गई हैं। 28 जुलाई, 2022 को वकील गोपाल शंकरनारायण ने कहा था कि 2019 में आए कोर्ट के आदेश का उल्लंघन किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने 7 अक्टूबर, 2019 को आरे फॉरेस्ट में पेड़ों को काटने पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने कहा था आरे फॉरेस्ट में यथास्थिति बहाल की जाए। पेड़ों को काटना तत्काल रोका जाए। कोर्ट ने कहा था पौधों के जीवित बचने की दर का विश्लेषण किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने पेड़ों को काटने का विरोध करने के दौरान गिरफ्तार सभी लोगों को रिहा करने का आदेश दिया था।

राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सत्येंद्र जैन के खिलाफ दर्ज आय से अधिक संपत्ति मामले की सुनवाई टाली

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ दर्ज आय से अधिक संपत्ति के मामले की सुनवाई टाल दी। स्पेशल जज विकास ढल ने 9 मई को अगली सुनवाई करने का आदेश दिया। आज सुनवाई के दौरान सत्येंद्र जैन के वकील ने कहा कि प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन जज दूसरी कोर्ट में ट्रांसफर करने की अर्जी पर अगली सुनवाई 4 मई को करेंगे। इसके बाद कोर्ट ने 9 मई तक सुनवाई को टाल दिया।

दरअसल सत्येंद्र जैन ने अपने खिलाफ सीबीआई मामले की सुनवाई कर रहे स्पेशल जज विकास ढल की अदालत से इस मामले को दूसरी अदालत में ट्रांसफर करने की मांग की है। इससे पहले भी सत्येंद्र जैन के मामले की सुनवाई कर रही स्पेशल जज गीतांजलि गोयल की कोर्ट से ईडी ने मामले को ट्रांसफर करवाया था। इसके बाद स्पेशल जज विकास ढल की कोर्ट मामले की सुनवाई कर रही थी। सीबीआई ने जैन पर लगभग डेढ़ करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति जमा करने का आरोप लगाया है। इस मामले में सीबीआई जैन के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। सीबीआई ने सत्येंद्र जैन, उनकी पत्नी पूनम जैन, सहयोगी अजीत जैन, वैभव जैन, सुनील जैन और आयुष जैन के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी। सीबीआई ने यह केस 2017 में दर्ज किया था। जैन के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। जैन पर आरोप है कि उन्होंने 2009-10 और 2010-11 में फर्जी कंपनियां बनाई। इन कंपनियों में अकिंचन डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, इंडो मेटल इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड, प्रयास इंफो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, मंगलायतन प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। सीबीआई के मुताबिक ये कंपनियां कोई व्यवसाय नहीं कर रही थीं। सत्येंद्र जैन पर आरोप है कि उन्होंने 2010-11 से लेकर 2015-16 के बीच 54 फर्जी कंपनियों के जरिए काला धन के रूप में 16.39 करोड़ रुपया अर्जित किया। जैन के खिलाफ ईडी ने भी मनी लॉन्ड्रिंग का मामला भी दर्ज किया है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा- सामाजिक न्याय के लिए जातिगत जनगणना जरूरी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सामाजिक न्याय के लिए जातिगत आधारित जनगणना जरूरी है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को इस बारे में ट्वीट किया है। उन्होंने कहा है वर्ष 2021 में नियमित दस वर्षीय जनगणना कराई जानी थी। वह नहीं हो पाई है। हमारी मांग है कि जनगणना तत्काल कराई जाए। व्यापक जाति आधारित जनगणना को इसका अभिन्न अंग बनाया जाए। उन्होंने आशंका जताई है कि जातिगत जनगणना के अभाव में सामाजिक न्याय के कार्यक्रमों का डेटा अधूरा है। इससे पहले खड़गे ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर जाति आधारित जनगणना कराने की मांग की थी। खड़गे ने कहा था कि आप (प्रधानमंत्री मोदी) जानते हैं कि यूपीए सरकार ने पहली बार 2011-12 के दौरान करीब 25 करोड़ परिवारों को कवर करते हुए सामाजिक आर्थिक और जाति जनगणना कराई थी।

मई 2014 में आपकी सरकार आने के बाद कांग्रेस और अन्य सांसदों ने इसे जारी करने की मांग की लेकिन कई कारणों से जातिगत आंकड़े प्रकाशित नहीं किए गए।

पश्चिम बंगाल में एक हफ्ते तक बंद रहेंगे सभी स्कूल-कॉलेज

– मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, लू से बचने का करें प्रयास

कोलकाता (ईएमएस)। भीषण लू की स्थिति को देखते हुए पश्चिम बंगाल में अगले सप्ताह सभी स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से बच्चे स्कूल से लौटने के बाद सिरदर्द और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की शिकायत कर रहे हैं, जिसके बाद यह फैसला लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संबंध में जल्द ही आधिकारिक अधिसूचना जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि मैं लोगों से दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक धूप में निकलने से बचने का भी अनुरोध करूंगी। मुख्यमंत्री ने एक स्थानीय चैनल से कहा कि भीषण लू की स्थिति को ध्यान में रखते हुए अगले सप्ताह सोमवार से शनिवार तक स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों सहित सभी शैक्षणिक संस्थानों को बंद रखने का फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि मैं प्राइवेट स्कूल कॉलेजों से भी आग्रह करती हूं कि वे भी इस अवधि के दौरान ऐसा ही करें। इससे पहले पश्चिम बंगाल सरकार ने चिलचिलाती गर्मी के मद्देनजर पहाड़ी इलाकों को छोड़कर सरकारी और सहायता प्राप्त

स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश तीन हफ्ते पहले दो मई से घोषित करने का आधिकारिक नोटिस जारी किया था। पश्चिम बंगाल में अधिकतर स्थानों पर दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया जा रहा है। इसके अभी और बढ़ने का अनुमान है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि लू की स्थिति 19 अप्रैल तक बनी रहेगी। ऐसे में सभी को लू से बचने का प्रयास करना चाहिए।

पूर्व सीएम जगदीश शेट्टर कांग्रेस में शामिल, बीजेपी को बड़ा झटका

बेंगलुरु(ईएमएस)। कर्नाटक के पूर्व सीएम जगदीश शेट्टर ने कांग्रेस का दामन थाम लिया है। चुनाव से ठीक पहले सत्ताधारी बीजेपी को बड़ा झटका देते हुए जगदीश शेट्टर कांग्रेस में शामिल हो गए। शेट्टर ने सोमवार सुबह बेंगलुरु स्थित कांग्रेस दफ्तर पहुंचकर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। कर्नाटक के पूर्व सीएम जगदीश शेट्टर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार और कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला, सिद्धारमैया के साथ बेंगलुरु में पार्टी कार्यालय पहुंचे, जहां उन्हें कांग्रेस की सदस्यता दिलाई गई। कांग्रेस में शामिल होने को लेकर शेट्टर ने कहा, कल मैंने बीजेपी छोड़ दी थी और आज मैं कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गया। कई लोग हैरान हैं कि एक मुख्य विपक्षी नेता, पूर्व सीएम और पार्टी अध्यक्ष कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। बीजेपी ने मुझे सारे पद दिए और पार्टी कार्यकर्ता होने के नाते मैंने हमेशा पार्टी के विकास के लिए काम किया है। उन्होंने कहा, वरिष्ठ नेता होने के नाते मैंने सोचा था कि मुझे टिकट मिल जाएगा, लेकिन जब मुझे पता चला कि मुझे टिकट नहीं मिल रहा है, तो मैं चौंक गया। किसी ने मुझसे बात नहीं की, न ही मुझे मनाने की कोशिश की, आश्वासन भी नहीं दिया कि मुझे क्या पद मिलेगा? शेट्टर हुबली-धारवाड़ सेंट्रल से छह बार विधायक रहे हैं, लेकिन इस सीट से टिकट को लेकर मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और दो केंद्रीय मंत्रियों प्रह्लाद जोशी तथा धर्मेंद्र प्रधान के साथ बातचीत विफल होने के बाद शेट्टर ने रविवार को पार्टी और विधानसभा से इस्तीफा दे दिया थे। शेट्टर ने आरोप लगाया कि उन्हें भाजपा ने टिकट नहीं देकर अपमानित किया है और कहा कि सत्ताधारी दल में उनके खिलाफ एक सुनियोजित साजिश रची गई। सूत्रों ने बताया कि शेट्टर इसके बाद एक विशेष हेलीकॉप्टर में हुबली से बेंगलुरु गए और कांग्रेस महासचिव (कर्नाटक प्रभारी) रणदीप सिंह सुरजेवाला, कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख डीके शिवकुमार, पूर्व मंत्री एम.बी. पाटिल और वरिष्ठ कांग्रेस नेता शमनूर शिवशंकरप्पा के साथ चर्चा की। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, शेट्टर की ओर से कोई बड़ी मांग नहीं की गई है। कांग्रेस ने बस शेट्टर को हुबली-धारवाड़ सेंट्रल निर्वाचन क्षेत्र से टिकट देने का आश्वासन दिया है। पार्टी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि उन्हें वह पूरा सम्मान दिया जाएगा जिसके वह हकदार हैं।

तृणमूल विधायक जीवन कृष्ण साहा को 65 घंटे की पूछताछ के बाद सीबीआई ने गिरफ्तार किया

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित शिक्षक नियुक्ति भ्रष्टाचार मामले में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के मुर्शिदाबाद के बरवान से विधायक जीवन कृष्ण साहा को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 65 घंटे की तलाशी और पूछताछ के बाद सोमवार सुबह करीब 5:30 बजे गिरफ्तार कर लिया। जांच एजेंसी केंद्रीय अर्धसैनिक बल और राज्य पुलिस की सुरक्षा में साहा को बैठाकर दुगार्पुर में स्थित अस्थाई कैंप में ले गई है। यहां चिकित्सकीय जांच के बाद उन्हें कोलकाता के निजाम पैलेस स्थित एजेंसी के कार्यालय ले जाया जाएगा। इसके बाद कोर्ट में पेश किया जाएगा। उन्हें जांच में सहयोग नहीं करने और साक्ष्य को नष्ट करने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में इससे पहले तृणमूल कांग्रेस के विधायक और पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी के अलावा नदिया जिले के पलाशिपाड़ा से तृणमूल कांग्रेस के विधायक व प्राथमिक शिक्षा परिषद के पूर्व अध्यक्ष माणिक भट्टाचार्य को गिरफ्तार किया जा चुका है। जां एजेंसी ने शुक्रवार दोपहर करीब 12:30 बजे बरवान के ओंदी स्थित साहा के घर छापा मारा था। तब से उनसे पूछताछ हो रही थी। शाम को साहा ने चकमा देकर रोशनदान से अपने दो मोबाइल फोन और दो पेन ड्राइव और एक हार्डडिस्क को घर के पीछे बने तालाब में फेंक दिया था।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने तालाब का पूरा पानी निकलवाकर करीब 32 घंटे की तलाशी के बाद उनका केवल एक मोबाइल फोन रविवार को बरामद कर पाई है। जांच एजेंसी को साहा के घर से कंप्यूटर, तीन नोटपैड और कई संदिग्ध सॉफ्टवेयर मिले हैं। साथ ही नियुक्ति भ्रष्टाचार से संबंधित दो बोरा दस्तावेज बरामद हुए हैं। इनमें प्राथमिक शिक्षकों से लेकर 9वीं 10वीं और 11वीं 12वीं नियुक्ति तक के एडमिट कार्ड हैं। एक अधिकारी ने बताया कि 3400 परीक्षार्थियों के दस्तावेज भी मिले हैं। सिंदूरदान में छुपाकर रखा गया मोबाइल फोन का मेमोरी कार्ड भी बरामद कर लिया गया है। भारतीय जनता पार्टी के विधायक और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने समानांतर "वसूली आयोग" चला रखा था। सबसे अधिक बोली लगाने वालों को सरकारी नौकरियां बेची गई हैं। तृणमूल कांग्रेस ने फिलहाल इस मामले में प्रतिक्रिया नहीं दी है।

महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार कार्यक्रम में गर्मी से 12 लोगों की मौत, 100 से अधिक बीमार

– प्रत्येक मृतक के आश्रितों को 5 लाख रुपये की आर्थिक मदद मुहैया कराने का मुख्यमंत्री ने किया ऐलान

मुंबई, (हि.स.)। रायगढ़ जिले के नवी मुंबई में महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार कार्यक्रम में गर्मी लगने से अब तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है। इस घटना में 4 लोगों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। इस कार्यक्रम में गर्मी लगने से 100 से अधिक लोग बीमार हैं। इन सभी का इलाज सोमवार को एमजीएम पनवेल, एमजीएम वाशी, डीवाई पाटिल, टाटा अस्पताल जैसे विभिन्न अस्पतालों में हो रहा है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने प्रत्येक मृतक के आश्रितों को 5 लाख रुपये की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया है। सभी बीमार लोगों का सरकारी खर्च से इलाज करवाया जाएगा। इन सभी के इलाज में तालमेल रखने के लिए सचिव स्तर के अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उल्लेखनीय है कि रविवार दोपहर नवी मुंबई के खारघर में राज्य सरकार की ओर से महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया था। समाजसेवक अप्पासाहिब धर्माधिकारी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हाथों इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हालांकि कार्यक्रम के बाद यहां गर्मी से परेशान लोग बीमार होने लगे थे। रविवार को देर रात तक इस घटना में भीषण गर्मी से 11 लोगों की मौत हो गई थी। सोमवार को सुबह कल्याण के निवासी एक व्यक्ति की एमजीएम अस्पताल में मौत हो गई। इस घटना में मरने वालों में से 8 महिलाएं और

4 पुरुष हैं। मृतकों में महेश नारायण गायकर (42), जयश्री जगन्नाथ पाटिल (54), मंजूषा कृष्ण भोंबांडे (51), स्वप्निल सदाशिव केनी (30), तुलसीराम भाऊ वांगड (58), कलावती सिद्धराम वैचल (46), भीमा कृष्ण साल्वी (58), सविता संजय पवार (42), पुष्पा मदन गायकर (64), वंदना जगन्नाथ पाटिल (2), विनायक हलदणकर और एक अन्य के रूप में की गई है। इन सभी के शव उनके आश्रितों को दे दिए गए हैं। एक अन्य शव की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अस्पताल में जाकर बीमार लोगों से मिले और उनके इलाज के लिए सचिव स्तर के अधिकारी को जिम्मेदारी दी है। इसके बाद विधानसभा ने नेता प्रतिपक्ष अजीत पवार, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, विधानपरिषद के नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे भी अस्पताल पहुंचकर बीमार लोगों से मुलाकात की है। अजीत पवार ने कहा कि यह राजनीति का वक्त नहीं है। सर्वप्रथम मृतकों के दाह संस्कार और बीमार लोगों के उचित इलाज पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

अमृतसर में हमलावरों ने भाजपा नेता को गोली मारी

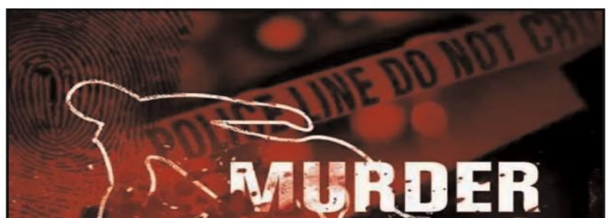

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब के अमृतसर में कल (रविवार) रात अज्ञात हमलावरों ने पंजाब भाजपा एससी मोर्चा के महासचिव बलविंदर सिंह को गोली मार दी। लहूलुहान भाजपा नेता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अमृतसर में इससे पहले हिंदू नेता सुधीर सूरी की हत्या की जा चुकी है। पिछले कुछ समय से पंजाब में हिंदू नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। बलविंदर सिंह पर हुए प्राणघातक हमले के बाद एसपी जुगराज सिंह उनके घर पहुंचे। पुलिस के अनुसार बलविंदर सिंह अपने घर पर आराम कर रहे थे। कुछ लोगों ने घर की घंटी बजाई। हमलावरों ने दरवाजा खोलते ही उन्हें गोली मार दी। गोली बलविंदर सिंह के जबडे. के आर-पार हो गई। इसके बाद हमलावर बाइक से फरार हो गए। गोली चलने की आवाज सुनते ही परिवार और आसपास के लोग पहुंचे। परिजन उन्हें अस्पताल ले गए। उनकी हालत गंभीर है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज कब्जे में ले लिया है। रातभर अमृतसर में नाकाबंदी करके वाहनों की जांच की लेकिन हमलावरों का कोई सुराग नहीं मिल सका है। एसपी जुगराज सिंह के अनुसार बलविंदर सिंह अभी बयान देने की स्थिति में नहीं हैं। परिवार ने किसी भी प्रकार की रंजिश से इनकार किया है।

विहिप अध्यक्ष बोले- शक्तिपीठ सर्किट साकार करेगा धार्मिक पर्यटन की संकल्पना

- विहिप अध्यक्ष ने मां विंध्यवासिनी की चौखट पर परिवार संग नवाया शीश

मीरजापुर, (हि.स.)। विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र नारायण सिंह ने कहा कि विंध्य पर्वत पर विराजमान मां विंध्यवासिनी धाम, कालीखोह व अष्टभुजा मंदिर का सौंदर्यीकरण कर शक्तिपीठ सर्किट बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट विंध्य कारिडोर भव्यता बिखेरेगा ही, शक्तिपीठ सर्किट धार्मिक पर्यटन की संकल्पना साकार करेगा। इससे पर्यटकों की संख्या बढ़ने के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोमवार को पत्नी कविता सिंह, पुत्री व दामाद संजय सिंह के साथ मां विंध्यवासिनी का दर्शन करने विंध्यधाम आए थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पुरानी वीआईपी मार्ग से गर्भगृह पहुंच मां विंध्यवासिनी का दर्शन-पूजन किया। दर्शन-पूजन के बाद मंदिर परिसर पर विराजमान समस्त देवी-देवताओं को नमन किया। इसके उपरांत निमार्णाधीन विंध्य कारिडोर का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि विंध्य कारिडोर बनने से आस्था की डगर पर श्रद्धालुओं की राह सुगम होगी और काफी सहूलियत मिलेगी। निश्चित तौर पर पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष रामचंद्र शुक्ल, महेश तिवारी, जिला सेवा प्रमुख महेंद्र पांडेय, दीनानाथ मिश्र, बृजेश उपाध्याय, अगस्त्य द्विवेदी सहित अनेकों कार्यकताओं ने विंध्याचल स्थित कार्यालय पर उनका स्वागत किया।

पुलिस सुरक्षा में हत्या, सरकार की नाकामी : अखिलेश यादव

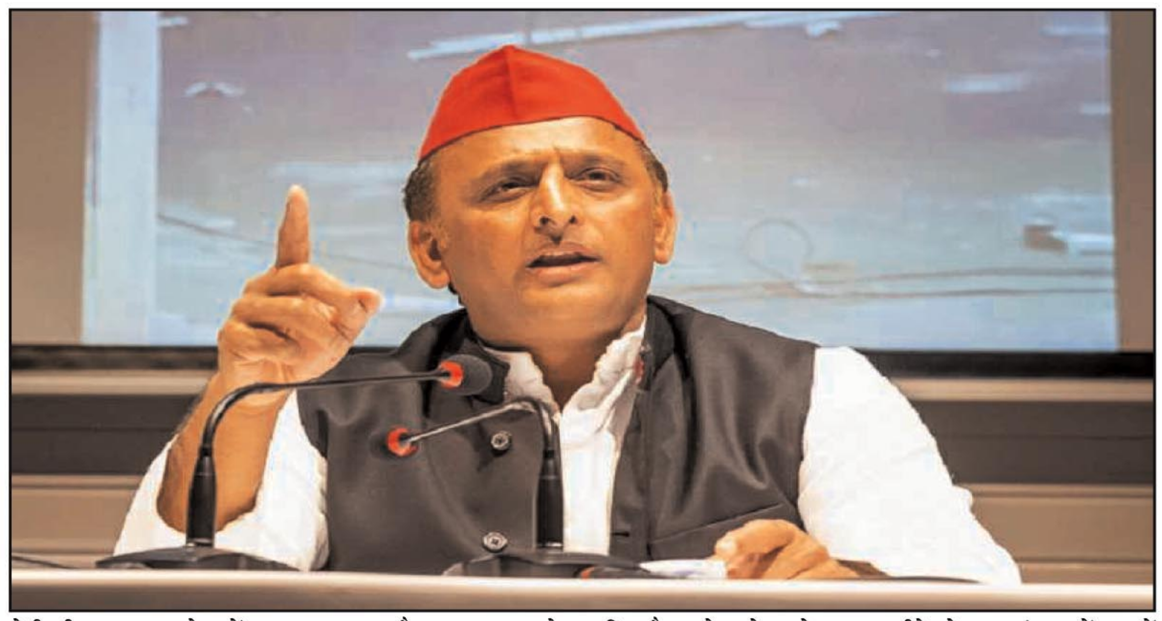

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश जंगल राज की गिरफ्त में फंस चुका है। यहां कानून और संविधान का शासन नहीं है। अपराध की पराकाष्ठा हो गयी है, सड़कों पर खुलेआम हत्याऐं हो रही हैं। अपराधी बेखौफ हैं। अपराधियों को सत्ताधारी पार्टी का संरक्षण मिला हुआ है। अखिलेश ने कहा कि मीडिया के सामने सुनियोजित तरीके से पुलिस के सुरक्षा घेरे के बीच हत्या, सरकार की नाकामी है। जब पुलिस सुरक्षा घेरे के बीच सरेआम गोलीबारी करके किसी की हत्या की जा सकती है तो आम जनता कितनी सुरक्षित है, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार ने अराजकता का जो माहौल बनाया है, इससे जनता के बीच भय व्याप्त हो गया है। ऐसा लगता है कि कुछ लोग जानबूझकर ऐसा वातावरण बना रहे हैं। कहा कि उत्तर प्रदेश में सरकार नाम की कोई चीज ही नहीं बची है। लगता है सरकार की साख ही मिट्टी में मिल गई है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी सरकार के समय में जिस उत्तर प्रदेश में विकास की बात होती थी उनमें मेट्रो, एक्सप्रेस-वे, आईटी सिटी, लैपटॉप की बातें होती थी उस उत्तर प्रदेश में अब अपराध, अपराधियों, गन और पिस्टल की चर्चा होती है। अखिलेश यादव ने कहा कि आज 25 करोड़ जनता की सुरक्षा और उत्तर प्रदेश के भविष्य को लेकर चिंता हैं। भाजपा ने नफरत फैलाकर समाज को डरा दिया है। आने वाले समय में भाजपा सरकार को यह भारी पड़ेगा। इन सबके लिए मुख्यमंत्री अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच पायेंगे। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश भाजपा के सत्ता में आने के बाद योजनाबद्ध तरीके से सत्ता संरक्षण में हत्यायें हो रही हैं। पुलिस हिरासत में उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा मौतें हो रही हैं। किसी भी लोकतांत्रिक देश में पुलिस अभिरक्षा में इस तरह हत्या नहीं हुई।

अतीक-अशरफ हत्याकांड की जांच के लिए एसआईटी गठित

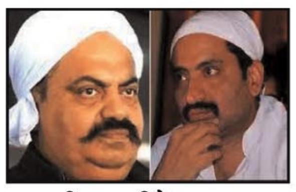

प्रयागराज, (हि.स.)। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या की जांच के लिए पुलिस आयुक्त प्रयागराज ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। वहीं पुलिस महानिदेशक ने विवेचना की गुणवत्ता और समयवद्ध कार्यवाही के लिए पर्यवेक्षण टीम बनाई है। पुलिस आयुक्त प्रयागराज रमित शर्मा द्वारा गठित तीन सदस्यीय एसआईटी में अपर पुलिस उपायुक्त अपराध सतीश चंद्र को मुख्य विवेचक और सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली सतेन्द्र प्रसाद तिवारी एवं विवेचना सेल, अपराध शाखा के निरीक्षक ओम प्रकाश को सह-विवेचक बनाया गया है। वहीं, राजधानी लखनऊ से पुलिस महानिदेशक आरके विश्वकर्मा द्वारा गठित पर्यवेक्षक टीम में भी तीन सदस्यीय शामिल किए गए हैं। इनमें अपर पुलिस महानिदेशक, प्रयागराज जोन को अध्यक्ष बनाया गया है जबकि प्रयागराज के पुलिस आयुक्त और निदेशक, विधि विज्ञान प्रयोगशाला इसके सदस्य बनाए गए हैं। गौरतलब है कि माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की शनिवार रात करीब साढ़े दस बजे उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब दोनों भाइयों को प्रयागराज के काल्विन अस्पताल में मेडिकल स्वास्थ्य परीक्षण के लिए पुलिस लेकर जा रही थी। पुलिस ने इस मामले में तीन हमलावरों को तत्काल मौके पर ही दबोच लिया था। पुलिस ने इस हाई प्रोफाइल दोहरे हत्या के मामले में पकड़े गये तीनों आरोपितों के नामजद और दो अज्ञात के खिलाफ प्रयागराज के शाहगंज में एफआईआर दर्ज किया है। मामले की विवेचना थानाध्यक्ष शाहगंज कर रहे हैं। रविवार को दोपहर बाद तीनों आरोपितों लवलेश तिवारी, अरुण कुमार मौर्य और शनि को जिला कोर्ट में पेश किया। अदालत ने तीनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा दिया है। पुलिस आयुक्त प्रयागराज का कहना है कि इस मुकदमे की विवेचनात्मक कार्यवाही में काफी संख्या में गवाहों के कथन, साक्ष्य, अभिलेख आदि का संकलन, विधि विज्ञान प्रयोगशाला से परीक्षण कराने एवं निष्पक्ष व गुणवत्तापरक विवेचना सुनिश्चित करने के लिए यह विवेचना एसआईटी से कराया जाना समीचीन है।

जकात की रकम से मस्जिद का जनरेटर नहीं खरीदा जा सकता : मौलाना फिरंगी महली

लखनऊ, (हि.स.)। इस्लामिक सेन्टर ऑफ इंडिया के दारुल निजामिया मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने कहा कि जकात की रकम से मस्जिद का जनरेटर खरीदा नहीं जा सकता। ये हो सकता है कि कोई गरीब आदमी कर्ज लेकर जनरेटर खरीद कर मस्जिद को दे दे और जकात इस गरीब को कर्ज अदा करने के लिए दे दी जाये। प्रतिदिन इस्लामिक सेन्टर ऑफ इंडिया के हेल्पलाइन में देश-विदेश से फोन कर लोगों द्वारा अपने प्रश्नों के उत्तर लिये जा रहे हैं। मौलाना फिरंगी महली के नेतृत्व में तैयार पैनल लोगों के प्रश्नों के उत्तर दे रहा है। पैनल को जकात को लेकर बहुत सारे प्रश्न किये जा रहे हैं और इसी में एक प्रश्न किया गया कि क्या जकात की रकम से मस्जिद का जनरेटर खरीदा जा सकता है। इस पर मौलाना फिरंगी महली ने दो टूक जवाब दिया कि ये सही नहीं है। एक दूसरे प्रश्न में पूछा गया कि जकात की रकम से मदरसे की मरम्मत या टाट वगैरह खरीद कर देना सही है, इस पर मौलाना फिरंगी महली के पैनल ने उत्तर दिया कि जकाम की रकम से मदरसे की मरम्मत व टाट वगैरह खरीद कर देना बिल्कुल सहीं नहीं है। ऐसा नहीं होना चाहिए। ईद के मौके पर नौकरों को जकात की नियत से रकम देने क्या जकात अदा हो जायेगी, इस प्रश्न के उत्तर पर पैनल ने कहा कि अगर हकदार है तो देते वक्त नियत कर लेने से अदा हो जायेगी। इसी तरह अगर किसी व्यक्ति के जाहिरी हालत से यह गुमान हो कि यह शख्स हाजतमंद है तो उसे जकात दी जा सकती हैं। मौलाना फिरंगी महली ने बताया कि मुसलमान के पास तमाम खर्च करने के बाद 100 रुपए बचते हैं तो उसमें से 2.5 रुपये किसी गरीब को देना जरूरी होता है। यह रकम किसी गरीब या जरूरतमंद को दिया जाता है, उसे ही जकात कहते हैं।

नगर निकाय चुनाव : पांच प्रतिशत की वृद्धि पर राजनीति दलों ने जताई सहमति

बहराइच, (हि.स.)। नगर निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 अन्तर्गत प्रत्याशियों के चुनाव में खर्च के लिए विभिन्न मदों हेतु प्रस्तावित दरों पर आयोजित कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक में चर्चा की। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने बताया कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 हेतु निर्धारित दरों में पांच प्रतिशत की वृद्धि करते हुए नगर निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 की दरों का निर्धारण किया गया। बैठक में मौजूद राजनैतिक दलों ने जिला प्रशासन की ओर से निर्धारित दरों पर सहमति जताई गई।

दरों की प्रति सभी दलों के पदाधिकारियों को उपलब्ध कराई गई। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को बताया कि 1300 से अधिक मतदाता वाले मतदेय स्थलों पर सहायक मतदेय स्थल बनाये गए हैं। मतदाताओं की सुविधा के दृष्टिगत नगर पालिका परिषद बहराइच एवं नानपारा तथा नगर पंचायत पयागपुर में बूथों के संशोधन प्रस्तावों पर के बारे में भी विवरण प्रस्तुत किया। प्रस्तावों पर चर्चा के दौरान राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन द्वारा तैयार किये गये प्रस्तावों पर सहमति प्रदान करते हुए इसे मतदाताओं के लिए उपयोगी बताया। जिलाधिकारी ने सभी राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों से अपेक्षा की राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श आचार संहिता का पालन करते हुए स्पोर्ट्स मैन स्प्रिट के साथ निर्वाचन में प्रतिभाग करें तथा नगर निकाय निर्वाचन को स्वतन्त्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने में जिला प्रशासन को सहयोग प्रदान करें। बैठक में एडीएम अनिरूद्ध प्रताप सिंह, मुख्य राजस्व अधिकारी अवधेश कुमार मिश्र, नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर, उप जिलाधिकारी सदर सुभाष सिंह, नानपारा अजीत परेस, वरिष्ठ कोषाधिकारी अशोक कुमार प्रजापति, सहायक निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) पी.एल. भार्गव व अन्य सम्बन्धित अधिकारी, भाजपा से रणविजय सिंह, श्रवण कुमार, सपा से जफर उल्ला खां बंटी, कांग्रेस से गोपीनाथ, आरएलडी से डॉ अजीमुल्ला, एनसीपी से राजेश कुमार श्रीवास्तव, कम्यूनिस्ट पार्टी से सै. महमूद अली कादरी, बसपा से सुखराम प्रजापति सहित अन्य सम्बंधित मौजूद रहे।

हाई कोर्ट ने एनटीपीसी के लिए भूमि अधिग्रहण मामले में केंद्र और राज्य सरकार से मांगा जवाब

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंद सेन की खंडपीठ में सोमवार को हजारीबाग में एनटीपीसी के लिए हुए भूमि अधिग्रहण मामले के दौरान कथित रूप से हुए तीन हजार करोड़ के भूमि-मुआवजा घोटाला की जांच के लिए दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। अदालत ने केंद्र सरकार से और राज्य सरकार से जवाब मांगा है। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार और केंद्र सरकार को चार सप्ताह में एफिडेविट के माध्यम से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान ईडी ने पक्ष रखा। ईडी की ओर से अदालत को बताया गया कि केरडारी थाना में प्राथमिकी दर्ज हुई है। अब अदालत इस मामले की अगली सुनवाई 19 जून को करेगा। खंडपीठ ने मंटू सोनी की याचिका पर सुनवाई की। मंटू सोनी की ओर से अधिवक्ता अभिषेक कृष्ण गुप्ता और मदन कुमार ने पक्ष रखा।

हजारीबाग में भूमि-मुआवजा से संबंधित गड़बड़ियों के सामने आने के बाद वर्ष 2016 में तत्कालीन उपायुक्त मुकेश कुमार की अनुसंशा पर, राज्य सरकार ने रिटायर्ड आईएएस अधिकारी देवाशीष गुप्ता की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय एसआईटी टीम गठित की थी। एसआईटी की टीम ने राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट में 3000 करोड़ के भूमि मुआवजा घोटाले किए जाने और 300 करोड़ मुआवजा बांट दिए जाने की जानकारी दी थी। याचिकाकरर्ता के मुताबिक, राज्य सरकार की ओर से कार्रवाई के नाम पर अब तक सिर्फ एनटीपीसी के प्रबंध निदेशक और हजारीबाग उपायुक्त को पत्राचार किया गया है।

अड़की प्रखंड के बिरबांकी में सरना धर्म महासम्मेलन का आयोजन

खूंटी, (हि.स.)। सरना धर्म सोतोः समिति, बिरबांकी के तत्वावधान में सरना धर्म महासम्मेलन आयोजित किया गया। धीरजु मुंडा, बुधराम सिंह मुंडा व विनय पहान की अगुवाई में अनुयायियों के साथ सरना स्थल में भगवान सिङबोंगा की पूजा-अर्चना कर सुख, शांति और खुशहाली की कामना की गई और पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अथिति के तौर पर अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के उपाध्यक्ष दुर्गा कच्छप और विशिष्ट अथिति बिरसा मुंडा के पड़पोता सुखराम मुंडा उपस्थित थे। मुख्य अतिथि दुर्गा कच्छप ने कहा कि सरना विश्व का सबसे पुराना धर्म है, जो प्रकृति पर आधारित है, लेकिन जनगणना परिपत्र में सरना धर्म कोड न होना मूल आदिवासियों के लिए दुर्भाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि सरना धर्म कोड आवंटित न करके आजाद भारत में आदिवासियों को धार्मिक गुलामी और धर्मांतरण के लिए क्यों बाध्य किया जा रहा है। आजाद भारत में धर्म कोड आवंटित था, पर बाद में उसे हटा देना मूल आदिवासियों के लिए पीड़ा बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार सरना धर्म कोड यथा शीघ्र लागू करें। विशिष्ट अथिति सुखराम मुंडा ने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा ने जिस समृद्ध समाज की कल्पना की, वह आज भी अधूरी है। उन्होंने न केवल जल-जंगल-जमीन व अबुआः दिसुम अबुआरू राज के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध डटकर लड़ा, बल्कि समाज में व्याप्त धार्मिक रूढ़ियों व सामाजिक अंधविश्वासों के विरुद्ध लोगों को जागरूक किय।

परिवहन विभाग की कार्रवाई के खिलाफ आंदोलन करेंगे खनन परिवहन कारोबारी

खूंटी, (हि.स.)। एक और अवैध बालू और पत्थर के उत्खनन के खिलाफ जिला खनन विभाग की ओर से की जा रही कार्रवाई से इस धंधे से जुड़े लोगों में हड़कंप है। वहीं प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीएलएफआइ की ओर से नदियों से बालू के उत्खनन और परिवहन पर रोक लगा दिए जाने से बालू का कारोबार करनेवाले लोग परेशान हैं। खनन विभाग की कार्रवाई के खिलाफ खूंटी जिला खनन परिवहन संघ ने आंदोलन का मूड बना लिया है। ज्ञात हो कि इन दिनों खूंटी में खनन विभाग की ओर से अवैध खनन परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और अवैध पत्थर और बालू लदे वाहनों को जब्त कर मालिकों से जुमार्ना वसूला जा रहा है। बैठक में निर्णय लिया गया कि खनन विभाग की इस कार्रवाई के खिलाफ खनन परिवहन से जुड़े कारोबारी उपायुक्त को ज्ञापन सौंपेगा। साथ ही संघ इस संबंध में जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री और खूंटी के सांसद अर्जुन मुंडा से भी शिकायत करेगा।

जिला खनन परिवहन संघ की हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि अगर खनन विभाग कार्रवाई बंद नहीं करेगा, तो खनन से जुड़े सभी कारोबारी कचहरी मैदान में अपने वाहनों को खड़ा कर खनन विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। इस संबंध में पूछे जाने पर जिला खनन पदाधिकारी नदीम शफी ने कहा कि परिवहन संघ के जो लोग खनन विभाग की कार्रवाई को गलत बता रहे हैं, वे सभी अवैध खनन और परिवहन के धंधे से जुड़े हैं, क्योंकि विभाग की लिस्ट में उनका नाम रजिस्टर्ड नहीं है। उन्होंने कहा कि खनिज विभाग का अवैध खनन कारोबारियों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा, चाहे वे आंदोलन करें या अनशन। अवैध परिवहन और उत्खनन के खिलाफ खनन विभाग की कार्रवाई जारी रहेगी।

राजद ने छतरबर ईदगाह मैदान में इफ्तार पार्टी का किया आयोजन

कोडरमा, (हि. स.)। राष्ट्रीय जनता दल और महगठबंधन के नेतृत्व में दावत-ए-इफ्तार का आयोजन रविवार को छतरबर ईदगाह मैदान में किया गया। इस वर्ष रमजान के महीने में बड़े पैमाने पर राजनीतिक दल की ओर से आयोजित यह पहला दावत-ए-इफ्तार था। छतरबर में आयोजित दावते इफ्तार में चतरा से लोकसभा चुनाव लड़ चुके राजद के वरीय नेता सुभाष यादव, कोडरमा के महागठबंधन के घटक दल के नेता समेत सैकड़ों रोजेदारों ने भी शिरकत किया। कौमी एकता मजबूत बनाने के संकल्प के साथ देश में शांति, समृद्धि और तरक्की की सामूहिक दुआ मांगी गई। सुभाष यादव ने दावत-ए-इफ्तार के आयोजन को लेकर कहा कि देश में नफरत, झूठ और इतिहास को तोड़ मरोड़कर फैलाकर देश को कमजोर किया जा रहा।

धर्म संप्रदाय के नाम पर भाई-भाई के बीच नफरत की दीवार खड़ी की जा रही है। हिंदू-मुस्लिम, सिख, ईसाई समुदाय की कौमी एकता को मजहबी विवाद खड़ी कर तोड़ने की कोशिश हो रही है। ऐसे में अमन पसंद और प्रेम, सौहार्द और संविधान पर विश्वास रखने वालों को आगे आकर समाज को एक धागा में बांधने की कामयाब कोशिश करनी पड़ेगी।

जातीय गणना में कायस्थों के लिए दो कोड स्वीकार्य नहीं: महापरिषद

अररिया (हि.स.)। बिहार में जातीय गणना की शुरूआत हो चुकी हैं, इसके लिए सभी जातियों के लिए एक कोड आवंटित किया गया हैं। परन्तु कायस्थ समाज के लिए दो-दो कोड आवंटित किया गया हैं। राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद ने इस पर आपत्ति जताते हुए महापरिषद के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हरिहर सिन्हा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुमन कुमार मल्लिक और युवा संभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद सिंहा ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री के कार्यालय में आवेदन देकर इसमें सुधार का अनुरोध किया है। प्रतिनिधिमंडल में शामिल इन नेताओं का कहना है कि कायस्थ समाज को जातीय गणना में दो-दो कोड का आवंटन किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं है और इससे आपस में ही भ्रम की स्थिति बन जायेगी। इन नेताओं ने महामहिम राज्यपाल और माननीय मुख्यमंत्री को दिए गए ज्ञापन में बताया हैं कि जाति जनगणना में कायस्थ समाज का मूल कोड संख्या 21 आवंटित किया गया है, परन्तु सूची के अवलोकन से पता चलता है की बंगाली कायस्थ के लिए एक संवर्ग तथा एक भिन्न कोड 205 आबंटित किया गया है। नेताओं ने कहा है इसका कोई औचित्य प्रतीत नहीं होता है और श्री चित्रगुप्त के सभी वंशज कायस्थ है। इनमे कोई विभेद नही है और वे किसी देश या प्रदेश में निवास करते हो। इन्होंने कहा की इससे पूर्व भी सूची में श्रीवास्तव, दर्जी और लाला को अलग से सूचीबद्ध कर दिया गया था जिसे बाद में संशोधित किया गया। महापरिषद ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री से अपने ज्ञापन के माध्यम से अनुरोध किया है कि जातीय गणना में कोड संख्या 205 को निरस्त एवं विलोपित करके, कायस्थों के लिए सिर्फ एक ही कोड संख्या 21 को ही स्थायी रूप से कोड के रूप में संशोधित किये जाने का पहल करें।

जनता दरबार में मुख्यमंत्री ने 40 लोगों की सुनीं समस्याएं, समाधान के लिए दिए दिशा निर्देश

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को जनता दरबार में राज्य के विभिन्न जिलों से आए 40 फरियादियों की समस्याएं सुनीं और और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके समाधान के लिए समुचित कार्रवाई के निर्देश दिये। जनता दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में किशनगंज जिले से आए एक युवक ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि 20 हजार की आबादी का गांव बाढ़ से प्रभावित हो रहा है, उसके लिए उचित उपाय किए जाएं। इस पर मुख्यमंत्री ने जल संसाधन विभाग को समुचित कार्रवाई करने के निर्देश दिये। अरवल जिले से आयी एक महिला ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि 8 फीट चौड़ी सड़क होने के बाद भी हर घर तक पक्की गली-नाली का निर्माण योजना के तहत हमारे यहां नाली का निर्माण नहीं हो रहा है। कटिहार जिले से आए एक फरियादी ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि विधायक फंड से वर्ष 2019-20 में पथ निर्माण कराने का टेंडर किया गया था, लेकिन अब तक किए गए कार्य की राशि का भुगतान नहीं किया गया है। मुजफ्फरपुर जिले से आयी एक महिला ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लाभ दिए जाने के बाद भी उन्हें अपना घर नसीब नहीं हुआ है, इससे काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुपौल जिला से आए एक युवक ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि उनके पिताजी बियाडा में कार्यरत थे, उनकी नौकरी के दरम्यान मौत हो गई थी, लेकिन उसके बाद भी आश्रित को नौकरी नहीं मिली है।

पश्चिम चंपारण जिले से आये एक युवक ने मुख्यमंत्री से जनवरी 2021 में वन विभाग के जब्त किए गए उसके ट्रैक्टर को वापस दिलाने की गुहार लगाई है। भोजपुर जिले से आए एक युवक ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि जनवितरण प्रणाली दुकान में दो लोगों का चयन किया गया लेकिन स्थानीय जनप्रतिनिधि की उदासीनता की वजह से शिक्षित बेरोजगार होने के बाद भी उन्हें इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। सीवान जिले से आए युवक ने मुख्यमंत्री से फरियाद करते हुये कहा कि उसकी पुश्तैनी जमीन पर कब्जा कर लिया गया है। बक्सर जिले के डुमरांव से आए एक युवक ने गुहार लगाते हुए कहा कि नगर परिषद के द्वारा कई कार्यों को नहीं किया गया है। डस्टबीन की खरीदारी में भी अनियमितता बरती गई है। बेगूसराय जिला से आयी एक महिला ने उसके घर के ऊपर से बिजली का तार हटवाने की गुहार लगाई। सीतामढ़ी जिला से आए एक व्यक्ति ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि उनके लंबित वेतन का अब तक भुगतान नहीं किया गया है। जनता के दरबार में सामान्य प्रशासन विभाग, ग्रामीण विकास विभाग सहित तमाम संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

2009 लोकसभा चुनाव में आचार संहिता उल्लंघन मामले में शहनवाज हुसैन बरी

भागलपुर, (हि.स.)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शहनवाज हुसैन को न्यायालय ने सोमवार को चुनाव आचार संहिता उल्लंघन मामले में बरी कर दिया है। उल्लेखनीय है कि भागलपुर में 2009 में लोकसभा चुनाव के दौरान पान की गुमटी में शाहनवाज हुसैन का एक फोटो था। जिसको लेकर अधिकारी ने शाहनवाज हुसैन पर आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया था। आज इसी बाबत भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन न्यायालय में हाजिर हुए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन, बिहपुर के भाजपा विधायक इंजीनियर शैलेंद्र, मंटू मोदी और व्यास चौधरी को इस 2009 में हुए आचार संहिता मामले को लेकर कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में बाइज्जत बरी कर दिया है। इसके पूर्व भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सह बिहार सरकार के पूर्व मंत्री शाहनवाज हुसैन भागलपुर पहुँचे। सर्किट हाउस में पार्टी कार्यकताओं से उन्होंने मुलाकात की। शाहनवाज हुसैन ने मोतिहारी में जहरीली शराब से हो रही मौतों को लेकर कहा कि बिहार में शराबबंदी लागू है। भाजपा ने शराबबंदी का समर्थन किया था। मौत के तांडव का समर्थन नहीं किया था। आखिर नकली शराब बिहार में घुसती कैसे है। इसके जिम्मेदारी कौन लेगा। जबरदस्ती अंतिम संस्कार कर तथ्य को छुपाया जा रहा है। सरकार को इसका जवाब देना चाहिए। बिहार सरकार पूरी तरह से गलत कर रही है।

संपादकीय

अतीक का 'हत्यावादी' अंत

माफिया अतीक अहमद की जिंदगी का यह सबसे नाटकीय घटनाक्रम रहा। पुलिस के सख्त पहरे और चौतरफा घेरेबंदी के बावजूद, किसी ने मीडिया का मुखौटा धारण कर, अतीक और उसके छोटे भाई अशरफ पर गोलियां चला दीं और कुछ ही सेकंड में जिंदगियां निष्प्राण हो गईं। माफिया के रूपक बने दोनों भाई मारे गए। गोलीबारी करने वाले 'जय श्रीराम' का उद्घोष करते रहे, जाहिर है कि वे किसी हिंदूवादी संगठन के सदस्य होंगे! यह हत्यावादी हमला भी किसी साजिशाना रणनीति का हिस्सा हो सकता है! अतीक और अशरफ को 'लाश' बनाने वालों ने आत्म-समर्पण भी कर दिया। उन पर हत्या का मुकदमा चल सकता है। साक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट और सार्वजनिक हैं। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने न्यायिक आयोग से जांच के आदेश दिए हैं। बेशक अतीक की माफियागीरी का फिलहाल अंत को चुका है, लेकिन उसके चार बेटे (दो बालिग, दो नाबालिग) पुलिस की गिरफ्त में हैं। जब भी वे जेल से मुक्त होंगे, क्या वे भी माफियागीरी का रास्ता अख्तियार करेंगे? क्या इस तरह अतीक और अशरफ की मौत भी एक सांप्रदायिक मुद्दा बन सकती है? क्या सपा, बसपा और ओवैसी इस मौतकांड को 'मुस्लिमवाद' के तौर पर प्रचारित करेंगे? अतीक को मुलायम सिंह यादव और मायावती सरीखे नेताओं का संरक्षण हासिल था, जिसकी छाया में वह माफिया बनता चला गया। अतीक के खिलाफ 100 से अधिक आपराधिक केस बताए जा रहे हैं। करीब दर्जन भर राज्यों में अतीक की ठेकेदारी भी माफियागीरी की तर्ज पर चलती रही। उसने अपराध और कारोबार से करोड़ों रुपए अर्जित किए। उप्र सरकार का दावा है कि वह 400 करोड़ रुपए से ज्यादा की अतीक की संपत्ति को जब्त कर चुकी है। बुलडोजर से न जाने कितना नुकसान किया होगा, लेकिन इस माफिया कांड का सबसे महत्त्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या किसी अपराधी की आपराधिक और दंडनीय नियति पुलिस और सरकार ही तय कर सकती है? दरअसल भारत के दंड-विधान और संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जो मुठभेड़ और मानवीय हत्या की इजाजत देता हो। हम मुठभेड़ या फांसी पर लटकाने की प्रक्रियाओं के खिलाफ हैं। हालांकि कानून में पुलिस को कुछ विशेषाधिकार दिए गए हैं, जो आत्मरक्षा या अपराधी के भाग जाने अथवा किसी अन्य अपरिहार्य स्थितियों में इस्तेमाल किए जा सकते हैं। हम हरेक मुठभेड़ या इस तरह की हत्या को 'फर्जी' या 'सांप्रदायिक' करार देने के भी पक्ष में नहीं हैं। हालांकि अतीक और उसके बेटे असद की हत्याओं के संदर्भों में सर्वोच्च अदालत के दिशा-निर्देश गौरतलब हैं। मुठभेड़ और हत्या होने के बाद धारा 176 के तहत, मामले की, अनिवार्य रूप से न्यायिक जांच की जानी चाहिए। क्या मुख्यमंत्री का आदेश पर्याप्त है? मुठभेड़ हो, तो उसकी रपट धारा 190 के तहत अधिकार-क्षेत्र वाले न्यायिक मजिस्ट्रेट को भेजी जानी चाहिए। राष्ट्रीय और राज्य मानवाधिकार आयोगों को भी इसकी रपट भेजी जानी चाहिए। मुठभेड़ के बाद प्राथमिकी तुरंत दर्ज की जानी चाहिए और उसे धारा 157 के तहत, बिना किसी देरी के, अदालत को भेजनी चाहिए। बुनियादी तौर पर यह मामला मुठभेड़ का है, क्योंकि 24 फरवरी के उमेश पाल हत्याकांड से जुड़े सभी 6-8 आरोपितों को मुठभेड़ के जरिए या हत्या कर समाप्त किया गया है। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने 23 मार्च, 2022 को राज्यसभा को अवगत कराया था कि देश भर में बीते छह सालों के दौरान मुठभेड़ के 813 केस दर्ज कराए गए हैं। ऐसे मामले बीते दो साल में करीब 70 फीसदी बढ़े हैं। अप्रैल, 2016 के बाद से हर तीसरे दिन औसतन एक मुठभेड़ जरूर हो रही है। कोरोना महामारी के 'चरम' के दौरान मुठभेड़ें और हत्याएं कम हुई थीं, लेकिन औसतन मुठभेड़ें-हत्याएं अब फिर बढ़ रही हैं। अतीक का विषय इतना महत्त्वपूर्ण नहीं है, लेकिन इससे कानून और संविधान के सरोकार जुड़े हैं।

अतीक और अशरफ को 'लाश' बनाने वालों ने आत्म-समर्पण भी कर दिया। उन पर हत्या का मुकदमा चल सकता है। साक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट और सार्वजनिक हैं। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने न्यायिक आयोग से जांच के आदेश दिए हैं। बेशक अतीक की माफियागीरी का फिलहाल अंत को चुका है, लेकिन उसके चार बेटे (दो बालिग, दो नाबालिग) पुलिस की गिरफ्त में हैं। जब भी वे जेल से मुक्त होंगे, क्या वे भी माफियागीरी का रास्ता अख्तियार करेंगे? क्या इस तरह अतीक और अशरफ की मौत भी एक सांप्रदायिक मुद्दा बन सकती है? क्या सपा, बसपा और ओवैसी इस मौतकांड को 'मुस्लिमवाद' के तौर पर प्रचारित करेंगे? अतीक को मुलायम सिंह यादव और मायावती सरीखे नेताओं का संरक्षण हासिल था, जिसकी छाया में वह माफिया बनता चला गया। अतीक के खिलाफ 100 से अधिक आपराधिक केस बताए जा रहे हैं। करीब दर्जन भर राज्यों में अतीक की ठेकेदारी भी माफियागीरी की तर्ज पर चलती रही। उसने अपराध और कारोबार से करोड़ों रुपए अर्जित किए। उप्र सरकार का दावा है कि वह 400 करोड़ रुपए से ज्यादा की अतीक की संपत्ति को जब्त कर चुकी है।

कुछ अलग

अहम फैसलों का शो

हिमाचल दिवस के गुणात्मक फलक पर काजा भी कमोबेश प्रदेश की उन्हीं प्राथमिकताओं को आत्मसात कर रहा है, जो कहीं अन्यत्र भी ऐसे समारोहों की शर्त बन गई हैं। हिमाचल दिवस की वचनबद्धता से निकले उत्तर से कर्मचारी व पेंशनर्स तीन प्रतिशत महंगाई भत्ता पा रहे हैं, तो हम यह मान चुके हैं कि जब भी प्रदेश को अहम फैसलों का शो करना है, तो लाभ की किश्तियां हमेशा कर्मचारियों को ढोएंगी। आखिर यही तो है हिमाचल की एकमात्र प्राथमिकता जिसके ऊपर सरकारें फिदा और बजट कुर्बान होता रहेगा। हम कर्मचारी राज्य बनकर सामाजिक व राजनीतिक प्रतिष्ठा की अहमियत में निर्णय लेते-लेते कितने कदम और चलेंगे, कोई नहीं जानता। हिमाचल दिवस से पूर्ण राज्यत्व दिवस की उपलब्धियों में प्रदेश अपना शृंगार करता रहा है, लेकिन सत्ता की ओहदेदारी में बजट की कृपा हमेशा कर्मचारी हितों के मानदंड पर खरी उतरती है। बेशक किसी भी राज्य के लिए कर्मचारी एक संपत्ति हो सकते हैं, लेकिन भविष्य के लिए उम्मीदों का सागर उठाए युवा पीढ़ी को हर लम्हे का प्रश्रय चाहिए। हिमाचल के हर अवसर की लागत का मुआयना करें, तो एक साथ कई तस्वीरों में बंटा प्रदेश दिखाई देता है। एक ओर प्रदेश की प्राथमिकताओं में सरकारी मशीनरी के मायने, व्यवहार, स्वभाव और लागत है, तो दूसरी ओर निजी क्षेत्र की उड़ान में अपेक्षाओं की खामोशी परवान चढ़ती है। ऐसे में स्वाभाविक है कि युवा पीढ़ी क्यों निजी क्षेत्र को अपनी प्राथमिकता बनाए। काजा की गूंज में सारी महंगाई तो नहीं आई, बल्कि एक खास वर्ग के लिए इसके एवज में क्षतिपूर्ति जरूर हो गई। महंगाई तो जीवन के हर कदम और रोजगार के हर अवसर पर अपनी घिनौनी शक्ल लिए खड़ी है, लेकिन प्रदेश का साहस व समर्थन ऐसे परिवारों के लिए सुनिश्चित है जो सरकारी क्षेत्र में नौकरी कर रहे हैं। प्रदेश का सारा गणित और गणित का मकसद अगर एक खास तपके की शरण में रहेगा, तो कौन स्वरोजगार, व्यापार या नवाचार की ओर बढ़ेगा। पहले ही ओपीएस के मजमून पर मेहनत-मजदूरी की कीमत घट रही है, क्योंकि अव्यवस्थित क्षेत्र में व्याप्त अनिश्चितता अब एक रोग की तरह अवांछित कर दी गई है। आज हिमाचल की आर्थिक विडंबना यह है कि जनता के सामने राज्य की प्राथमिकताएं उधार में जलेबी पका रही हैं। कर्ज उठाकर चार कदम चलना भी अगर फेफड़े फुला रहा है, तो दरियादिली के आलम में हम कब भविष्य की प्राथमिकताओं में यथार्थवादी होंगे। बेशक सुक्खू सरकार ने वाटर सैस और शराब की बिक्री से खजाने को भरने के अभिनव प्रयोग करने शुरू किए हैं, लेकिन आमदनी की लाभार्थी तो पूरी जनता होनी चाहिए। कहना न होगा कि हिमाचल को गौरवान्वित करते इतिहास से निकले हिमाचल से पूर्ण राज्यत्व दिवस अब संकल्प दिवस होने चाहिएं, ताकि आत्मनिर्भरता के रास्ते पर हर शख्स आत्मनिर्भर हो। हम चाहें तो मंदिरों की आय को कई गुना बढ़ा कर प्रदेश की आर्थिक प्राथमिकताओं को नए सिरे से सिंचित कर दें और चाहें तो नागरिक कर अदायगी का दायरा बड़ा करके आत्मनिर्भरता के डग भर लें। जो भी हो राज्य के संकल्प बड़े व व्यावहारिक बनाने के लिए प्राथमिकताएं बदलनी होंगी। राज्य का खाद-पानी अगर आर्थिक आत्मनिर्भरता के पौधे उगाना सीख ले, तो वित्तीय बरकतें कमाई और खर्च में संतुलन पैदा कर सकती हैं।

नई विदेश व्यापार नीति की तस्वीर को देखें तो इसमें कई प्रमुख बातें उभरकर दिखाई दे रही

अब रुपया लगाएगा नई छलांग

डा. जयंती लाल भंडारी

नई विदेश व्यापार नीति के तहत सरकार ने निर्यात के दायरे को बढ़ाने के लिए जिला स्तर पर एक्सपोर्ट हब की स्थापना करने की घोषणा की है और वित्त वर्ष 2023-24 में 75 जिलों में एक्सपोर्ट हब बनाए जा सकते हैं। इससे निर्यात से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी दूर हो सकेगी। सरकार वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट की पहचान का काम पहले ही पूरा कर चुकी है। जिला स्तर पर निर्यात सुविधा विकसित होने से उस जिले के उत्पाद को आसानी से निर्यात किया जा सकेगा। ऐसे प्रयास से सभी राज्यों को निर्यात में हिस्सेदार बनने का मौका मिलेगा और वहां रोजगार में भी बढ़ोतरी होगी। सरकार ने टाउंस ऑफ एक्सपोर्ट एक्सीलेंस (टीईई) की लिस्ट में चार नए शहर शामिल किए हैं। फरीदाबाद को अपैरल, मुरादाबाद को हैंडीक्राफ्ट, मिर्जापुर को हैंडमेट कार्पेट और वाराणसी को हैंडलूम व हैंडीक्राफ्ट उत्पाद के लिए टीईई का दर्जा दिया गया है।

देश की नई विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) एक अप्रैल से लागू की गई है। इससे निर्यात तेजी से बढ़ेंगे। जिस तरह नई विदेश व्यापार नीति से विदेश व्यापार रुपए में किए जाने संबंधी महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं, उससे भारत का रुपया दुनिया के मुद्रा बाजार में नई छलांग लगाएगा। डॉलर के मुकाबले रुपए को मजबूती मिलेगी। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के 18 देशों के साथ रुपए में व्यापार की सहमति बन चुकी है और रूस, श्रीलंका व मारीशस के साथ रुपए में व्यापार शुरू हो गया है। गौरतलब है कि पिछली विदेश व्यापार नीति 1 अप्रैल 2015 को लागू की गई थी और इसके समाप्त होने की तिथि 2020 थी, लेकिन कोरोना वायरस आने के कारण सितंबर 2022 में इसे 31 मार्च 2023 तक बढ़ा दिया गया। अब सरकार ने नई एफटीपी नीति को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नए निर्देशों और नियमों के अनुरूप बनाया है। यदि हम नई विदेश व्यापार नीति की तस्वीर को देखें तो इसमें कई प्रमुख बातें उभरकर दिखाई दे रही हैं। पहले विदेश व्यापार नीति पांच वर्षों के लिए होती थी, लेकिन अब नई नीति की कोई अंतिम तारीख नहीं है। इसमें उपयुक्तता अनुरूप परिवर्तन किए जा सकेंगे। नई विदेश व्यापार नीति के तहत सरकार ने निर्यात के दायरे को बढ़ाने के लिए जिला स्तर पर एक्सपोर्ट हब की स्थापना करने की घोषणा की है और वित्त वर्ष 2023-24 में 75 जिलों में एक्सपोर्ट हब बनाए जा सकते हैं। इससे निर्यात से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी दूर हो सकेगी। सरकार वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट की पहचान का काम पहले ही पूरा कर चुकी है। जिला स्तर पर निर्यात सुविधा विकसित होने से उस जिले के उत्पाद को आसानी से निर्यात किया जा सकेगा। ऐसे प्रयास से सभी राज्यों को निर्यात में हिस्सेदार बनने का मौका मिलेगा और वहां रोजगार में भी बढ़ोतरी होगी। सरकार ने टाउंस ऑफ एक्सपोर्ट एक्सीलेंस (टीईई) की लिस्ट में चार नए शहर शामिल किए हैं। फरीदाबाद को अपैरल, मुरादाबाद को हैंडीक्राफ्ट, मिर्जापुर को हैंडमेट कार्पेट और वाराणसी को हैंडलूम व हैंडीक्राफ्ट उत्पाद के लिए टीईई का दर्जा दिया गया है। इसके पहले 39 शहरों को टीईई का दर्जा प्राप्त है। ई-कॉमर्स के माध्यम से होने वाले निर्यात के प्रोत्साहन के लिए अलग से ई-कॉमर्स जोन की स्थापना का भी ऐलान किया गया है। कूरियर सेवा के माध्यम से होने वाले निर्यात की वैल्यू लिमिट को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये प्रति

खेप कर दिया गया है। ऐसे में ई-कॉमर्स निर्यात 2030 तक 200 से लेकर 300 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। खास बात यह भी है कि नई एफटीपी के तहत आवेदनों का डिजिटलीकरण किया जाएगा तथा आवेदकों को स्वचालन प्रणाली के जरिए मंजूरी दी जाएगी। पहले निर्यात संबंधी विभिन्न मंजूरियों से तीन दिन से लेकर एक महीने का समय लगता था, अब यह मंजूरी एक दिन में मिलेगी। निर्यातक खुद ही वस्तुओं को सत्यापित कर सकेंगे। निर्यात लाइसेंस शुल्क में कटौती की गई है। पहले शुल्क 1000 से 10000 रुपए देना होता था, अब केवल 100 से 5000 रुपए देने होंगे। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) के लिए शुल्क में भी बड़ी कटौती की गई है। मैन्युफैक्चरिंग से संबंधित उत्पादों के निर्यात को बढ़ाने के लिए विशेष प्रोत्साहन दिए जाएंगे। अब निर्यातक उन वस्तुओं का निर्यात भी कर सकेंगे जिनके निर्यात पर भारत में प्रतिबंध होगा। निर्यातक देश में प्रतिबंधित वस्तुओं को किसी एक देश से खरीदकर दूसरे देश में बेच सकेंगे। निर्यातक पुराने सभी बकायों को विशेष रियायत स्कीम के तहत 30 सितंबर तक चुकाकर लाभान्वित हो सकेंगे। निश्चित रूप से इस समय जब नई विदेश व्यापार नीति लागू की गई है, तब वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारत के निर्यात बढने की कई अनुकूलताएं भी हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि वर्ष 2021-22 में उत्पाद एवं सेवा निर्यात का जो मूल्य करीब 676 अरब डॉलर था, वह चालू वित्त वर्ष 2022-23 में बढक़र 760 अरब डॉलर से भी अधिक हो सकता है। भारतीय उत्पादों की मांग दुनियाभर में बढ़ रही है। देश से उच्च इंजीनियरिंग निर्यातों, परिधान और वस्त्र निर्यात आदि से संकेत मिलते हैं कि यह धारणा धीरे-धीरे बदल रही है कि भारत प्राथमिक जिंसों का ही बड़ा निर्यातक है। अब भारत के द्वारा अधिक से अधिक मूल्यवर्धित और उच्च गुणवत्ता वाले सामानों का निर्यात भी किया जा रहा है। खास बात यह है कि कोविड-19 के कारण भारत के सेवा निर्यात में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। कोविड-19 के बाद दो साल में कुल आईटी सेवाओं के निर्यात में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह भी महत्वपूर्ण है कि नई विदेश व्यापार नीति से भारत विश्व पटल पर कृषि निर्यात के बड़े बाजार के रूप में दिखाई दे सकेगा। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक सरकार ने वर्ष 2021-22 में 50 अरब डॉलर से अधिक का कृषि निर्यात किया है। वह वर्ष 2022-23 में 56 अरब डॉलर से अधिक की ऊंचाई पर है तथा अब नई विदेश व्यापार नीति से कृषि निर्यात नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचेगा। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पिछले वर्ष 2022 में देश से निर्यात बढ़ाने में भारत के द्वारा यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की भी प्रभावी भूमिका रही है। जहां कई उभरते हुए वैश्विक आर्थिक परिदृश्य भारत के निर्यात वृद्धि हित में हैं, वहीं चीन के प्रति वैश्विक नकारात्मकता और अमेरिका और कई अन्य देशों के साथ चीन के व्यापार संबंधों में कड़वाहट का भी भारत से निर्यात बढ़ाने में लाभ होगा। निश्चित रूप से अब नई विदेश व्यापार नीति के तहत महत्वाकांक्षी निर्यात लक्ष्य पाने के लिए हमें कई बातों पर ध्यान देना होगा। हमें देश से निर्यात बढ़ाने के लिए अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण की रफ्तार तेज करने, शोध और नवाचार तथा श्रमशक्ति को नई डिजिटल कौशल योग्यता से सुसज्जित करने की डगर पर तेजी से आगे बढना होगा। देश के उद्योग-कारोबार जगत के द्वारा प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव (पीएलआई) का अधिकतम लाभ लेते हुए इसके कारगर क्रियान्वयन से चीन से व्यापार असंतुलन कम करने के लिए अधिकतम प्रयास करने होंगे। अब भारत के द्वारा यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, कनाडा, खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के छह देशों, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और इजराइल के साथ एफटीए के लिए प्रगतिपूर्ण वार्ताएं तेजी से पूरी करनी होंगी। भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा डिजिटल रुपए की जो प्रायोगिक शुरुआत हुई है, उसे अब शीघ्रता से विस्तारित करना होगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के द्वारा निर्यातकों की निर्यात लाभों का दावा रुपए में करने में सक्षम बनाए जाने संबंधी जो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं, उनके कारगर क्रियान्वयन से भारत के निर्यात बढ़ते हुए दिखाई देंगे।

विश्वसनीयता की कसौटी पर भारतीय मीडिया

मीडिया की नजर तीनों स्तम्भों के जिम्मेवारी, निष्ठा तथा पक्षपात रहित कार्य करने पर रहती है। मीडिया द्वारा प्रदत जानकारी तथा जागरूकता के पश्चात निर्णय लेने की शक्ति जनता के विवेक तथा निर्णय पर निर्भर करती है। मीडिया जनता, चुने हुए प्रतिनिधियों, प्रशासन तथा न्यायिक व्यवस्था पर अपनी पैनी नजर रखते हुए सभी के बीच एक सेतु का कार्य करता है। लोकतन्त्र का घेरा लोगों द्वारा बनाई गई विधायिका से चलकर कार्यपालिका, न्यायपालिका व मीडिया से होते हुए पुन: लोगों के पास ही आ जाता है। भारत में इन सभी को मिलाकर एक मजबूत एवं सशक्त लोकतंत्र का निर्माण होता है। प्रेस, पत्रकारिता या मीडिया संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) में अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता और अभिव्यक्ति के तहत भारत के संविधान द्वारा दिए गए मूल अधिकारों को संदर्भित करते हुए स्वतन्त्र पत्रकारिता को प्रोत्साहित करती है और लोगों को सरकार या उसके विरुद्ध अपनी राय देने की अनुमति प्रदान कर लोकतन्त्र को मजबूत करती है। भारत में प्रेस और मीडिया की स्वतंत्रता को व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है। देश के लोगों की सुरक्षा, राष्ट्रीय एकता, संप्रभुता और देश की अखंडता को सुनिश्चित करने के लिए इसमें अनुच्छेद 19 (2) के तहत कुछ उचित प्रतिबंध भी लगाए गए हैं।

भारत वर्ष दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। इस देश को संवैधानिक तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था से चलाने के लिए चार मुख्य एवं महत्त्वपूर्ण स्तम्भों विधानपालिका कार्यपालिका, न्यायपालिका तथा प्रेस यानी मीडिया का निर्माण किया गया। संविधान में इन सभी के कार्य स्पष्ट रूप से परिभाषित हैं तथा ये चारों एक-दूसरे के बीच हस्तक्षेप नहीं करते। विधानपालिका देश के संचालन के लिए कानून का निर्माण करती है। कार्यपालिका के माध्यम से बनाए गए नियम या कानून सभी के लिए समान रूप से क्रियान्वित एवं लागू होते हैं। यह कानूनों को जनता में पहुंचाने, पालन करवाने तथा समान रूप से लागू करने का कार्य करती है। न्यायपालिका बनाए गए कानूनों की व्याख्या तथा कानूनी प्रावधानों के उल्लंघन होने पर सजा का प्रावधान करती है। इससे कोई भी व्यक्ति शक्ति, प्रभाव या धन बल के आधार पर कानून का उल्लघंन नहीं कर सकता। प्रेस यानी पत्रकारिता या मीडिया को लोकतन्त्र के चौथे स्तम्भ के रूप में मान्यता मिली है। यह लिखित एवं दृष्य एवं श्रव्य संसाधनों के माध्यम से स्वतन्त्र रूप से विधानपालिका, कार्यपालिका तथा न्यायपालिका पर नजर रखता है। मीडिया की नजर तीनों स्तम्भों के जिम्मेवारी, निष्ठा तथा पक्षपात रहित कार्य करने पर रहती है। मीडिया द्वारा प्रदत जानकारी तथा जागरूकता के पश्चात निर्णय लेने की शक्ति जनता के विवेक तथा निर्णय पर निर्भर करती है। मीडिया जनता, चुने हुए प्रतिनिधियों, प्रशासन तथा न्यायिक व्यवस्था पर अपनी पैनी नजर रखते हुए सभी के बीच एक सेतु का कार्य करता है। लोकतन्त्र का घेरा लोगों द्वारा बनाई गई विधायिका से चलकर कार्यपालिका, न्यायपालिका व मीडिया से होते हुए पुनः लोगों के पास ही आ जाता है। भारत में इन सभी को मिलाकर एक मजबूत एवं सशक्त लोकतंत्र का निर्माण होता है। प्रेस, पत्रकारिता या मीडिया संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) में अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता और अभिव्यक्ति के तहत भारत के संविधान द्वारा दिए गए मूल अधिकारों को संदर्भित करते हुए स्वतन्त्र पत्रकारिता को प्रोत्साहित करती है और लोगों को सरकार या उसके विरुद्ध अपनी राय देने की अनुमति प्रदान कर लोकतन्त्र को मजबूत करती है। भारत में प्रेस और मीडिया की स्वतंत्रता को व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है। देश के लोगों की सुरक्षा, राष्ट्रीय एकता, संप्रभुता और देश की अखंडता को सुनिश्चित करने के लिए इसमें अनुच्छेद 19 (2) के तहत कुछ उचित प्रतिबंध भी लगाए गए हैं। अनुच्छेद 19 में घोषणा के केंद्र में कहा गया है, 'हर किसी को राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है। इस अधिकार में हस्तक्षेप के बिना राय रखने और किसी भी मीडिया माध्यम से और सीमाओं की परवाह किए बिना सूचना और विचारों को प्राप्त करने और प्रदान करने की स्वतंत्रता शामिल है।' मीडिया के अधिकार 'फ्रीडम ऑफ स्पीच एंड एक्सप्रेशन' के अन्तर्गत आते हैं। अभी हाल ही में माननीय उच्चतम न्यायालय ने अपने एक ऐतिहासिक फैसले में मीडिया वन मलयालम चैनल के प्रसारण पर केंद्र सरकार द्वारा लगाए प्रतिबंध को हटाते हुए कहा कि मजबूत लोकतंत्र के लिए प्रेस की आजादी जरूरी है। देश के सामने सच बोलना प्रेस का कर्तव्य है तथा इससे राष्ट्र को कोई खतरा नहीं है। माननीय उच्चतम न्यायालय ने कहा कि सरकार की नीतियों की आलोचना करना कोई सत्ता का विरोध नहीं है। प्रेस की स्वतन्त्रता को बल देता हुआ यह फैसला ऐतिहासिक तो है लेकिन इसके साथ ही प्रेस को अपनी सीमाओं, मर्यादाओं तथा अधिकार क्षेत्र में रह कर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना भी उतना ही आवश्यक है। यह सही है कि मीडिया विचारों के आदान-प्रदान का एक सशक्त माध्यम है। यह व्यक्ति एवं निकायों को उनके कार्यों और हकों के लिए आवाज देता रहता है। मीडिया आम आदमी की आवाज है जो सामान्य व्यक्ति को सूचनाओं तथा समाचारों के साथ अभिव्यक्ति का एक सहासिक एक मंच प्रदान करता है। मीडिया संवैधानिक व्यवस्था पर नजर रख कर प्रहरी का कार्य करता है लेकिन राष्ट्रीय चरित्र तथा नैतिकता की दृष्टि से वर्तमान में मीडिया को भी अपना आत्म अवलोकन तथा आत्म विश्लेषण कर स्वयं में कुछ प्रश्नों का उत्तर ढूंढने का प्रयास करना चाहिए ताकि उसका सम्मान, गरिमा तथा विश्वसनीयता बनी रहे। वर्तमान में क्या यह सत्य नहीं है कि आज देश की जनता हर रोज 'फेक' न्यूज का शिकार होकर गुमराह होती है। क्या यह सत्य नहीं है कि मीडिया का भी राजनीतिकरण हो गया है? क्या यह भी सत्य नहीं है कि टीवी चैनल एवं समाचार पत्र राजनैतिक विचारधाराओं से प्रभावित हैं? क्या यह भी सत्य नहीं है कि आज मीडिया को 'गोदी मीडिया' पुकार कर मीडिया का उपहास उड़ाया जाता है? क्या यह सत्य नहीं है कि सुनियोजित तरीके से राष्ट्रीय, सामाजिक तथा विकासात्मक मुद्दों से हटकर जनता का ध्यान भटकाया जाता है? क्या यह भी खुला सत्य नहीं है कि बड़े से बड़े राजनैतिक, सुरक्षा, राष्ट्रीय तथा संगीन मामलों का कानून के दायरे तथा न्यायालय में जाने से पहले ही मीडिया ट्रायल हो जाता है? मीडिया हाउस बड़े-बड़े धन्ना सेठ चलाते हैं। उनकी तथा राजनैतिक दलों की अनुमति के बिना कुछ भी नहीं छप सकता। 'पेड न्यूज' का बोलबाला हो गया है। वर्तमान में घृणा, अपराध, झूठे आरोप, गलत चित्रण, चरित्र हनन तथा फर्जी समाचार आदि के कारण बहुत से मुकद्दमे न्यायालयों के सामने आए हैं। मीडिया को राष्ट्र तथा समाज के सामने बिना पक्षपात तथा भेदभाव से सच्ची तस्वीर प्रस्तुत करनी चाहिए, नहीं तो जनता गुमराह ही होती है। इससे मीडिया की गरिमा एवं विश्वसनीयता कम होती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि देश में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया की स्वतंत्रता के बिना मजबूत एवं स्वस्थ लोकतंत्र का चलना संभव नहीं है, तथापि यह भी बहुत आवश्यक है कि मीडिया भी अपनी भूमिका निष्ठा, ईमानदारी, भेदभाव तथा पक्षपात रहित होकर निभाए। इससे लोकतन्त्र के हितों की रक्षा के साथ लोकतन्त्र के प्रहरी के रूप में गरिमा तथा विश्वसनीयता भी बढ़ेगी। देश के निर्माण में मीडिया की भूमिका को बिल्कुल नकारा नहीं जा सकता, लेकिन लोकतन्त्र के इस चौथे स्तम्भ को और अधिक सशक्त तथा मजबूत बनाने की जिम्मेदारी भी मीडिया की ही है। लोकतन्त्र की सही स्थापना तथा प्रतिष्ठा के लिए सभी व्यक्तियों, समाजों, मतों, सम्प्रदायों, धर्मों तथा राजनैतिक दलों का जीवित रहना बहुत आवश्यक है। स्वस्थ एवं मजबूत लोकतंत्र की सशक्त भूमिका निभाते हुए स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक प्रेस का होना बहुत आवश्यक है।

नागरिक बोध

मुर्दों से संवाद

अचानक सभी मुर्दे कब्रों से बाहर आ गए, यह देखकर कब्रिस्तान की देखभाल कर रहा व्यक्ति भी हैरान था। वह इसे ऐतिहासिक घटना मान रहा था और सोचने लगा कि अगर इसी तरह कब्रें मुर्दाविहीन हो जाएं, तो कितनी आसानी से इतिहास को बदला जा सकता है। मुर्दे जब कब्र में डाले गए थे, तो एकदम संवेदनहीन होकर और सपनों के मरने से मरे थे, लेकिन यह कैसी नौबत आ गई कि कब्रें अब मुर्दों को विचलित कर रही हैं। हम अपने जीवन में अस्तित्व की खोज करते हैं या इसकी रक्षा में दुनिया को परेशान करते हैं, लेकिन एक मुर्दा ही है जिसका कोई अस्तित्व नहीं होता, लेकिन आज कब्रों से बाहर आ गए सभी मुर्दों को अस्तित्व की चिंता है। दरअसल जिस दिन से अपने देश में एक दूसरे के लिए एडवांस में कब्र खोदने की प्रतियोगिता शुरू हो गई है, कब्रें कांपने लगी हैं। कांपती कब्रों में मुर्दा कैसे शांति से सो सकता है। आज तक यूं तो कोई जान नहीं सका कि क्या शांति का ताल्लुक कब्र से है या कब्र के कारण हम शांत हो सकते हैं। जो भी हो मुर्दे पहली बार बोल रहे थे, 'भले ही देश को रामभरोसे चला लो, लेकिन कब्र को कब्र बनाए रखने के लिए तो कम से कम देश की व्यवस्था को सुधार लो।' यहां मसला देश की व्यवस्था से कहीं ज्यादा इतिहास का था। कब्रिस्तान की देखभाल कर रहे व्यक्ति ने मुर्दों को समझाया कि वे कब्र में लौट जाएं, लेकिन जब वे किसी तर्क पर नहीं माने तो उसने मीडिया को बुला लिया। यह मीडिया के लिए भी एक अवसर था। वैसे भी मीडिया अब जिंदा के बजाय मुर्दा मुद्दों को कब्र से बाहर निकालने में पारंगत है। मीडिया संवाद के कब्रिस्तान तो वैसे भी बनने लगे हैं, लेकिन पहली बार मुर्दे खुद लाइव हो रहे थे। मुर्दों की गुमनामी में भी मीडिया को ऐसी खबर ढूंढनी थी जिससे उसके प्रायोजक, आयोजक और आका खुश हो जाएं, लेकिन उसे आशंका यह हो रही थी कि यहां भी पता नहीं किस युग के मुर्दे निकल आएंगे।

देश दुनीया से

अतीत में अतीक के साथ जो नेता जुड़े थे, कहीं उन्होंने तो दोनों भाइयों को खामोश नहीं करवा दिया?

देश जब अपने लोकतंत्र की स्थापना के लिए संघर्ष कर रहा था। राजनीतिक वातावरण अत्यधिक आवेशित था और राजनीतिक दल अपने विरोधियों पर बढ़त हासिल करने के लिए बेताब थे। इस अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल में, कई राजनेता चुनाव जीतने में मदद करने के लिए आपराधिक तत्वों की ओर मुड़े। इसने भारत में राजनीति के अपराधीकरण की शुरुआत को चिह्नित किया। अतीक भी इसी से 'पैदा' हुआ था। जिसका आदि अंत हो गया। अतीक और उसके भाई अशरफ की मौत पर राजनीतिक दल अपने हिसाब से हो-हल्ला मचाते रहेंगे, लेकिन अतीक ब्रदर्स की हत्या को लेकर पुलिस को जवाब देना आसान नहीं होगा, उसे कोर्ट का भी सामना करना होगा। बाहुबली अतीक ब्रदर्स की पुलिस कस्टडी में हत्या को सिर्फ एक सनसनीखेज वारदात भर समझ के नहीं देखा जा सकता है। निश्चित ही इसके तार अतीक गुट के प्रतिद्वंद्वी माफिया गिरोह के अलावा कुछ सफेदपोश नेताओं और अधिकारियों से भी जुड़े हो सकते हैं। अतीक इतना बड़ा खूंखार अपराधी ऐसे ही नहीं बन गया था। उसे सियासी संरक्षण तो मिला ही हुआ था, इसके अलावा उसकी ब्यूरोक्रेसी से लेकर पुलिस महकमे तक में अच्छी पकड़ थी। जिसके बल पर करीब आधे दशक तक वह अपने दहशत का साम्राज्य स्थापित रखने में सफल रहा था। उमेश पाल हत्याकांड के समय भी अतीक अहमद और उसके परिवार के लोगों को राजनीतिक संरक्षण मिलने की बात सामने आई थी। अतीक अगर मुंह खोलता तो उसको संरक्षण देने वाले कई नेताओं और अधिकारियों के नाम उजागर होना तय था। इसी के चलते अतीक भाइयों को अगर मौत के घाट उतार दिया गया हो तो कोई आश्चर्य की बात नहीं है। हत्या के बाद शूटरों का जो पहला बयान सामने आया था, उसमें वह कह रहे हैं कि वह बड़े माफिया बनना चाहते हैं। यह बयान हजम होने वाला नहीं है क्योंकि सब जानते हैं कि तीनों शूटरों को जेल की सलाखों के पीछे अपनी पूरी जिंदगी गुजारनी होगी और फांसी की सजा भी मिल सकती है। बहरहाल, उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के अधिकारी लगातार अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ से कई आपराधिक वारदातों के राज खुलवाने में लगे थे। यह भी पता करने की कोशिश कर रहे थे कि उनको कब-कब, किस-किस ने संरक्षण दिया था। अतीक अहमद और उसके परिवार का कई राजनीतिक दलों से संबंध रहा है। इसमें ओवैसी की पार्टी और अपना दल के अलावा सपा-बसपा जैसी बड़ी राजनीतिक पार्टियां भी शामिल हैं। मुलायम हों चाहे मायावती या अखिलेश, इस गुंडे को माफिया बनाने में इनकी पार्टी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इन गुंडों में सपा, बसपा जैसे दलों के आकाओं को मुस्लिम वोट बैंक नजर आता था। अतीक ने अपने समुदाय के मध्य अपनी छवि एक ऐसे दबंग की बनाई थी जो दंगों के दौरान उसके समुदाय के लोगों की रक्षा कर सकता था। मतलब जितने अधिक दंगे होते थे उसकी लोकप्रियता उतनी अधिक बढ़ जाती थी। लोग यह स्पष्ट रूप से जानते हैं कि ये दंगे काफी कुछ प्रायोजित होते थे। इन दंगों के दौरान अतीक अहमद को प्रसिद्धि क्यों और कैसे मिली? उसने पहले अपने को अपने समुदाय के संरक्षक के रूप में स्थापित किया, अपना जनाधार बनाया और फिर उसे चुनाव में भुना लिया। 1979 में पहली बार अतीक अहमद पर जघन्य अपराध (हत्या) का मुकदमा दर्ज हुआ। अतीक उत्तर प्रदेश का पहला अपराधी था जिसके ऊपर 'गैंगस्टर एक्ट' लगाया गया। इसके लगभग दस वर्ष बाद, 1989 में इसने स्वतंत्र प्रत्याशी के रूप में इलाहाबाद पश्चिम विधानसभा से विधायक का चुनाव लड़ कर और विजयी होकर अपनी लोकप्रियता और समुदाय विशेष के जनाधार को भुना लिया। अब वह एक अपराधी, गुण्डा, हत्यारा नहीं बल्कि समुदाय विशेष का हीरो था। यूं तो कोई भी राजनीतिक दल दूध का धुला नहीं है, लेकिन अपराधियों को संरक्षण देने में समाजवादी पार्टी और उसके बाद बहुजन समाज पार्टी उत्तर प्रदेश में अग्रणी रही हैं। मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति करने वाली समाजवादी पार्टी ने सबसे पहले अतीक को अपनी पार्टी में सम्मिलित किया।

बाहुबली अतीक ब्रदर्स की पुलिस कस्टडी में हत्या को सिर्फ एक सनसनीखेज वारदात भर समझ के नहीं देखा जा सकता है। निश्चित ही इसके तार अतीक गुट के प्रतिद्वंद्वी माफिया गिरोह के अलावा कुछ सफेदपोश नेताओं और अधिकारियों से भी जुड़े हो सकते हैं। अतीक इतना बड़ा खूंखार अपराधी ऐसे ही नहीं बन गया था। उसे सियासी संरक्षण तो मिला ही हुआ था, इसके अलावा उसकी ब्यूरोक्रेसी से लेकर पुलिस महकमे तक में अच्छी पकड़ थी।

प्रधानमंत्री दहल की भारत यात्रा को लेकर नेपाल में तेज हुए कयास

काठमांडो ।
नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल की भारत यात्रा फिलहाल टल गई है। बताया जाता है कि यह यात्रा कम से कम अगले महीने तक के लिए स्थगित हुई है। पहले चर्चा थी कि यह यात्रा इसी महीने होगी। प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारियों के हवाले से खबर दी है कि भारत ने अब दहल की दो दिन की यात्रा की नई संभावित तारीख नेपाल को बताई है। लेकिन जब तक यात्रा का ठोस एजेंडा तय नहीं हो जाता, दोनों पक्ष इस तारीख की घोषणा ना करने पर सहमत हुए हैं। समझा जाता है कि यह यात्रा मई के पहले पखवाड़े में होगी।

प्रधानमंत्री दहल के मुख्य राजनीतिक सलाहकार हरिबोल गुजारेल ने कहा- 'नेपाल में नए विदेश मंत्री के शपथ लेने के बाद अब प्रधानमंत्री की भारत यात्रा की तैयारियों की गति तेज हो जाएगी। हमें उम्मीद है कि यह यात्रा मध्य मई से पहले होगी।' नेपाली कांग्रेस के नेता एनपी साउद को देश का नया विदेश मंत्री नियुक्त किया गया है।

नेपाल के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा नेपाल के नजरिए से हमेशा ही एक महत्त्वपूर्ण घटना होती है। सूत्रों के मुताबिक दहल की यात्रा के दौरान कई समझौतों पर दस्तखत होंगे। उन समझौता दस्तावेजों को तैयार करने का काम आगे बढ़ रहा है। इस बीच इस महीने दहल की भारत यात्रा टल जाने के कारणों पर नेपाली मीडिया में कयास लगाए जा रहे हैं। कुछ खबरों में कहा गया है कि प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान जिन समझौतों को संपन्न करने का प्रस्ताव है, उन पर दोनों देशों के बीच सहमति ना बन पाने के कारण यात्रा का कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा।

दहल की भारत यात्रा की तैयारियों की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी बताया है कि नेपाल के अधिकारी भारत के साथ संपर्क में हैं। वे उन समझौतों के बारे में बातचीत कर रहे हैं, जिन पर प्रधानमंत्री की नई दिल्ली यात्रा के दौरान दस्तखत होंगे। जो समझौते प्रस्तावित हैं, उनमें एक रक्सौल-काठमांडू रेलवे लाइन परियोजना से संबंधित है। इस परियोजना के बारे में एक विस्तृत रिपोर्ट भारतीय कंसल्टेंट कोंकण रेलवे कॉरपोरेशन लिमिटेड (केआरसीएल) ने तैयार किया है। इस 136 किलोमीटर लंबी रेल परियोजना के जरिए भारतीय शहर रक्सौल और काठमांडू के बीच नया परिवहन लिंक जुड़ जाएगा।

नेपाल में चीन की रेलवे परियोजनाओं को देखते हुए रक्सौल-काठमांडू रेल लाइन निर्माण को एक महत्त्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। चीन काठमांडू से (चीन में स्थित) केरुंग तक रेल लाइन बिछाने को लेकर संभाव्यता अध्ययन शुरू कर चुका है। इस परियोजना के पूरी होने पर नेपाल में चीन की पैठ काफी बढ़ जाने की संभावना है। इसीलिए कई जानकारों की राय है कि रक्सौल-काठमांडू परियोजना न सिर्फ आर्थिक और परिवहन संपर्क के लिहाज से बल्कि भू-राजनीतिक लिहाज से भी महत्त्वपूर्ण है।

नेपाल के इन्फ्रास्ट्रक्चर मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा- 'हमें आशा है कि भारत अपने अनुदान के तहत इस परियोजना का निर्माण करेगा।' समझा जाता है कि दहल की भारत यात्रा के दौरान तीन अन्य स्थलों से भी भारत और नेपाल के बीच रेल संपर्क जोड़ने के प्रस्ताव पर चर्चा होगी।

न्यूज ब्रीफ

इंडोनेशिया को चुकानी पड़ रही है बीआरआई में शामिल होने की महंगी कीमत

टोक्यो । इंडोनेशिया को चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) में शामिल होने की महंगी

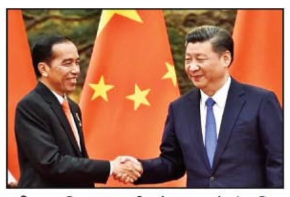

कीमत चुकानी पड़ रही है। उसे जावा प्रांत में बन रही हाई स्पीड रेलवे परियोजना के लिए रियायतों की अवधि 80 वर्ष और बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। खबरों के मुताबिक अगर इंडोनेशिया सरकार ने ऐसा फैसला नहीं किया, तो यह रेल परियोजना के 22वीं सदी के आरंभ तक चीन के प्रभाव में बने रहने की स्थिति पैदा हो जाएगी। इसका निर्माण करेटा केपैट इंडोनेशिया चाइना नाम की कंपनी कर रही है, जिसमें 40 फीसदी हिस्सा चीनी कंपनियों का है। साल 2015 में इंडोनेशिया के राष्टपति जोको विडोडो ने इस परियोजना का ठेका चीनी प्रभुत्व वाली कंपनी को देने का निर्णय लिया था। तब तय हुआ था कि रेल लाइन बिछाने का काम 2018 तक पूरा हो जाएगा और 2019 से हाई स्पीड ट्रेन दौड़ने लगेगी। लेकिन निर्माण कार्य अभी तक चल ही रहे हैं। कई जगहों पर तो काम बिल्कुल शुरुआती दौर में है। एक रिपोर्ट के मुताबिक निर्माण कार्यों में देरी के कारण परियोजना की लागत लगभग 40 फीसदी बढ़ चुकी है। इस कारण इंडोनेशिया सरकार को लगभग 47 करोड़ डॉलर का भुगतान अपने खजाने से करना पड़ा है। इसको लेकर अब देश में कई हलकों से सवाल उठाए जा रहे हैं। राष्टपति विडोडो ने एक जापानी कंपनी के प्रस्ताव को ठुकराते हुए चीनी कंपनी को तरजीह दी थी। अब उनके इस फैसले पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। चीन के राष्टपति शी जिनपिंग ने 2013 में बीआरआई का एलान किया था। समझा जाता है कि इस परियोजना के पीछे चीन का मकसद अपने देश में बने उत्पादों को दुनिया भर में पहुंचाने का इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करना और दुनिया में चीन का प्रभाव बढ़ाना है।

ब्रिटेन में ड्राइवर को 731 मीटर घसीटा, मौतः चोर वैन चुराकर जा रहा था, रोकने की कोशिश की तो गाड़ी चढ़ा दी

लंदन। ब्रिटेन के वेल्स में एक डिलिवरी ड्राइवर अपनी ही वैन के नीचे आकर 731 मीटर तक घिसट गया। ये घटना 28 मार्च को हुई। 16 अप्रैल को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने अब इसकी जानकारी दी है। पुलिस ने कहा- ड्राइवर अपनी गाड़ी को चोरी होने से बचा रहा था, तभी ये हादसा हुआ था। पुलिस ने बताया कि एक शख्स 54 साल के मार्क लैंग की कार चुराकर ले जा रहा था। उसे रोकने के लिए लैंग गाड़ी के सामने आ गए और चोर ने उन्हें टक्कर मार दी, जिसके बाद वो गिर गए। चोर रुका नहीं और गाड़ी को तेज रफ्तार से चलाने लगे। इस दौरान जमीन पर गिरे लैंग गाड़ी के नीचे फंस गए और घिसटते चले गए। पुलिस ने कहा- हादसे के समय मार्क लैंग पार्सल डिलवरी कर रहे थे। उनकी वैन में कई पार्सल रखे थे। हादसे के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टर्स ने बताया कि उन्हें सिर में गंभीर चोट आई थी। उनके शरीर पर भी कई घाव थे। 18 दिन लैंग का इलाज चला, लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ और 16 अप्रैल को उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि 31 साल के क्रिस्टोफर एल्गिफारी ने लैंग की गाड़ी चोरी करने की कोशिश की थी। पुलिस ने कहा- क्रिस्टोफर ने ही वैन चोरी करने के बाद मार्क को टक्कर मारी थी। उसे हादसे के फौरन बाद गिरफ्तार कर लिया गया था।

दुबई की एक इमारत में लगी थी आग, जान गंवाने वाला भारतीय जोड़ा कर रहा था इफ्तार की तैयारी

दुबई । दुबई में एक रिहायशी इमारत में भीषण आग लगने से 16 लोगो की मौत हुई थी। इसमें केरल के एक दंपति की भी जान गई है। बताया जा रहा कि जिस समय आग लगी थी यह भारतीय जोड़ा पड़ोसियों के लिए इफ्तार का खाना तैयार कर रहा था। केरल के 38 वर्षीय रिजेश कलंगदान और उनकी 32 वर्षीय पत्नी जेशी कंदमंगलथ अपने मुस्लिम पड़ोसियों के लिए को खाना बना रहे थे। कलंगदान एक ट्रैवल एंड टूरिज्म कंपनी में बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर थे, जबकि कंदमंगलथ एक स्कूल टीचर थीं। दंपति विशु मना रहा था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, वे केले के पत्ते पर परोसे जाने वाले एक शाकाहारी त्योहार विशुसाध्या बना रहे थे। उन्होंने अपने मुस्लिम कुंवारे पड़ोसियों के एक समूह को इफ्तार के लिए आमंत्रित किया था। दंपति के एक पड़ोसी रियास ने बताया कि वह बहुत ही अच्छे लोग थे। हमेशा लोगों की मदद करने के लिए तैयार रहते थे। त्योहार पर हमेशा वह आमंत्रित करते थे। उन्होंने हमें ओणम और विशु लंच के दौरान पहले भी आमंत्रित किया था। इस बार उन्होंने रमजान के चलते हमें इफ्तार करने के लिए बुलाया था। रियास ने कहा कि हमने अंतिम बार दंपति को अपने अपार्टमेंट में जाते हुए देखा था।

सूडान में तख्तापलट के लिए सेना-पैरामिलिट्री के बीच लड़ाई

अब तक 97 लोगों की मौत ; लगातार हो रहे हमले, घायलों तक नहीं पहुंच पा रहे डॉक्टर्स

खार्तूम।
नॉर्थ अफ्रीकी देश सूडान में तख्तापलट के लिए मिलिट्री और बागी पैरामिलिट्री रेपिड सपोर्ट फोर्स के बीच लड़ाई जारी है। अब तक 97 लोगों की मौत हो चुकी है। 1,126 लोगों के घायल होने की खबर है। डॉक्टरों का कहना है कि राजधानी खार्तूम के अस्पतालों में हालात बेहद मुश्किल हो गए हैं। लड़ाई के चलते स्वास्थ्यकर्मी घायलों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

ताजा अपडेट के मुताबिक, राजधानी खार्तूम सहित कई इलाकों में भी गोलीबारी और धमाके जारी हैं। वहीं, 16 अप्रैल को एक भारतीय नागरिक अल्बर्ट ऑगस्टीन की मौत हुई थी। भारतीय मिशन ने ट्वीट कर बताया कि गोली लगने से अल्बर्ट की मौत हो गई। वो सूडान में डल ग्रुप कंपनी के लिए काम करते थे। भारत सरकार सूडान में रहने वाले अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर चुकी है। उन्हें घरों में ही रहने की सलाह दी गई है।

16 अप्रैल को 3 घंटे के लिए हुआ था सीजफायर - इससे पहले 16 अप्रैल को 56 लोगों के मारे जाने के बाद मिलिट्री और बागी पैरामिलिट्री रेपिड सपोर्ट फोर्स तीन घंटों के अस्थाई संघर्ष विराम पर सहमत हो गए थे। दोनों पक्षों ने संयुक्त राष्ट्र की इस पहल का समर्थन किया था।

राष्ट्रपति भवन, सरकारी कार्यालयों पर कब्जे का दावा - बागी पैरामिलिट्री फोर्स ने राजधानी खार्तूम में ज्यादातर सरकारी कार्यालयों पर कब्जा करने का दावा किया है। उनका कहना है कि खार्तूम एयरपोर्ट, राष्ट्रपति भवन और अन्य सरकारी कार्यालयों पर आरएसएफ ने कब्जा कर लिया है। इसके अलावा उन्होंने स्टेट और मिलिट्री हेडक्वार्टर पर भी अपने कंट्रोल की बात कही थी। हालांकि, सेना ने उनके दावों को खारिज कर दिया।

खार्तूम में स्कूलों, बैंकों और सरकारी कार्यालयों को बंद कर दिया गया। राजधानी की सड़कों पर तोप और बख्तरबंद गाड़ियां घूम रही हैं। सेना और आरएसएफ मुख्यालय के पास भारी हथियारों के साथ फोर्सेस तैनात हैं।

5 पॉइंट्स में समझें सूडान में हिंसा की वजह - सूडान में मिलिट्री और पैरामिलिट्री के बीच वर्चस्व की लड़ाई है। 2019 में सूडान के तत्कालीन राष्ट्रपति ओमर अल-बशीर को सत्ता से हटाने के लिए लोगों ने प्रदर्शन किया।

अप्रैल 2019 में सेना ने राष्ट्रपति को हटाकर देश में तख्तापलट कर दिया, लेकिन इसके बाद लोग लोकतांत्रिक शासन और सरकार में अपनी भूमिका की मांग करने लगे।

इसके बाद सूडान में एक जॉइंट सरकार का गठन हुआ, जिसमें देश के नागरिक और मिलिट्री दोनों का रोल था। 2021 में यहां दोबारा तख्तापलट हुआ और सूडान में मिलिट्री रूल शुरू हो गया।

आर्मी चीफ जनरल अब्देल फतह अल-बुरहान देश के राष्ट्रपति और आरएसएफ लीडर मोहम्मद हमदान डागालो उपराष्ट्रपति बन गए। इसके बाद से आरएसएफ और सेना के बीच संघर्ष जारी है।

सिविलियन रूल लागू करने की डील को लेकर मिलिट्री और आरएसएफ आमने-सामने हैं। आरएसएफ सिविलियन रूल को 10 साल बाद लागू करना चाहती है, जबकि आर्मी का कहना है कि ये 2 साल में ही लागू हो जाना चाहिए।

सूडान में बढ़ती हिंसा को देखते हुए अमेरिका, ब्रिटेन और श्व ने तुरंत लड़ाई खत्म करने की अपील की है। यूएन के सेक्रेटरी जनरल ने सेना प्रमुख बुरहान और आरएसएफ चीफ डागालो को फोन कर देश में शांति स्थापित करने के लिए बात की। सूडान में मौजूद रूसी ऐंबैसी ने भी फौरन सीजफायर की अपील की। वहीं, हमले के पहले दिन 3 यूएन कर्मचारियों की मौत हो गई। तीनों यूएन के वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के कर्मचारी थे। आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर समुदायों तक खाना पहुंचाने का काम करती है। इधर, सऊदी अरब की फ्लाइट में आग लगने के बाद सऊदी, मिस्र, कतर ने सूडान जाने वाली फ्लाइट्स पर रोक लगा दी। चाड ने भी सूडान से लगे बॉर्डर को बंद कर दिया है।

पाकिस्तान में चरमराते सिस्टम के बीच चीफ जस्टिस की अग्नि-परीक्षा

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान की चरमराती संवैधानिक व्यवस्था के बीच अब सारी निगाहें सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश उमर अता बंदियाल पर टिक गई हैं। आम लोगों के मन में सवाल यह है कि क्या सुप्रीम कोर्ट में अपने समर्थक जजों के साथ मिल कर जस्टिस बंदियाल 14 मई को पंजाब में प्रांतीय असेंबली का चुनाव कराने के अपने फैसले को लागू करवा पाएंगे इसके लिए वे क्या तरीके अपनाएंगे, यह सवाल भी चर्चित है। जस्टिस बंदियाल की एक बड़ी मुश्किल यह है कि इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के जजों के बीच भी विभाजन हो गया है।

पाकिस्तानी मीडिया में छप रही रिपोर्टों से साफ है कि दो गुट में बंट गए सुप्रीम कोर्ट के जजों के बीच मतभेद लगातार गहराते जा रहे हैं। समझा जाता है कि पिछले हफ्ते बात उस मुकाम पर पहुंच गई, जिसके बाद दोनों गुटों में मेल-मिलाप की संभावना लगभग खत्म हो गई मानी जा रही है। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट में फिलहाल 15 जज हैं। उनमें से आठ जज एक खेमे में शामिल हैं, जबकि सात जजों का अलग गुट बना हुआ है। इनमें एक गुट चीफ जस्टिस बंदियाल के साथ है, जिसने अपना ध्यान पाकिस्तान के सियासी सिस्टम में 'संतुलन' बहाल करने पर केंद्रित कर रखा है।

जस्टिस बंदियाल के समर्थक आठ जज चाहते हैं कि पंजाब की प्रांतीय असेंबली का चुनाव किसी कीमत पर 14 मई को हो। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार मई में यह चुनाव कराने के पक्ष में नहीं है। इस कारण जस्टिस बंदियाल ने सरकार को कोर्ट की अवमानना का नोटिस जारी किया है। इसके अलावा जस्टिस बंदियाल के नेतृत्व वाली बेंच ने पिछले हफ्ते स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान को सीधे निर्देश जारी किया कि चुनाव कराने के लिए वह निर्वाचन आयोग को 21 अरब रुपये जारी करे। जजों के इसी खेमे ने पिछले हफ्ते संसद से पारित उस कानून को निलंबित कर दिया, जिसमें चीफ जस्टिस के विवेकाधीन अधिकारों को सीमित करने का प्रावधान किया गया है।

सारे विवाद की शुरुआत पंजाब और खैबर पख्तूनवा प्रांतों की असेंबलियों के भंग होने से हुई। पाकिस्तान के संविधान के मुताबिक किसी सदन के भंग होने के 90 के अंदर आम चुनाव कराना अनिवार्य है। लेकिन निर्वाचन आयोग ने चुनाव कार्यक्रम का एलान नहीं किया। तब चीफ जस्टिस ने अपनी पहल पर मामले की सुनवाई की।

ताइवान जलडमरुमध्य में चीन का युद्धाभ्यास खत्म होते ही अमेरिका ने भेजा युद्धपोत, हाई-अलर्ट जारी

वाशिंगटन ।
ताइवान को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। चीन के भीषण युद्धाभ्यास के बाद अब अमेरिका ने भी अपने युद्धपोत मिलियस को ताइवान जलडमरूमध्य में भेज दिया है। ऐसे में चीन और अमेरिका के बीच मामला बढ़ता दिख रहा है। चीन का कहना है कि ताइवान जलडमरूमध्य के माध्यम से अमेरिकी युद्धपोत को ट्रैक किया गया है। इसलिए इसे लेकर चीन ने हाई अलर्ट भी जारी कर दिया है। माना जा रहा है, अमेरिकी युद्धपोत के ताइवान जलडमरूमध्य में आने के बाद चीन की तरफ से सख्त प्रतिक्रिया दी जाएगी। चीन पहले भी चेतावनी दे चुका है कि अगर ताइवान के क्षेत्र में अमेरिका आता है तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी नौसेना ने ताइवान जलडमरूमध्य के माध्यम से एक युद्धपोत रवाना किया है। ये युद्धपोत उस वक्त ताइवान जलडमरूमध्य में पहुंचा है, जब चीन ने स्व-शासित ताइवान को घेरकर रखा हुआ है। अमेरिकी नौसेना के 7वें बेड़े का कहना है कि अमेरिकी युद्धपोत का ताइवान जलडमरूमध्य

पहुंचना सामान्य प्रक्रिया है। यह रूटीन का हिस्सा है। साथ ही उन्होंने बताया कि ये युद्धपोत जलडमरूमध्य में एक गलियारे से होकर गुजरा है, जो किसी भी तटीय राज्य के क्षेत्रीय समुद्र से परे है। वहीं चीन लगातार युद्धभ्यास कर रहा है। इसकी जानकारी ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने खुद दी है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटे में ताइवान के आसपास 18 चीनी सैन्य विमानों और चार नौसैनिक जहाजों को देखा गया है। उन्होंने कहा कि चीन लगातार ताइवान को अपने नियंत्रण में लाने के लिए कोशिश कर रहा है। करीब सात दशक पहले, जब चीन में गृहयुद्ध चल रहा था, उस वक्त कम्युनिस्ट पार्टी ने लोकतांत्रिक पार्टियों को हरा दिया था।

अमेरिका में 6 फीमेल टीचर्स गिरफ्तार: इन पर नाबालिग छात्रों से संबंध बनाने का आरोप, टीचर्स की उम्र 25 से 38 साल के बीच

वॉशिंगटन।
अमेरिका में 6 वुमन टीचर्स को गिरफ्तार किया गया है। इन पर नाबालिग छात्रों से संबंध बनाने का आरोप है। इन सभी फीमेल टीचर्स को 2 दिन चली जांच के बाद गिरफ्तार किया गया है।

एक तरफ जहां सभी विक्टिम स्टूडेंट्स की उम्र 16 साल या उससे कम है, तो वहीं दूसरी ओर टीचर्स की उम्र 25 से 38 साल के बीच बताई गई है। 2019 में भी अमेरिका में ऐसा ही केस सामने आया था। उस वक्त तीन फीमेल टीचर्स को गिरफ्तार किया गया था।

अलग-अलग स्कूल की टीचर्स और स्टूडेंट्स

एक रिपोर्ट के मुताबिक- गिरफ्तार की गई टीचर्स और विक्टिम स्टूडेंट्स किसी एक स्कूल से नहीं हैं, बल्कि ये अलग-अलग एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स से ताल्लुक रखते हैं। गिरफ्तार की गई एक महिला टीचर का नाम एलन शेल है। उसकी उम्र 38 साल है। शेल पर 16 साल के एक स्टूडेंट से कई बार संबंध बनाने का आरोप है। फिलहाल, वो

डेनविले के वुडलॉन एलीमेंट्री स्कूल में पोस्टेड हैं। इसके पहले वो लैंकस्टर के एलीमेंट्री स्कूल में थी। स्कूल एडमिनिस्ट्रेशन ने ही शेल के बारे में पुलिस को जानकारी दी थी।

रेप केस दर्ज

32 साल की हीदर हेरे पर भी नाबालिग छात्र से संबंध बनाने का आरोप है। वो अरकांसस के स्कूल में पोस्टेड है। एमिली हनूक की उम्र 26 साल है। खास बात यह है कि हनूक ने 15 साल के स्टूडेंट पर संबंध बनाने का दबाव डाला। पुलिस को एक मुखबिर के जरिए हनूक की जानकारी मिली थी। इस बारे में जांच शुरू की गई और आरोप सही पाए गए। इसके अलावा एलेमा डेलेंसी को भी इसी आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वो वेल्सटन पब्लिक स्कूल में टीचर है। उस पर आरोप है कि उसने नाबालिग से स्कूल बिल्डिंग में ही संबंध बनाए। बाद में उस पर चुप रहने का दबाव डाला। क्रिस्टन गेंट आयोवा के एक स्कूल में पोस्टेड है। उस पर कई नाबालिग लड़कों से संबंध बनाने का आरोप है। पुलिस ने इन सभी टीचर्स पर नाबालिगों से रेप के आरोप लगाए हैं। इन्हीं मामलों में अब इन पर केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक- कुछ आरोपी टीचर्स सोशल मीडिया और खासतौर पर स्नैपचैट के जरिए विक्टिम्स से संपर्क में रहती थीं। सभी पर चार तरह के आरोप लगाए गए हैं।

बीमारी का बहाना बना कैद से बचकर ब्रिटेन भागे नवाज शरीफ लौटेंगे पाकिस्तान ! गृह मंत्री ने किया दावा

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने नवाज शरीफ की पाकिस्तान वापसी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख नवाज शरीफ देश में आम चुनाव की तैयारियां शुरू होते ही लंदन से लौट आएंगे।

सनाउल्लाह ने कहा कि नवाज शरीफ पाकिस्तान में होने वाले आम चुनाव में पीएमएल-एन की तैयारियों का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने यह भी साफ किया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश और इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की लाख कोशिशों के बावजूद राजनीतिक तौर पर अहम पंजाब प्रांत में 14 मई को चुनाव नहीं होंगे।

गौरतलब है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ नवंबर 2019 में इलाज कराने का हवाला देते हुए लंदन चले गए थे। जब नवाज लंदन गए, तब उन्हें भ्रष्टाचार के मामले में सजा सुनाई जा चुकी थी और वे लाहौर की कोट

लखपत जेल में सात साल की जेल की सजा काट रहे थे। हालांकि, चिकित्सा कारणों से बाद में हाईकोर्ट ने उन्हें चार हफ्ते के लिए राहत दी थी। इसी दौरान नवाज लंदन भाग निकले और तब से वे पाकिस्तान नहीं लौटे।

पाकिस्तान में मध्यावधि चुनाव को लेकर राजनीति तेज

पाकिस्तान की राजनीति में प्रांतीय चुनाव कराने का मुद्दा छाया हुआ है। इमरान खान पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में मध्यावधि चुनाव कराने पर जोर दे रहे हैं। पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब में आठ अक्तूबर तक चुनाव स्थगित करने के निर्वाचन आयोग के फैसले को पांच अप्रैल को "असंवैधानिक" करार दिया था तथा प्रांत में चुनाव के लिए 14 मई की तारीख तय की थी।

देश में चुनाव की तारीखों पर विचार किए जाने के बीच सनाउल्लाह ने कहा कि पंजाब असेंबली के चुनाव विपक्षी पीटीआई के "भरसक प्रयासों" के बावजूद 14 मई को नहीं होंगे। उन्होंने फैसलाबाद में मीडिया से बातचीत में कहा कि देशभर में चुनाव इस साल निर्धारित समय पर होंगे। उन्होंने कहा, "अगर मई में चुनाव नहीं हुए तो अक्टूबर भी ज्यादा दूर नहीं है।

पूर्व प्रधानमंत्री खान को फ़ितना (फसाद) बताते हुए सनाउल्लाह ने कहा कि उन्हें साजिश के तहत सत्ता में लाया गया था। उन्होंने कहा, "चार साल तक उनकी (पीटीआई) नीतियों ने देश के लिए संकट की स्थिति पैदा कर दी।" पीएमएल-एन नेता ने कहा कि खान दावा करते थे कि वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास जाने के बजाय खुदकुशी करना चुनेंगे। उन्होंने कहा, "इमरान खान सरकार ही थी जिसने आईएमएफ से समझौता किया न कि हमने। पूर्व की सरकार के समझौते के कारण मुश्किलें पैदा हुई हैं।

सीरिया में मशरूम चुन रहे 31 लोगों की मौतः आईएसआईएस पर लगे हत्या के आरोप, मनवाधिकार संगठन का दावा- 2 को किडनैप भी किया

दमास्कस। सीरिया के हमा शहर के रेगिस्तानी इलाके में मशरूम चुनने गए 31 लोगों की मौत हो गई। आतंकी संगठन आईएसआईएस पर इनकी हत्या के आरोप लगे हैं। इस घटना की जानकारी ब्रिटेन के मानवाधिकार संगठन सीरियन ऑब्जर्वेटरी ने दी है। सीरिया की सरकारी ने भी इसकी पुष्टि की है। हालांकि, एजेंसी के मुताबिक आईएसआईएस के हमले में 26 लोग मारे गए हैं। मानवाधिकार संगठन ने ये भी बताया है कि एक अलग मामले में आतंकी संगठन ने 4 भेड़ चरा रहे लोगों की हत्या कर दी। वहीं, 2 को किडनैप कर लिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक आईएसआईएस के हमले में मरने वालों में 12 सरकार के लड़ाके भी शामिल थे। जबकि बाकी 20 आम नागरिक थे। सीरियन ऑब्जर्वेटरी ने बताया कि मोटरसाइकिल पर आए जिहादियों ने ऑटोमेटिक राइफल से गडरियों के एक समूह पर भी हमला कर दिया। वो इनकी भेड़ चुरा ले गए और दो लोगों को भी किडनैप कर लिया। 12 साल से चल रही जंग ने सीरिया की अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया है। ऐसे में लोग मशरूम के सहारे घर चलाने को मजबूर हैं। दरअसल, सीरिया के रेगिस्तानी मशरूम जिसे ट्रफल कहा जाता है, इसकी दुनिया में काफी मांग है। ये काफी कीमती भी होता है। यही वजह है कि सरकार की पाबंदी के बावजूद लोग अकसर इन्हें चुनने के लिए दूर-दराज के रेगिस्तान में चले जाते हैं। जहां ये आईएसआईएस के हमलों का शिकार बन जाते हैं। मानवाधिकार संगठन के मुताबिक ट्रफल चुनने के लिए फरवरी से अब तक 230 लोग जान गवां चुके हैं।

पटियाला में नवजोत सिद्धू के घर की छत पर दिखा संदिग्ध

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिद्धू ने पटियाला में अपने घर की छत पर रविवार शाम एक संदिग्ध व्यक्ति के घुसने का दावा किया है। सिद्धू ने पटियाला के एसएसपी तथा पुलिस महानिदेशक को इस संबंध में शिकायत दी है। नवजोत सिद्धू को जेल जाने से पहले जेड प्लस सुरक्षा मिली हुई थी। रोड रेज केस में सजा काटने के बाद सिद्धू बाहर आए तो सरकार ने उनकी सुरक्षा में कटौती करके उन्हें वाई प्लस सुरक्षा प्रदान की। सिद्धू ने ट्वीट घटना के बारे में किया है। उन्होंने इसे *सुरक्षा में चूक* बताया। सिद्धू ने कहा कि कंबल ओढ़ा हुआ संदिग्ध व्यक्ति उनके नौकर के शोर मचाने पर फरार हो गया। इस घटनाक्रम के बाद देररात पटियाला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वरुण शर्मा सिद्धू के आवास पर गए। पुलिस ने सिद्धू के आवास पर लगे सीसीटीवी के फुटेज कब्जे में लिए हैं।

प्रभारी हूं, पायलट मामले का समाधान मैं ही करूंगा : रंधावा

जयपुर (हिंस)। विधायकों और कार्यकर्ताओं को चुनावी मोड में लाने और आपसी मतभेदों के दूर करने के प्रयासों के तहत कांग्रेस पार्टी एवं समर्थक विधायकों से सोमवार से शुरु वन-टू-वन संवाद कार्यक्रम से पहले पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के वसुंधरा राज में भ्रष्टाचार के खिलाफ अनशन का मुद्दा एक बार फिर गर्मा गया। कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने इस मामले में वरिष्ठ पार्टी नेता कमलनाथ के दखल से इनकार करते हुए खुद समाधान करने का दावा किया है। वहीं पूर्व मंत्री रघु शर्मा ने भ्रष्टाचार को लेकर पायलट के अनशन का समर्थन किया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के अनशन पर बैठने के मुद्दे को पार्टी आलाकमान द्वारा ठंडे बस्ते में डालने के बावजूद पार्टी में आपसी खींचतान एक बार फिर सामने आ गई है। वन-टू-वन संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लेने जयपुर पहुंचे पार्टी प्रभारी रंधावा ने पायलट मामले के समाधान के लिए कमलनाथ के दखल के सवाल पर कहा कि मैं प्रभारी हूं तो मैं ही समाधान करुंगा। कमलनाथ की मुझे कोई जानकारी नहीं है।

कमलनाथ का कोई लेटर हो तो दिखाइए। पत्रकारों से बातचीत में रंधावा ने दावा किया कि पायलट मामले का उचित समाधान निकाला जाएगा। विधायकों से चुनावी पहलुओं को लेकर बात होगी। सभी एकजुटता से फील्ड में उतरें इसके लिए प्रभारी के तौर पर बात होगी। उल्लेखनीय है कि सचिन पायलट के ग्यारह अप्रैल के अनशन को लेकर प्रभारी रंधावा ने पहले कड़ा रुख अपनाया था और अनशन को पार्टी विरोधी गतिविधि बताते देते हुए दस अप्रैल की रात को ही लिखित बयान जारी किया था। उस बयान के बाद पायलट को नोटिस देने के कयास लग रहे थे, लेकिन राहुल गांधी के दखल के बाद रंधावा के सुर बदल गए और माना जा रहा था कि मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है, लेकिन रंधावा के इस बयान के बाद विवाद फिर सुलगता दिख रहा है। इधर पूर्व मंत्री और विधायक रघु शर्मा ने वसुंधरा राज के भ्रष्टाचार पर कार्रवाई नहीं होने पर सचिन पायलट के अनशन का समर्थन किया है। पत्रकारों से बातचीत में रघु शर्मा ने कहा कि भाजपा राज में भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। उस समय यह बहुत बड़ा मुद्दा था। उस मुद्दे पर कारगर कार्रवाई तो होनी चाहिए, इसमें क्या बात है ? आज आम आदमी भी भ्रष्टाचार को लकर चिंतित है। हमारी सरकार ने जीरो टॉलरेंस की बात कही है तो कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सचिन पायलट हमारे वरिष्ठ नेता हैं, पार्टी के अध्यक्ष रहे हैं। उनके नेतृत्व में चुनाव लड़कर हमने सरकार बनाई है। सब मिलकर हम चुनाव लड़ेंगे और सबकी भूमिका आलाकमान तय करेगा।

सेवानिवृत अधिकारियों व कर्मचारियों के सम्मान में समारोह का आयोजन

हिसार (हिंस)। हिसार स्थित लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में पिछले माह सेवानिवृत हुए अधिकारियों व कर्मचारियों के सम्मान में सोमवार को समारोह का आयोजन किया गया। सेवानिवृत होने वालों डॉ. रमेश कुमार (पीइएस), प्रो. (डॉ.) राकेश कुमार मलिक, रामकुमार (बेलदार), सुभाष चन्द्र (लैब टेक्नीशियन), राजपाल व कमला प्रसाद (लैब टेक्नीशियन) के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने सेवानिवृत कर्मचारियों की विश्वविद्यालय के प्रति सेवा एवं कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। उन्होंने सेवानिवृत टीचिंग एवं नॉन टीचिंग कर्मचारियों के स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन की कामना की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के लेखा नियंत्रक सुरेंद्र कुमार ने सेवानिवृत हुए कर्मचारियों का स्वागत किया व उनकी उपलब्धियों के बारे में बताया।

शिकायत के मात्र 48 घंटों में हुआ समाधान

भिवानी (हिंस)। भिवानी में व्यापारियों द्वारा भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ भिवानी को लिखित में सीवरेज जाम की समस्या से अवगत करवाने के बाद मात्र 48 घंटे में समस्या का समाधान हुआ। जिसके बाद व्यापारियों ने भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक दीपक अग्रवाल तौला का आभार जताया है। दीपक अग्रवाल तौला व सह संयोजक मामनचंद अग्रवाल ने बताया कि स्थानीय लोहड़ बाजार स्थित 11 हट्टा चक्र वाली गली के पास सीवरेज जाम होने के कारण यहां पर हमेशा गंदगी व दुर्गंध का आलम बना रहता था। यही नहीं राहगीरों का आना-जाना तक मुहाल हो गया था। जिससे ना केवल व्यापारी, बल्कि राहगीर भी खासे परेशान थे तथा व्यापारियों के व्यापार पर भी इसका असर पड़ रहा था। जिसके बाद यहां के व्यापारियों ने शनिवार को लिखित में इस समस्या से अवगत करवाया था। तौला ने बताया कि भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) को अवगत करवाया तथा विभाग द्वारा सोमवार को सुपर सकर मशीन द्वारा जाम सीवरेज की समस्या का समाधान किया गया। तौला ने शॉर्ट नोटिस पर काम करने पर विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों का आभार जताया। तौला ने कहा कि भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ का उद्देश्य प्रत्येक व्यापारी को व्यापार के समक्ष आने वाली समस्या का समाधान करवाना है, जिसके लिए हर संभव प्रयास किए जाते है। तौला ने कहा कि प्रकोष्ठ के पास व्यापारियों की कोई भी समस्या लिखित रूप में आती है तो उसका तुरंत प्रभाव से समाधान करवाया जाता है व अभी तक प्रकोष्ठ के पास लिखित व मौखिक रूप से 100 से भी अधिक समस्या आई व सभी समस्याओ का तुरंत प्रभाव से निवारण व निराकरण करवाया जा चुका है।

जाट कॉलेज प्राचार्या व गेस्ट टीचर में विवाद, बेसुध हुई गेस्ट टीचर

हिसार (हिंस)। यहां के छाजूराम मैमोरियल जाट कॉलेज की प्राचार्या व अंग्रेजी की गेस्ट टीचर के बीच सोमवार सुबह विवाद हो गया। इस दौरान गेस्ट टीचर बेसुध हो गई जिसे नजदीक के नर्सिंग होम में भर्ती करवाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने कॉलेज का गेट बंद करके नारेबाजी की और बाकी विद्यार्थियों को आने से रोकने का प्रयास किया, जिन्हें मौके पर पहुंची पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करके खदेड़ दिया और कॉलेज का गेट खुलवाया ।बताया जा रहा है कि सुबह गेस्ट टीचर ज्योति क्लास में बच्चों को पढ़ा रही थी। इसी दौरान वहां पहुंची प्राचार्या नीलम लांबा ने टीचर ज्योति को क्लास छोड़ने के लिए कहा। दोनों में इस बात को लेकर बहस हो गई। बहस की वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रही है। कहासुनी के बीच गेस्ट तबीयत खराब होने से बेहोश होकर गिर गई। विद्यार्थियों ने टीचर को निजी अस्पताल में भर्ती करवाया। वायरल वीडियो में प्राचार्या व टीचर बहस कर रही है। टीचर प्राचार्या को क्लास से जाने के लिए कह रही हैं, वही प्राचार्या टीचर को क्लास

से बाहर आने के लिए बोल रही है। इस दौरान प्राचार्या ने कहा कि अगर आप क्लास को पढ़ाना नही छोड़ेंगी तो आपके खिलाफ पुलिस में शिकायत देनी पड़ेगी। प्राचार्या नीलम लांबा का कहना है कि कालेज में इंग्लिश की टीचर हैं ज्योति को 15 अप्रैल को बर्खास्त किया जा चुका है। इसके बावजूद सुबह वह कॉलेज में पढ़ाने के लिए आ गई, इसलिए वह क्लास में जाकर ज्योति को मिलने गई थी और कहा कि उन्हें जब टर्मिनेट किया जा चुका है तो वह कालेज में पढ़ाने के लिए क्यों आई हो। इसके बाद टीचर ज्योति उससे बहस करने लगी। गेस्ट टीचर ज्योति ने आरोप लगागया कि प्राचार्या नीलम लांबा कोरोना पॉजिटिव है। इसके बावजूद वह कालेज में आ रही है, जो गलत है। प्राचार्या नीलम लांबा का कहना है कि कोरोना पॉजिटिव होने की कोई सूचना स्वास्थ्य विभाग की ओर से उन्हें नहीं मिली है। कोरोना पॉजिटिव होने की अफवाह फैलाई जा रही है। गेस्ट टीचर ज्योति ने बताया कि वह करीब आठ वर्षों से कॉलेज में पढ़ा रही हैं लेकिन 15 अप्रैल को एक क्लर्क ने उन्हें एक लेटर दिया जिस पर लिखा था कि आपको गेस्ट टीचर के पद से हटाया गया है। टीचर ने बताया कि बिना किसी नोटिस व बिना कारण से एक दम से नोटिस निकाल कर उसे रिलीव कर दिया, वही कालेज प्रशासन द्वारा गेस्ट टीचरों को हटाने के फैसले को लेकर हाई कोर्ट से स्टे लिया हुआ है। इसी मामले को लेकर कॉलेज के बाहर दिनभर अव्यवस्था की स्थिति रही। किसी तरह के हंगामे की आशंका के चलते मौके पर पुलिस भी तैनात की गई।

सीएम मान करवाएंगे प्रत्याशी का नामांकन

चंडीगढ़ (हिंस)। जालंधर लोकसभा उपचुनाव को लेकर जहां सभी राजनीतिक दलों में उठापटक जारी है वहीं सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी सुशील कुमार रिंकू आज अपना नामांकन दाखिल करेंगे। इस दौरान कचहरी चौक से आम आदमी पार्टी एक रैली निकालेगी। इसमें पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान हिस्सा लेंगे। जालंधर लोकसभा क्षेत्र के सभी हलकों से लीडरशिप इसमें हिस्सा लेंगे। शिरोमणि अकाली दल के उम्मीदवार सुखविंदर सिंह सुखी और भाजपा के उम्मीदवार इंदर इकबाल सिंह अटवाल ने नामांकन 18 अप्रैल को करने की तैयारी की है। सोमवार को जालंधर में होने वाली रैली के माध्यम से पंजाब सरकार न केवल शक्ति प्रदर्शन करेगी बल्कि एकजुटता का भी प्रमाण देगी।

जनता में प्रदेश कांग्रेस सरकार को लेकर आक्रोश : जोशी

जोधपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष एवं चित्तौड़गढ़ से सांसद सीपी जोशी ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता में काफी आक्रोश है। वादाखिलाफ और तुष्टिकरण की नीति से जनता इस बार सरकार को सबक सिखाएगी। जमीन हकीकत में जनता से किए वायदे पूरे नहीं होने पर जनता में आक्रोश है। वे सोमवार को जोधपुर में एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। वे आज भाजपा की तरफ से आयोज्य जन आक्रोश महाघेराव कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। यहां एयरपोर्ट से बाहर आते मीडिया से बातचीत में कहा कि सरकार ने वादा खिलाफी के साथ किसानों को ठगा है। उनके खुद के मंत्री सरकार के खिलाफ हो रखे है। वे खुद कहते है कि जनता के बीच किस मुंह से जाएंगे। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा बार बार बयानबाजी के सवाल पर जोशी ने कहा कि वे प्रदेश के मुख्यमंत्री है और चुनाव के समय हो रखी बातें को भूलना चाहिए, इसका निर्णय तो जो न्यायालय करेगा वो होगा। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने कहा कि उनकी पार्टी में कोई अंतर्कलह नहीं है। एक से ज्यादा मुख्यमंत्री पद के दावेदार है तो यह अच्छी बात है इसमें बुराई क्या है। इससे पहले जोशी के एयरपोर्ट पहुंचने के साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। वे प्रदेशाध्यक्ष बनने के बाद पहली बार जोधपुर पहुंचे है। इसके लिए भाजपा की तरफ से 11 सौ कार्यकर्ताओं ने केसरिया साफा पहनकर उनका स्वागत सत्कार किया।

सीएम गहलोत रात को सोते हैं तो मेरा ही भूत नजर आता है : मंत्री शेखावत

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इन दिनों अपने हर भाषण रिपीट कर रहे हैं। उनके भाषण का 30 फीसदी हिस्सा तो मेरे ऊपर ही फोकस करते हैं। रात को सोते हैं तो भी मेरा ही भूत उन्हें नजर आता है। सुबह उठकर हर कार्यक्रम में मेरे ही बारे में बात करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री गहलोत ने बदमाशों और गैंगस्टर्स को चेतावनी दी और कहा कि इनको नेस्तनाबूद कर देंगे। लेकिन, अब तो टाइम राजस्थान सरकार के नेस्तनाबूद होने का आया है। शेखावत ने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान के लोगों को आयुष्मान योजना से महरूम कर दिया। जल जीवन मिशन में प्रगति के मामले में राजस्थान सबसे निचले पायदान पर है। केंद्रीय मंत्री शेखावत सोमवार को जोधपुर में भाजपा के जन आक्रोश महाघेराव कार्यक्रम के तहत आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी व केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की अगुआई में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जन आक्रोश महाघेराव किया। भाजपा की रैली व घेराव कार्यक्रम के बाद कांग्रेस

सरकार पर बढ़ते अपराध और वादाखिलाफी का आरोप लगाया। भाजपा पदाधिकारी कलेक्ट्रेट में ज्ञापन देने पहुंचे और जिला कलेक्टर से बाहर आकर ज्ञापन लेने की मांग की। जिला कलेक्टर बाहर नहीं आए और अंदर ही ज्ञापन लेने पर अड़े रहे। काफी देर तक इंतजार करने के बाद भाजपा पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट की दीवार पर ही ज्ञापन चस्पां किया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि आज के समय में राजस्थान की सरकार को भगवा से नफरत हो गई है। वीर धरा के बेटे हैं हम शौर्य अभी तक झुका नहीं। मुगलों के आगे राणा का भगवा ध्वज कभी झुका नहीं। इन दिनों कांग्रेस को चुनाव नजदीक आते ही फिर से भगवान राम भी याद आ रहे हैं। जो सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा पेश कर खुद राम को काल्पनिक बता चुके हैं। अब इनको राम भी याद आएगा और नानी भी। उन्होंने कहा कि राजस्थान की सरकार पीएफआई जैसे प्रतिबंधित संगठन को रैली निकालने की अनुमति देती है लेकिन रामनवमी और नव वर्ष के आयोजन के लिए अनुमति नहीं देती। इससे पहले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी सोमवार को जोधपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया गया। जोधपुर पहुंचकर जोशी ने कहा कि संजीवनी मामले में मुख्यमंत्री को पार्टी नहीं बनना चाहिए। साथ ही उन्होंने कांग्रेस की अंदरुनी खींचतान पर भी निशाना साधा। जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पूरे प्रदेश के सीएम हैं। चुनाव में जो हुआ उसका बदला लेने से अच्छा है, उसे भूल जाना चाहिए। इस प्रकार पार्टी नहीं बनना चाहिए। सीपी जोशी ने कहा कि भाजपा में अगर मुख्यमंत्री के दावेदार अगर ज्यादा हैं तो इसमें बुराई नहीं है। हमारे नेता जनाधार वाले हैं और अपनी मांग सबको रखनी चाहिए। कांग्रेस में तो मुख्यमंत्री के दावेदारों को नाकारा और निकम्मा कह कर भगा देते हैं। जोशी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार जो वादे करके सत्ता में आई, उन्हें पूरा नहीं किया।

मतदाता भागीदारी बढ़ाने के लिए कठुआ प्रशासन के प्रयास जारी

कठुआ (हिंस)। लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने की अपनी दृढ़ता को ध्यान में रखते हुए कठुआ प्रशासन जिले में मतदाता भागीदारी को चलाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी के मार्गदर्शन में प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है कि कठुआ में हर योग्य मतदाता अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करे। मतदाता शिक्षा अभियान शुरू करने से लेकर स्वीप वैन के माध्यम से घोषणाएं करने तक, प्रशासन चल रहे एसआरएस के तहत मतदाता भागीदारी को बढ़ाने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपना रहा है। स्वीप अभियान मतदान के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने और यह सुनिश्चित करने में सहायक रहा है कि प्रत्येक पात्र मतदाता पंजीकृत है और उसे मतदान प्रक्रिया के बारे में सूचित किया गया है। व्यापक नवोन्मेषी अभियानों के माध्यम से स्वीप आबादी के विभिन्न वर्गों तक पहुंच रहा है और उन्हें चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। कठुआ प्रशासन भी मतदाता भागीदारी को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठा रहा है। प्रशासन सोशल और प्रिंट मीडिया के माध्यम से एसएसआर-ईआर की गतिविधियों का प्रचार कर रहा है, जिससे मतदाता चुनावी प्रणाली के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, प्रशासन मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी के संदेश को फैलाने के लिए समुदाय के नेताओं, नागरिक समाज संगठनों और पीआरआई के साथ सहयोग कर रहा है। इसके अलावा, जिला चुनाव प्रकोष्ठ ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और आशा कार्यकर्ताओं को भी चुनावी प्रक्रिया से परिचित कराने के लिए अनुबंधित किया है। ये प्रयास विशेष रूप से दूरस्थ और सीमांत क्षेत्रों में मतदाताओं को लामबंद करने में प्रभावी रहे हैं। प्रशासन के प्रयासों के बारे में बोलते हुए जिला चुनाव अधिकारी राहुल पांडे ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि कठुआ में प्रत्येक पात्र मतदाता अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करे। हमारे प्रयास चुनावी प्रक्रिया में जागरूकता, पहुंच और समावेशिता पैदा करने पर केंद्रित हैं। उन्होंने कहा कि हमे विश्वास है कि हमारे प्रयासों के परिणामस्वरूप एक अधिक सूचित और व्यस्त मतदाता और एक अधिक जीवंत लोकतंत्र होगा।

बोनस प्वाइंट को पैसों में बदलने का झांसा देकर खाते से उड़ाए 85 हजार

हिसार (हिंस)। जिले के हांसी कस्बा में साइबर ठगों ने क्रेडिट कार्ड के बोनस प्वाइंट को पैसों में बदलने का झांसा देकर एक व्यक्ति के खाते से 85 हजार रुपए साफ कर दिए। क्रेडिट कार्ड का बिल आने के बाद उक्त व्यक्ति को अपने साथ हुई ठगी का पता चला तो उसने पुलिस को शिकायत दी। घिराय गांव निवासी राजेश कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उसके पास एक्सिस बैंक के दो क्रेडिट कार्ड हैं। बीते साल 31 नवंबर और तीन दिसंबर को उसके मोबाइल नंबर पर फोन आया, जिसमें फोन करने वाले ने कहा कि आपके बोनस प्वाइंट ज्यादा हो चुके हैं। इसके बाद एक एसएमएस आया। इसमें बोनस प्वाइंट्स को पैसों में बदलने का हवाला दिया गया था। इनको पैसे में बदलने का हवाला देकर और क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर उसको बहला-फुसला कर फोन करने वाले ने उससे ओटीपी ले लिया। इसके बाद उनके दोनों क्रेडिट कार्ड से कुल 84 हजार 884 रुपए का फ्रॉड कर दिया। इसका उनके पास कोई मैसेज नहीं आया। कुछ दिन बाद उनके पास बिल का मैसेज आया, जिस पर उसने उक्त मोबाइल नंबर पर काल किया। उसने पैसे वापस करने की बात कही, लेकिन बाद में फोन उठाना बंद कर दिया।

चार परिषदों व 22 नगरपालिकाओं के लिए चुनाव-प्रक्रिया शुरू

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग ने चार नगर परिषदों और 22 नगर पालिकाओं के होने वाले चुनाव के मद्देनजर आज जारी प्रारूप मतदाता सूचियों में दावे व आपत्तियां 21 अप्रैल तक दर्ज किए जा सकते हैं। हरियाणा राज्य निर्वाचन आयुक्त धनपत सिंह ने यहां यह जानकारी देते हुए बताया है कि नगर परिषद अम्बाला सदर, सिरसा, थानेसर और नगर पालिका बराड़ा, बवानी खेड़ा, सिवानी, लोहारू, जाखलमंडी, फर्रुखनगर, नारनौंद, आदमपुर, बेरी, जुलाना, सीवन, पुंडरी, कलायत, नीलोखेड़ी, अटेली मंडी, कनीना, तावडू, हथीन, कलानौर, खरखौदा और रादौर के आम चुनाव तथा नगर परिषद नारनौल के वार्ड 16 के उप-चुनाव व नगरपालिका राजौंद के वार्ड 5 के उप-चुनाव के लिए संबंधित उपायुक्तों द्वारा प्रारूप मतदाता सूचियां प्रकाशित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि प्रारूप मतदाता सूची संबंधित नगर निकायों के कार्यालय, पुनरीक्षण अधिकारी के कार्यालय, नगर निकाय के क्षेत्र में स्थापित किए जाने वाले मतदाता सूचना और संग्रह केंद्र तथा जिला प्रशासन की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। उन्होंने बताया कि यदि किसी मतदाता का नाम भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार की गई विधानसभा की मतदाता सूची जो अंतिम रूप से 05 जनवरी, 2023 को प्रकाशित की गई थी, उसमें दर्ज है, परन्तु उसका नाम संबंधित नगर परिषद या नगरपालिका की मतदाता सूची में दर्ज होने से रह गया है, ऐसे मतदाता संबंधित नगरपरिषद नगरपालिका की मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवाने अथवा नाम कटवाने या नाम में शुद्धि हेतु निर्धारित आवेदन पत्र फार्म-*क* व *ख* में हरियाणा नगरपालिका निर्वाचन नियम, 1978 के नियम-4 के अंतर्गत संबंधित पुनरीक्षण प्राधिकारी के समक्ष अपने दावे व आपत्तियां 21 अप्रैल तक प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सभी मतदाताओं को यह भी सूचित किया जाता है कि हरियाणा नगरपालिका निर्वाचन नियम, 1978 के नियम-4 के अनुसार केवल उन्हीं व्यक्तियों के नाम संबंधित नगरपरिषद/ नगरपालिकाओं की मतदाता सूची में शामिल किए जा सकते हैं, जिनके नाम संबंधित विधानसभा की मतदाता सूची में दर्ज हो। यदि कोई व्यक्ति संबंधित नगरपरिषदों/ नगरपालिकाओं की वार्डवार मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवाना चाहता है तो पहले उसे अपना नाम संबंधित विधानसभा की मतदाता सूची में दर्ज करवाना होगा। उसके बाद ही वह व्यक्ति अपना नाम संबंधित नगर परिषद नगरपालिका की मतदाता सूची दर्ज करवाने हेतु आवेदन कर सकता है।

पैंतीस लोगों से भरी बस पलटी, दो की मौत

अजमेर (हिंस)। अजमेर के भीलवाड़ा मार्ग पर 35 लोगों से भरी बस पलट गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। बीस लोग घायल हो गए। घायलों को केकड़ी अस्पताल पहुंचाया, जहां से हालात गंभीर होने पर पांच को अजमेर के जवाहर लाल नेहरू अस्पताल रेफर किया गया है। एक्सीडेंट ऊंगाई से भराई के बीच हुआ। बस कादेड़ा से केकड़ी की तरफ आ रही थी। पुलिस के अनुसार सोमवार सुबह बस कादेड़ा से पौने आठ बजे रवाना हुई थी और करीब सवा आठ बजे दुर्घटना हो गई। इसमें खवास की रहने वाली निरमा खारोल और पीपलाल के चेतन रेगर की की जान चली गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने प्राइवेट वाहनों से घायलों को अस्पताल पहुंचाना शुरू किया, बस में सवार ज्यादातर लोग रोज अप-डाउन करने वाले थे। उसमें स्कूल-कॉलेज के बच्चे, सरकारी कर्मचारी व मजदूर शामिल हैं। ये लोग केकड़ी जा रहे थे। मृतक निरमा ननिहाल खवास में नाना किशन खारोल के पास रहती थी। केकड़ी से बीएसटीसी (बेसिक स्कूल टीचिंग सर्टिफिकेट) कर रही थी। वह मूलत: रोंपा-पारोली (भीलवाड़ा) की रहने वाली थी। वह खवास से केकड़ी अप डाउन करती थी। वहीं, चेतन रेगर बस का ड्राइवर था। केकड़ी डीएसपी खींवसिंह राठौड़ ने बताया- बस में करीब 35 सवारियां थीं। बस अचानक चलते हुए पलट गई। पुलिस जांच कर रही है। प्रत्यक्षदर्शी गोपाल लाल खटीक ने बताया- केकड़ी से छह किलोमीटर दूर हादसा हुआ। स्टेयरिंग फेल हुआ या अन्य कोई कारण। यह पता नहीं चल पाया है। 17 वर्षीय गंभीर घायल रोहित ने बताया- वह काम के लिए केकड़ी जा रहा था। बस अचानक पलट गई और उन्हें पता ही नहीं चला कि मौके पर क्या हो गया। कांग्रेस नेता शक्ति सिंह राठौड़ भी हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने कहा कि पूर्व चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने हॉस्पिटल प्रशासन को बेहतर व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

सरकारी कर्मचारी को अपनी मर्यादा नहीं भूलनी चाहिए : रामलाल शर्मा

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद- प्रधानाचार्य (रेसा-पी) के प्रदेश अध्यक्ष दयालाल पाटीदार के बयान पर आपत्ति जताई है। उन्होंने निर्वाचन आयोग कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम आने के बाद कांग्रेस ईवीएम मशीन पर और निर्वाचन आयोग पर सवाल उठा चुकी है। कांग्रेस भूल जाती है कि जब परिणाम उनके अनुकूल आते हैं तो वो कहते हैं कि चुनाव निष्पक्ष हुआ है और आयोग ने निष्पक्षता से काम किया। राजस्थान में सार्वजनिक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला और कांग्रेस पार्टी के

प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह की डोटासरा की उपस्थिति में राजकीय कर्मचारी, रेसा-पी के प्रदेशाध्यक्ष दयालाल पाटीदार का कहना है कि हम आपकी योजनाओं को घर घर पहुंचाने का काम करेंगे। यहां जितने भी शिक्षक उपस्थित है वो सभी शिक्षक रिटर्निंग ऑफिसर बनते हैं, इनके पास ईवीएम मशीन रहती है और हम आपको आश्वस्त करते हैं कि आने वाले समय में आपको मुख्यमंत्री बनाने का काम करेंगे। किसी सरकारी कर्मचारी द्वारा सार्वजनिक मंच पर दिया गया ऐसा भाषण उनकी सेवा नियमों का उल्लंघन है। उन्होंने मांग की है कि निर्वाचन आयोग को भी ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। यह अनुशासनहीनता है।

::: NOTICE :::

It is for general information to all the concerned that the date of submission of following tender of the office of the undersigned is hereby extended up to 24/04/2023(04:00 PM).

(1) Office Stationery Articles vide Memo No. CHR/Esstt/Annual Tender/2023/235 Dtd. 17/03/2023.
(2) Computer Consumable Items vide Memo No. CHR/Esstt/Annual Tender/2023/245 Dtd. 17/03/2023.
(3) Food & Refreshment Items vide Memo No. CHR/Esstt/Annual Tender/2023/255 Dtd. 17/03/2023.
(4) Electrical Items vide Memo No. CHR/Esstt/Annual Tender/2023/265 Dtd. 17/03/2023.
(5) Vehicle Spare Parts vide Memo No. CHR/Esstt/Annual Tender/2023/275 Dtd. 17/03/2023.
(6) Building Materials vide Memo No. CHR/Esstt/Annual Tender/2023/285 Dtd. 17/03/2023.

So, the interested contractors/suppliers may collect the list of items from the office of the undersigned on any office working days and requested to submit their tenders at the same venue at 4.00 PM. All the rules and regulations remains the same.

Superintendent of Police,
Chirang, Kajalgaon.

-- Janasanyog /C/971/23

भारत ने फुटवियर बाजार से चीन को किया बाहर, बेहतर गुणवत्ता व कम कीमत की है बड़ी भूमिका

बहादुरगढ़।
भारत ने फुटवियर बाजार से चीन को बाहर कर दिया है। बहादुरगढ़ में बने जूते-चप्पल की इसमें बड़ी भूमिका है। वहां बने जूते-चप्पल अपनी बेहतर गुणवत्ता और कम कीमत के दम पर चीन निर्मित फुटवियर को भी मात दे रहे हैं। यही वजह है कि देश में चीन से फुटवियर आयात घटकर महज 5 फीसदी पर सिमट गया है, जो 10 साल पहले करीब 90 फीसदी हुआ करता था।

इतना ही नहीं, निर्यात में भी बहादुरगढ़ का फुटवियर उद्योग पीछे नहीं है। यहां से हर साल करीब 3,000 करोड़ रुपये के जूते-चप्पल निर्यात होते हैं। बहादुरगढ़ की 70 फीसदी जूता कंपनियां अपने माल का निर्यात करती हैं।

6,000 से ज्यादा औद्योगिक इकाइयों वाले बहादुरगढ़ में करीब 1,000 फुटवियर निर्माता हैं। यहां देश के पहले फुटवियर पार्क में ही 480 जूता उद्योग चलते हैं। जूतों की अपर सिलाई के साथ कई प्रकार के छोटे काम गली-कूचों और सूक्ष्म इकाइयों में होते हैं। एक्शन, रिलैक्सो, एरोबाक, एक्रालाइट, टुडे और सुमंगलम फुटवियर जैसे बड़े नाम भी बहादुरगढ़ की ही देन हैं।

25,000 करोड़ टर्नओवर, तीन लाख रोजगार – करीब 25,000 करोड़ रुपये के टर्नओवर वाला बहादुरगढ़ का फुटवियर उद्योग दुनियाभर के बाजारों में अपनी धाक रखता है। यहां एचएसआईआईडीसी की ओर से विकसित औद्योगिक क्षेत्र में ही करीब 20,000 करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है। रोजगार मुहैया कराने में भी बहादुरगढ़ के फुटवियर उद्योग का बड़ा योगदान है। इन उद्योगों में 3 लाख से अधिक लोग काम करते हैं।

अलग से नहीं बनवाना पड़ता मोल्ड, इसलिए घटती है लागत – बहादुरगढ़ फुटवियर एसोसिएशन के महासचिव सुभाष जग्गा ने बताया कि भारत, अफ्रीका और खाड़ी देशों के लोगों के पांव की बनावट एक जैसी है। इसलिए, बहादुरगढ़ के फुटवियर निर्माताओं को सही फिटिंग वाले बढ़िया जूते बनाने में किसी तरह की दिक्कत नहीं होती। भारतीय उद्यमियों को लाखों करोड़ों रुपये खर्च करके अलग से मोल्ड नहीं बनवाने पड़ते, जिससे लागत घटती है। घरेलू बाजार के लिए बने माल का ही निर्यात कर दिया जाता है।

न्यूज ब्रीफ

खोजपरक थीम वाले फंडों में निवेश से लें फायदा, इनोवेशन की क्षमता का लाभ उठाने का अवसर

नई दिल्ली । ईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी में निवेश रणनीति के प्रमुख चिंतन हरिया कहते हैं कि जिस तरह से देश संसाधनों के मामले में तेजी से आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं, उसी तरह एक थीम के रूप में इनोवेशन के वैश्विक स्तर पर और घरेलू तौर पर आगे बढ़ने की संभावना है। 5जी तकनीक आ जाने के साथ कई क्षेत्र और उद्योगों को लाभ होगा। साथ ही,भारत में पहले से ही इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत परिवेश भी मौजूद है। एक निवेशक के पास इस थीम पर आधारित फंड की भारत और विदेशों में उत्पाद या सेवा संबंधी इनोवेशन में शामिल कंपनियों तक पहुंच होगी। वर्तमान में, महामारी के बाद सप्लाई चेन विविधीकरण के महत्व जैसे कारक, भू-राजनीतिक चुनौतियों ने निर्भरता को कम करने के लिए इनोवेशन के लिए बेहतर गुंजाइश पैदा की है। साथ ही, जैसा कि देश घरेलू स्तर पर निर्मित उत्पादों के साथ उच्च महंगाई का मुकाबला कर रहा है, ऐसे में इनोवेशन अच्छा कर सकता है। इनोवेशन ने पिछले दशकों की तुलना में तेज गति पकड़ी है। धीमी गति से चलने वाली लोकोमोटिव ट्रेन से लेकर हाई-स्पीड वंदे भारत तक- यह हमारी आंखों के सामने हुए इनोवेशन हैं।

बिजली खपत 1503 अरब यूनिट्स हुई, गर्मी में मांग पूरी करने के लिए संयंत्रों को दिए गए निर्देश

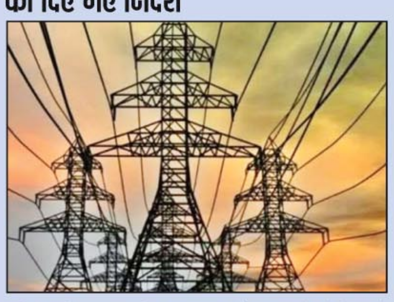

नई दिल्ली । आर्थिक गतिविधियों के बढ़ने से देश में सालाना आधार पर वित्त वर्ष 2022-23 में बिजली की खपत 9.5 फीसदी बढ़कर 1,503.65 अरब यूनिट्स पर पहुंच गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 2021-22 में 1,374 अरब यूनिट्स की खपत हुई थी। केंद्रीय इलेक्ट्रिसिटी प्राधिकरण (सीईए) ने बताया कि 2022-23 में एक दिन में सबसे ज्यादा बिजली की खपत 207.23 गीगावाट रही जो उसके पहले के साल में 200.53 गीगावाट थी। विश्लेषकों का कहना है कि बिजली की खपत चालू वित्त वर्ष में भी ज्यादा रह सकती है। ऊर्जा मंत्रालय का अनुमान है कि इस गर्मी में एक दिन में यह 229 गीगावट के स्तर को छू सकती है। मंत्रालय ने इस संबंध में पहले ही कोल आधारित संयंत्रों को पूरी क्षमता के साथ परिचालन करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय ने यह भी कहा है कि घरेलू संयंत्र अपनी जरूरतों के मुताबिक, कोयले का आयात करें, ताकि किसी भी मांग को पूरा किया जा सके। बिजली की खपत में वृद्धि स्पष्ट रूप से देश में आर्थिक गतिविधियों में सुधार को दर्शाती है, जिससे बिजली की मांग बढ़ी है। ऑर्गेनिक और इनऑर्गेनिक केमिकल क्षेत्र ने पिछले वित्त वर्ष में 30 अरब डॉलर के निर्यात को पार कर लिया है।

चीन को छोड़ अमेरिका भारत का सबसे बड़ा कारोबारी भागीदार, 128 अरब डॉलर का हुआ कारोबार

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2022-23 में अमेरिका भारत का सबसे बड़ा कारोबारी भागीदार बनकर उभरा है। दोनों देशों के बीच इस दौरान 128.55 अरब डॉलर का व्यापार हुआ है। वहीं इस मामले में चीन दूसरे नंबर पर पहुंच गया है। इनके बीच कारोबार में बढ़ोतरी ऐसे समय पर हो रही है, जब अमेरिका और भारत के बीच संबंध पिछले कुछ सालों में तेजी से मजबूत हुए हैं। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2022-23 में 7.65प्रतिशत बढ़ा है। 2020-21 में यह व्यापार 119.5 अरब डॉलर हुआ था। वहीं 2020-21 में यह सिर्फ 80.51 अरब डॉलर पर था। 2022-23 में भारत से अमेरिका में निर्यात 2.81प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ 78.31 अरब डॉलर हो गया, जो 2021-22 में 76.18 अरब डॉलर था। भारत में अमेरिका से आयात इस दौरान 16प्रतिशत बढ़ा है और अब ये 50.24 अरब डॉलर हो चुका है। वित्त वर्ष 2022-23 में भारत-चीन में व्यापार 1.5प्रतिशत गिरावट के साथ 113.83 अरब डॉलर का रह गया।

थोक महंगाई दर 29 महीने में सबसे कम

ईंधन-बिजली के साथ खाने-पीने की चीजों के दाम गिरे, पर दूध अभी महंगा

नई दिल्ली।
थोक महंगाई दर मार्च में घटकर 1.34प्रतिशत पर आ गई है। यह 29 महीने का निचला स्तर है। फरवरी 2023 में थोक महंगाई दर 3.85प्रतिशत रही थी। जनवरी 2023 में थोक महंगाई दर 4.73प्रतिशत थी। गेहूं, दालें और फ्यूल जैसी चीजों के सस्ते होने से महंगाई में ये गिरावट आई है। अक्टूबर 2020 में यह 1.31प्रतिशत पर थी। ये लगातार 10वां महीना है जब होल-सेल महंगाई गिरी है।

पिछले रिटेल महंगाई के आंकड़े भी जारी किए गए थे। मार्च 2023 में यह घटकर 5.66प्रतिशत पर आ गई है। खाने-पीने के सामान के दामों में गिरावट आने से रिटेल महंगाई घटी थी। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के बास्केट में लगभग आधी हिस्सेदारी खाद्य पदार्थों की होती है।

खाने-पीने का सामान हुआ सस्ता – मार्च में थोक महंगाई दर में गिरावट खाने-पीने के सामान, टेक्सटाइल्स, मिनरल्स, रबर और प्लास्टिक प्रोडक्ट की कीमतों में गिरावट के चलते आई है। वहीं क्रूड पेट्रोलियम और नेचुरल गैस, पेपर और पेपर प्रोडक्ट्स की कीमतें कम होने से भी महंगाई घटी है। फरवरी में खाने के सामान की थोक महंगाई दर 2.76प्रतिशत थी, ये मार्च 2.32प्रतिशत पर आ गई मार्च में रोजाना जरूरत के सामानों की महंगाई 3.28प्रतिशत से घटकर 2.40प्रतिशत पर आ गई ईंधन और बिजली की थोक महंगाई फरवरी के 14.82प्रतिशत से गिरकर 8.96प्रतिशत पर आ गई मेन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई भी 1.94प्रतिशत से गिरकर निगेटिव जोन में चली गई बीते एक साल में सस्ता हुआ

गेहूं मार्च में गेहूं की थोक महंगाई दर 9.16प्रतिशत रही है, जबकि साल भर पहले मार्च 2022 में ये 14.04प्रतिशत थी। दालों की थोक महंगाई 3.03प्रतिशत है। दूध की थोक महंगाई पिछले साल के 4.12प्रतिशत से बढ़कर इस साल मार्च 2023 में 8.48प्रतिशत रही है।

डब्लूपीआई का आम आदमी पर असर – थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहना चिंता का विषय रहता है। ये ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर बुरा असर डालती है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है, तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए डब्लूपीआई को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है, क्योंकि उसे भी सैलरी देना होता है। डब्लूपीआई में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

15 महीने के निचले स्तर पर आई रिटेल महंगाई – मार्च में खुदरा महंगाई 15 महीने के निचले स्तर पर आ गई है। खुदरा महंगाई मार्च में 5.66प्रतिशत रही जो फरवरी में 6.44प्रतिशत थी। सरकार द्वारा 12 अप्रैल को जारी आंकड़ों के अनुसार मार्च में खुदरा महंगाई दर 6प्रतिशत ऊपरी सीमा से नीचे गिर गई है।

आयात-निर्यात वालों को राहत, रोजाना मिलेगी 22 मुद्राओं के भाव की सूचना

नई दिल्ली । केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा-शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) अपने कस्टम पोर्टल पर मुद्रा विनिमय की दरों को पखवाड़े के बजाय रोजाना आधार पर जारी करने की व्यवस्था जल्द ही शुरू करने वाला है। इससे विनिमय दर में होने वाले उतार-चढ़ाव पर नजर रखी जा सकेगी। आयातकों और निर्यातकों को रोज के आधार पर कस्टम ड्यूटी की गणना करने में मदद मिलेगी। अभी इसे 15 दिन में एक बार जारी किया जाता है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से हासिल दरों के आधार पर सीबीआईसी यह काम हर महीने के पहले और तीसरे बृहस्पतिवार को करता है। उसके अगले दिन से ही नई दर लागू हो जाती है। एक अधिकारी ने कहा कि विनिमय दरों की अधिसूचना की समूची प्रक्रिया को अब स्वचालित किया जाएगा। एसबीआई से मिलने वाली दरों को हर दिन निकटतम पांच अंक तक समायोजित किया जाएगा और उसे भारतीय सीमा-शुल्क ईडीआई प्रणाली के साथ एकीकृत करने के बाद शाम छह बजे तक 'इंडियन कस्टम्स नेशनल ट्रेड पोर्टल' (आईसगेट) पर डाला जाएगा। एक अधिकारी ने बताया कि मुद्राओं की विनिमय दरों में होने वाले उतार-चढ़ाव पर करीबी नजर रखने के लिए सीबीआईसी ने आईसगेट पोर्टल पर हर दिन 22 मुद्राओं की विनिमय दरें प्रकाशित करने का फैसला किया है।

आईटी कंपनी के शेयरों में बड़ी गिरावट से एलआईसी को झटका, मूर्ति परिवार को हुआ नुकसान

नई दिल्ली।
इन्फोसिस के शेयरों में भारी गिरावट के कारण आईटी कंपनी के बाजार पूंजीकरण से अरबों डॉलर गायब हो गए। कंपनी के शेयरों में जनवरी से मार्च की तिमाही में आमदनी अनुमान से कम रहने के बाद बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। चौथी तिमाही में इन्फोसिस का मुनाफा 7.8 फीसदी बढ़कर 6128 करोड़ रुपये रहा। इससे पहले कंपनी ने दिसंबर तिमाही में 6586 करोड़ रुपये का मुनाफा हासिल किया था। कंपनी के शेयरों में आई इस गिरावट से भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और मूर्ति परिवार जैसे प्रमुख शेयरधारकों को कारोबार के शुरुआती कुछ ही सेकेंड में ही बड़ा झटका लगा।

इन्फोसिस के शेयरों में गिरावट से एलआईसी को 3,907 करोड़ का नुकसान

एलआईसी की इन्फोसिस में 7.71 फीसदी की हिस्सेदारी है। दिसंबर तिमाही के अंत में देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी के पास आईटी कंपनी के 28,13,85,267 शेयर हैं। बीते उनका बाजार मूल्य करीब 39,073 करोड़ रुपये था। शुरुआती कारोबार में इन्फोसिस के शेयरों में दस फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट से इन्फोसिस में एलआईसी के शेयरों का बाजार मूल्य घटकर 35,166 करोड़ रुपये हो गया। इस तरह भारतीय जीवन बीमा निगम को लगभग 3,907 करोड़ रुपये का नुकसान झेलना पड़ा है। नारायण मूर्ति के बेटे रोहन मूर्ति भी घाटे में, ब्रिटिश पीएम सुनक की पत्नी ने गंवाए 541 करोड़ मूर्ति परिवार की बात करें तो नारायण मूर्ति के बेटे रोहन मूर्ति की हिस्सेदारी का बाजार मूल्य बीते 8,444.47 करोड़ रुपये था। यह घटकर 7,600 करोड़ रुपये रह गया। इसमें 844 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। अक्षता मूर्ति जो नारायण मूर्ति की बेटी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की पत्नी हैं के पास बेंगलुरु स्थिति कंपनी इन्फोसिस में 1.07 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। जिनका मूल्य बाजार बंद होते समय 5,409.58 करोड़ रुपये था। शुरुआती कारोबार में यह 541 करोड़ रुपये घटकर 4868.66 करोड़ रह गया।

मूर्ति दंपती को भी उठाना पड़ा इतने करोड़ का नुकसान

नायणमूर्ति की पत्नी सुधा एन मूर्ति के पास इन्फोसिस में 0.95 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिनका बाजार मूल्य 4797.69 करोड़ रुपये था। यह 480 करोड़ रुपये घटकर 4317.96 करोड़ रुपये रह गया। वहीं इन्फोसिस के संस्थापक नारायणमूर्ति की इनफोसिस में 0.46प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिनका बाजार मूल्य शेयरों में गिरावट के कारण 2322.41 करोड़ रुपये से घटकर 2,080 करोड़ रुपये रह गई है, इसमें 231.12 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई है।

बता दें कि इन्फोसिस के शेयरों ने कारोबारी सेशन के दौरान 1249.75 रुपये के लोअर सर्किट लिमिट को छू लिया। इससे कंपनी का मार्केट कैपिटलाइजेशन बीते 5,76,069 करोड़ रुपये के मुकाबले कम होकर 5,18,466 करोड़ रुपये रह गया है।

विश्व बैंक की पाकिस्तान को कड़ी हिदायत, कहा- घाटे और कर्ज से बचने के लिए सब्सिडी तुरंत बंद करें

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान की इन दिनों आर्थिक हालात इतनी खराब है कि विश्व बैंक ने भी उसको हिदायत दी है। विश्व बैंक ने पाकिस्तान को जोर देकर कहा है कि अगर वह राजकोषीय घाटे से उबरना चाहता है तो उसे सब्सिडी बंद कर देनी चाहिए। विश्व बैंक ने पाकिस्तान के बढ़ते राजकोषीय घाटे और कर्ज को खतरनाक बताया है।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को लेकर विश्व बैंक ने अपनी समीक्षा रिपोर्ट जारी की है जिसमें आर्थिक समस्या से मुकाबला करने के लिए कई सुझाव और सिफारिश भी हैं। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए, विश्व बैंक ने अपनी समीक्षा रिपोर्ट में कहा है कि पाकिस्तान अनावश्यक खर्चों और सब्सिडी को समाप्त करके सालाना 2.72 ट्रिलियन रुपये बचा सकता है क्योंकि वे बजट का 70 प्रतिशत खाते हैं। विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 18वें संविधान संशोधन के बाद व्यय और घाटे में वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल 7.9 फीसदी का राजकोषीय घाटा 22 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। जारी रखते हुए ऋण अनुपात भी 78 प्रतिशत के उच्च स्तर पर दर्ज किया गया, जबकि पाकिस्तान में कुल राजस्व जीडीपी का 12.8 प्रतिशत था। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, विकास बजट को सीमित करके 315 अरब रुपये बचाए जा सकते हैं। विश्व बैंक ने बेनजीर आय सहायता कार्यक्रम (बीआईएसपी) के 90 फीसदी खर्च सहित विभिन्न मामलों को प्रांतीय सरकारों को सौंपने का सुझाव दिया है। इस बीच शहबाज शरीफ सरकार ने पेट्रोल के दाम 10 रुपये लीटर बढ़ा दिए हैं। गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे देश में मुद्रा के मूल्य में भारी गिरावट आई है।

स्वास्थ्य बीमा ले रहे हैं तो कटौती का जरूर रखें ध्यान, दावे के भुगतान में दो तरह से सुविधा

नई दिल्ली।
स्वास्थ्य बीमा या हेल्थ इंश्योरेंस खरीदना अचानक आने वाले मेडिकल आपात से खुद को बचाने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। स्वास्थ्य बीमा खरीदने से पहले यह महत्वपूर्ण है कि बाद में किसी भी भ्रम या निराशा से बचने के लिए पॉलिसी के नियमों और शर्तों को अच्छे से समझ लेना चाहिए। एक ऐसा ही शब्द है डिडक्टिबल या कटौती। इसे थोड़ा और समझने की जरूरत होती है। कोई भी डिडक्टिबल, दावा का वह हिस्सा है जो बीमा लेने वाले को नुकसान की भरपाई करने से पहले उसे वहन करना होता है। आपको एक निश्चित पूर्व-निर्धारित सीमा तक लागत वहन करनी होगी और बीमा कंपनी पूरी उपचार लागत पर डिडक्टिबल सीमा को पार करने के बाद ही दावे का भुगतान करेगी।

टॉप-अप प्लान में डिडक्टिबल

टॉप-अप प्लान में कटौती भी होती है, जो अलग तरीके से काम करती है। एक टॉप-अप

योजना में, डिडक्टिबल वह सीमा है जिस तक आधार पॉलिसी या बीमित व्यक्ति क्लेम लागत वहन करता है। टॉप-अप प्लान मामूली प्रीमियम पर आपके मूल इंश्योरेंस प्लान को बढ़ाने में मदद करते हैं। टॉप-अप पॉलिसी दो प्रकार की होती हैं। नियमित टॉप-अप और सुपर टॉप-अप। नियमित टॉप-अप में एकल-घटना डिडक्टिबल होती है।

डिडक्टिबल या कटौती क्या है

मान लें कि आपकी पॉलिसी में डिडक्टिबल राशि 3,000 रुपये है और आपकी दावा राशि 20,000 रुपये है। इसका मतलब है कि बीमाकर्ता नुकसान के लिए 17,000 रुपये का भुगतान करेगा और आपको 3,000 रुपये वहन करना होगा। इसका मतलब यह है कि डिडक्टिबल राशि तक का कोई भी दावा कंपनी द्वारा देय नहीं है। दिए गए उदाहरण में बीमाकर्ता 3000 से कम के किसी भी दावे का भुगतान नहीं करेगा। स्वास्थ्य बीमा में दो प्रकार के डिडक्टिबल होते हैं। पहला अनिवार्य और दूसरा स्वैच्छिक। अनिवार्य डिडक्टिबल : यह कटौती अनिवार्य होती है। यह एक निश्चित राशि होती है जो बीमा कंपनी पॉलिसी में डालती है। इसके तहत बीमित व्यक्ति दावे के शुरुआती हिस्से को वहन करेगा। जबकि बीमा कंपनी बाकी का भुगतान करेगी। यह कटौती प्रीमियम को प्रभावित नहीं करती है। स्वैच्छिक कटौती : इसके तहत बीमा लेने वाला स्वैच्छिक कटौती की सीमा को चुनता है। पॉलिसीधारक दावे के एक निश्चित हिस्से के भुगतान को चुनता है। यह राशि बीमित व्यक्ति के हिसाब से अलग-अलग होती है।

देश में खुलेगा पहला एपल स्टोर

सीईओ टिम कुक बोले- अच्छा सपोर्ट देने से लेकर लोकल कनेक्टिविटी पर फोकस रहेगा

नई दिल्ली।
टेक कंपनी एपल इस हफ्ते भारत में दो स्टोर खोलने जा रही है। स्टोर की लॉन्चिंग से पहले एपल के सीईओ टिम कुक ने इंडियन कल्चर की तारीफ की है। कुक ने कहा कि, इंडिया में ब्यूटीफुल कल्चर और एक इनक्रेडिबल एनर्जी है। हम भारत में एपल के लंबे इतिहास को आगे बढ़ाने को लेकर उत्साहित हैं। इसमें अपने कस्टमर्स को सपोर्ट करना, लोकल कम्युनिटी में इन्वेस्ट करना और ह्यूमैनिटी की सेवा के लिए इनोवेशन के साथ मिलकर काम करना शामिल है। साथ ही, उन्होंने कहा कि एपल का मिशन दुनियाभर के लोगों के जीवन को समृद्ध और सशक्त बनाना है। भारत में स्टोर खोलकर ग्राहकों को अच्छा सपोर्ट देने से लेकर लोकल कनेक्टिविटी तक पर फोकस रहेगा. साथ ही बेहतर फ्यूचर के लिए साथ काम किया जाएगा।

18 अप्रैल को मुंबई और 20 को दिल्ली में खुलेगा स्टोर

एपल का भारत में पहला फ्लैगशिप रिटेल स्टोर मुंबई में 18 अप्रैल यानी कल खुलेगा। इसके बाद 20 अप्रैल को दिल्ली में दूसरा ऑफिशियल स्टोर खुलेगा। मुंबई वाला स्टोर रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के जियो वर्ल्ड ड्राइव मॉल में खोला जा रहा है। ये मॉल मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में है। वहीं, दूसरा स्टोर दिल्ली के साकेत में खुलेगा। दोनों ही स्टोर सुबह 11 बजे से रात 10 बजे तक खुलेंगे।

भारत में अपनी प्रेजेंस बढ़ा रहा एपल

एपल भारत में अपनी प्रेजेंस को बढ़ा रहा है क्योंकि सेल्स और मैन्युफैक्चरिंग के लिए इंपॉर्टेंट मार्केट बन चुका है। साथ ही, भारतीय कस्टमर्स का भी प्रीमियम प्रोडक्ट्स की ओर रूझान बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है।

टिम कुक ने 2020 में की थी स्टोर की घोषणा

कोविड-19 महामारी के कारण भारत में एपल स्टोर्स के लॉन्च में देरी हुई है। 2020 में एपल की ऐनुअल शेयरहोल्डर्स मीटिंग के दौरान सीईओ टिम कुक ने कहा था कि वे नहीं चाहते कि भारत में और हमारे लिए ब्रांड चलाए। लेकिन 2021 में

स्टोर खोलने का एपल का प्लान महामारी के कारण पटरी से उतर गया था।

सभी छोटे-बड़े सप्लायर्स के साथ मिलकर काम कर रहा एपल

एपल ने भारत में मैन्युफैक्चरिंग 2017 में शुरू की है। तब से कंपनी सप्लायर्स के साथ मिलकर आइफोन मॉडल्स को असेंबल कर रही है। भारत में एपल के पार्टनर सप्लायर्स में फॉक्सकॉन, विस्ट्रॉन और पेगाट्रॉन शामिल हैं। हालांकि, भारत से ग्लोबल मार्केट में केवल 5प्रतिशत ही सप्लाई हुए हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो एपल 2025 तक इसे 25प्रतिशत और 2027 तक 50प्रतिशत बढ़ाने की योजना बना रहा है। कंपनी का दावा है कि वह भारत में सभी छोटे-बड़े सप्लायर्स के साथ मिलकर काम कर रही है।

एपल में बेहतरीन कस्टमर एक्सपीरियंस

सालों से एपल के रिटेल पार्टनर बड़े और छोटे भारतीय शहरों में थर्ड-पार्टी स्टोर चला रहे हैं, लेकिन वैसा एक्पीरियंस नहीं दे पा रहे जैसा कि न्यूयॉर्क के एवेन्यू, लंदन की रीजेंट स्ट्रीट या सिंगापुर के मरीना बे में मिलता है। एपल के स्टोर दुनिया के कुछ सबसे सक्सेसफुल रिटेल आउटलेट हैं और बेहद फायदेमंद हैं। एपल के को-फाउंडर स्टीव जॉब्स ने 2001 में वर्जीनिया में पहला एपल स्टोर खोला था। तब कई लोगों ने उनके फेल होने की भविष्यवाणी की थी, लेकिन कंपनी के स्टोर खोलने की रणनीति बेहद सफल रही। एपल के अब 500 से ज्यादा रिटेल स्टोर हैं, जिनमें से ज्यादातर अमेरिका में हैं, इसके बाद चीन का नंबर है।

एपल स्टोर के पास 22 ब्रांड की नो-एंट्री

रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई में एपल के स्टोर के आस-पास 22 कंपीटीटर्स ब्रांड्स न तो अपना स्टोर खोल सकते हैं और न ही एडवर्टाइजमेंट कर सकेंगे। ये एग्रीमेंट का हिस्सा है। इनमें अमेजन, फेसबुक, गूगल, एलजी, माइक्रोसॉफ्ट, सोनी जैसे ब्रांड शामिल हैं।

आईफोन के फैक्ट्री से स्टोर पहुंचने की कहानी

कैलिफोर्निया के कूपरटिनो सिटी की एक बिल्डिंग में एक प्रोजेक्ट पर काम चल रहा था। इसका नाम था प्रोजेक्ट पर्पल। इस प्रोजेक्ट के लिए जब लोगों को हायर किया जा रहा था तब शर्त रखी गई कि टीम को दिन-रात काम करना होगा। टीम के किसी भी सदस्य को उस बिल्डिंग से बाहर जाने की इजाजत नहीं होगी।

शर्मिला ने आराधना की तुलना की आरआरआर से

-बोलीं- 50 हफ्तों तक थिएटर्स में चली

मुंबई (ईएमएस)। अपने जमाने की मशहूर अभिनेत्री शर्मिला टैगोर ने कुछ ऐसी फिल्में की, जिन्हें आज भी कल्ट माना जाता है। इन फिल्मों में शर्मिला की परफॉर्मेंस की खूब तारीफ हुई। इन्हीं में से एक फिल्म है आराधना, जोकि 1969 में रिलीज हुई थी। शर्मिला टैगोर ने अपनी इस फिल्म की तुलना एसएस राजामौली की आरआरआर से की है। शर्मिला टैगोर हाल ही दिल्ली में एक सेशन के दौरान मौजूद थीं, इस सेशन में बातचीत के दौरान शर्मिला ने बताया कि 1967 में फिल्म एन इवनिंग इन पेरिस के बाद उन्होंने क्यों मीनिंगफुल फिल्में करनी शुरू कीं। बातचीत में शर्मिला ने वह दौर याद किया जब आराधना की रिलीज के वक्त चेन्नै में हिंदी विरोधी आंदोलन शुरू हो गया था। उस बवाल को याद करते हुए शर्मिला टैगोर ने कहा, जब आराधना 1969 में रिलीज हुई थी तो उस वक्त चेन्नै में हिंदी के खिलाफ खूब विरोध-प्रदर्शन चला था। उस समय एक तरह से हिंदी भाषा का बायकॉट चल रहा था वहां। फिर भी आराधना सिनेमाघरों में 50 हफ्तों तक चली। यह हमारे समय की

आरआरआर फिल्म थी। यह दिखाता है कि भावनाएं भाषा से परे हैं। हमारी फिल्में, चाहे वो किसी भी क्षेत्र से आती हों, लोगों को हंसाती हैं और रुलाती हैं।

इसलिए हमारी समानताएं हमारे मतभेदों से कहीं अधिक हैं। मालूम हो कि एसएस राजामौली की RRR मूल रूप से तेलुगू भाषा में बनी थी, लेकिन इसे हिंदी भाषा में भी रिलीज किया गया था। फिल्म को साउथ से लेकर हिंदी बेल्ट ही नहीं बल्कि विदेश में भी खूब प्यार मिला। करीब 550 करोड़ रुपये के बजट में बनी आरआरआर ने बॉक्स ऑफिस पर 1200 करोड़ से अधिक कमाई की थी। यही नहीं, इस फिल्म के नाटू नाटू गाने ने गोल्डन ग्लोब और बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग का ऑस्कर अवॉर्ड भी जीता था। एन इवनिंग इन पेरिस फिल्म में शर्मिला टैगोर ने बिकिनी पहनी थी, जिस पर काफी बवाल मचा था। यहां तक कि संसद में भी यह बहस का विषय बन गया था। लेकिन इस फिल्म के बाद शर्मिला ने ग्लैमरस किरदारों के बजाय सिर्फ मीनिंगफुल किरदार ही करने का फैसला किया। बता दें कि बीते जमाने की मशहूर एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर ने हाल ही वेब सीरीज गुलमोहर से एक्टिंग में कमबैक किया और तब से वह हर तरफ छाई हुई हैं। साठ और सत्तर के दशक में भी शर्मिला टैगोर का खूब जलवा था और वह उस दौर की हाइएस्ट पेड एक्ट्रेसेस में शुमार थीं।

रणबीर के भीतर बेहतर पति बनने की इच्छा

-ताजा इंटरव्यू में बोले एक्टर

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में एक इंटरव्यू में रणबीर कपूर ने अपने निजी जिंदगी के बारे में खुलकर बात की और बताया कि एक पति के रूप में वह खुद को कैसे आंकते हैं। रणबीर ने कहा कि हालांकि वह एक बेहतरीन पति नहीं हैं मगर उनके भीतर बेहतर पति बनने की इच्छा है। रणबीर कपूर ने कहा कि वह सही रास्ते पर हैं। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने अपने रिश्ते को कई साल तक गोपनीय रखा था। इसके बावजूद रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को शादी से पहले भी अक्सर पारिवारिक समारोहों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में एक साथ देखा जाता था। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट ने 14 अप्रैल, 2022 को मुंबई के अपने घर वास्तु में एक निजी समारोह में शादी की। इस मौके पर बहुत करीबी लोग ही मौजूद थे। इनमें रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के करीबी दोस्त फिल्म निमार्ता करण जौहर और परिवार के लोग शामलि थे। जिनमें रणबीर की चचेरी बहनें करिश्मा और करीना कपूर, उनकी मां नीतू कपूर और उनकी बहन रिद्धिमा कपूर साहनी शामिल थीं। रणबीर कपूर ने आलिया के साथ अपनी शादी के बारे में बात की और बताया कि वह

खुद को किस तरह का पति मानते हैं। रणबीर ने कहा कि आप कुल मिलाकर महसूस करते हैं कि आप बेहतर कर रहे हैं। लेकिन जीवन ऐसा है कि यह कभी भी परफेक्ट नहीं होने वाला है। मुझे नहीं लगता कि मैं एक बेहतरीन बेटा, एक बेहतरीन पति या एक भाई हूं। लेकिन मुझे लगता है कि मेरे पास ऐसा बनने की इच्छा है। जब तक आप इसके बारे में जानते हैं, तब तक यह महत्वपूर्ण है, आप सही रास्ते पर होंगे। बता दें रणबीर और आलिया भट्ट ने पिछले साल शादी की थी और उनकी एक बेटी है जिसका नाम राहा है।

सलमान की वापसी को लेकर उठाए जा रहे सवाल

-क्या शाहरुख खान जितनी ब्लॉकबस्टर रहेगी इनकी वापसी

मुंबई (ईएमएस)। बॉक्स ऑफिस पर वापसी करने वाले अदाकार सलमान खान की वापसी को लेकर आलोचकों द्वारा सवाल उठाया जा रहा है कि क्या उनकी वापसी परदे पर शाहरुख खान जितनी ब्लॉकबस्टर रहेगी। सलमान खान टाइगर जिंदा है के बाद पूरी तरह से परदे पर वापसी करने जा रहे हैं। 10 अप्रैल को जारी हुए इस फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों से अपेक्षित प्रतिक्रियाएँ मिली हैं। कहा जा रहा है कि यह सलमान खान के उसी अंदाज की फिल्म है जिसे दर्शक हमेशा से पसन्द करते आए हैं। एक्शन, रोमांस, ड्रामा, गीत संगीत।पिछले सप्ताह सलमान खान ने अपनी फिल्म का गीत येंतम्मा को जारी किया था। इस गीत ने आते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचाना शुरू कर दिया था। हालांकि इस गीत में सलमान खान, वेंकटेश और रामचरण द्वारा पहनी गई धोती को लुंगी के रूप में दिखाने व मंदिर परिसर पर इस प्रकार का डांस करने को लेकर काफी आलोचना की गई

थी। विशेष रूप से दक्षिण भारतीयों ने ही इसकी आलोचना की थी। कहा गया सलमान खान के बारे में तो कह सकते हैं कि उन्हें लुंगी और धोती में अन्तर नजर नहीं आता लेकिन रामचरण और वेंकटेश तो दक्षिण भारतीय ही हैं उन्होंने धोती को कैसे लुंगी मान लिया।खैर तमाम विरोधों के बीच सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान के गाने येंतम्मा ने सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया है। सलमान खान की फिल्म का ये गाना बिलबोर्ड हॉट ट्रेंडिंग सॉन्ग्स में तीसरे नंबर पर आ गया है। दर्शकों को इस गीत में इन तीनों सितारों के किए गए डांस स्टेप्स ने खासा प्रभावित किया है। प्रभावित होने के बावजूद दर्शकों का यह कहना है कि गीत के फिल्मांकन के वक्त मंदिर परिसर में जूते पहनने पर ध्यान दिया जाना चाहिए था। मंदिर कहीं का भी हो, रियल या सैट, वहाँ पर जूते पहनने की सख्त मनाही होती है। बता दें कि आगामी 21 अप्रैल को ईद के मौके पर उनकी फिल्म किसी का भाई किसी की जान का प्रदर्शन होने जा रहा है। यह फिल्म 2014 में आई दक्षिण के अभिनेता अजित कुमार की फिल्म वीरम का आधिकारिक रीमेक है।

शकीरा की हत्या से पर्दा उठाएगी ओटीटी सीरीज

रियल एस्टेट डेवलपर शकीरा खलीली की हत्या के रहस्य से आगामी स्ट्रीमिंग सीरीज डांसिंग ऑन द ग्रेव पर्दा उठाएगी। यह क्राइम सीरीज मैसूर राजघराने के पूर्व दीवान की पोती शकीरा खलीली की हत्या की पड़ताल करती है। कहा जाता है कि शकीरा की हत्या उसके अपने पति ने की थी। उसने उसके अवशेषों को अपने ही घर में दफन कर दिया था और कानून को अपने बयानों से करीब तीन साल तक गुमराह करके रखा। पैट्रिक ग्राहम द्वारा लिखित और निर्देशित, और कनिष्क सिंह देव द्वारा सह-लिखित डांसिंग ऑन द ग्रेव का प्रीमियर भारत में 21 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर होगा। मई 1994 में,

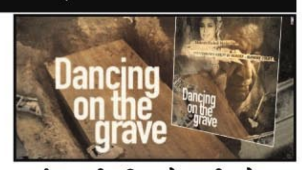

कर्नाटक की पुलिस ने शकीरा के शरीर के अवशेषों को उसके अपने घर से बरामद किया। रिकॉर्ड्स में कहा गया है कि जब उसे दफनाया गया था तब वह जीवित थी क्योंकि उसके हाथ ताबूत के गद्दे को जकड़े हुए पाए गए थे, जिसमें उसे दफनाया गया था। चार-भाग वाली डॉक्युमेंट्री सीरीज घटनाओं में प्रमुख कर्मियों के साथ-साथ कुछ लोगों के खास इंटरव्यू के माध्यम से रहस्यमय हत्या की जांच करती है।

फिल्म ब्लडी डैडी का टीजर रिलीज

फिल्म ब्लडी डैडी का टीजर रिलीज हो गया है। यह शाहिद कपूर की अपकमिंग फिल्म है। इस फिल्म में शाहिद का खतरनाक लुक देखने को मिला। टीजर में एक्टर कोट-पैंट पहनकर हाथ में चाकू लिए लोगों का खून बहाते हुए नजर आए। लम्बे समय बाद अभिनेता संजय कपूर भी इस फिल्म खलनायक के किरदार में नजर आ रहे हैं। टीजर के बैकग्राउण्ड में इस्तेमाल की गई धुन शाहरुख खान अभिनीत डॉन की यादों को ताजा करती है। ब्लडी डैडर में माफिया, ड्रग्स, पुलिस, परिवार और ढेर सारा खून खराबा सब कुछ है। रीमेक के दौर में अली अब्बास जफर भी स्वयं को रीमेक से अछूता नहीं रख पाए हैं और उन्होंने वर्ष 2011 में आई फ्रेंच फिल्म निट ब्लैंच (स्लीपलेस नाइट) को आधिकारिक तौर पर हिन्दी में रीमेक किया है। शाहिद कपूर के अतिरिक्त ब्लडी डैडी में रोनित रॉय, राजीव खंडेलवाल और डायना पेंटी भी नजर आएंगे। ब्लडी डैडी 9 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज होगी।

गीत ओ साकी साकी रे फिर से चर्चाओं में

-नेपाली व्यक्ति का डांस, वीडियो जमकर हो रहा वायरल

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म मुसाफिर का एक गीत ओ साकी साकी रे गीत एक बार फिर से सोशल मीडिया पर चर्चाओं में आ गया है। नेपाल निवासी एक व्यक्ति ने इस गीत पर जिस अंदाज में अपने डांस मूव्स का प्रदर्शन किया है वह तारीफ-ए-काबिल हैं। इस गीत के पर उनके डांस को देखकर नोरा फतेही भी स्वयं को तारीफ करने से रोक नहीं पाई हैं। सोशल मीडिया पर नेपाली व्यक्ति के इस डांस को अब तक 3 करोड़ से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। नोरा ने इस डांस वीडियो पर कमेंट भी किया है। नोरा फतेही का ये गाना 2019 में प्रदर्शित हुई फिल्म बाटला हाउस का रीमिक्स वर्जन था। नोरा फतेही ने वीडियो पर हार्ट इमोजी के साथ रिएक्ट किया। सुष्मिता सेन ने भी वीडियो को लाइक किया है। सोशल मीडिया यूजर्स भी इस वीडियो को खूब पसंद कर रहे हैं। एक यूजर ने इस वीडियो पर कमेंट किया- ऐज वाकई में सिर्फ एक नंबर ही तो है। वहीं एक यूजर ने लिखा- पैशन फॉलो करने की कोई उम्र नहीं

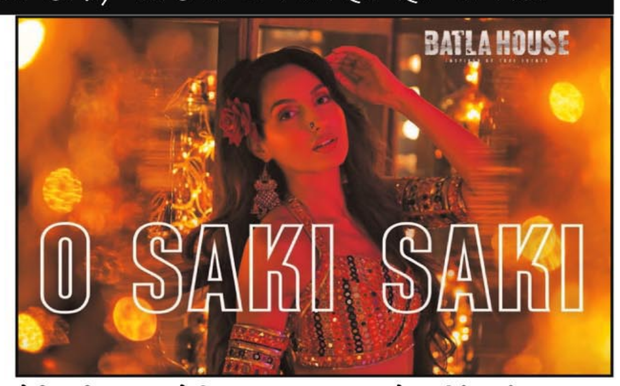

होती। वहीं एक यूजर ने लिखा- अगर इनके कपड़े बदल दिए जाएं तो ये ओरिजिनल डांसर से भी ज्यादा हैंडसम और हॉट लगेंगे। गौरतलब है कि नोरा पिछले कई दिनों से मीडिया की चर्चाओं से दूर थीं। लेकिन अब वो फिर से चर्चाओं में आ रही हैं। हाल ही में नोरा ने इंटरनेशनल रैपर निक्की मिनाज के साथ डर्टी लिटिल सीक्रेट गाने के लिए कोलैब किया है। जल्द ही नोरा कमर्शियल फीचर फिल्म और म्यूजिक प्रोजेक्ट्स में भी नजर आएंगी। मालूम हो कि वर्ष 2004 में प्रदर्शित हुई संजय दत्त, अनिल कपूर और कोएना मित्रा की फिल्म मुसाफिर बॉक्स ऑफिस पर असफल साबित हुई थी, लेकिन इस फिल्म का एक गीत ओ साकी साकी रे उस वर्ष के कामयाब गीतों में शुमार हुआ था। इस गीत की लोकप्रियता का आलम यह रहा कि डेढ़ दशक बाद जॉन अब्राहम ने अपनी फिल्म बाटला हाउस में उसे नोरा फतेही पर रीमिक्स वर्जन फिल्माया। फिल्म हिट रही लेकिन गीत ब्लॉकबस्टर साबित हुआ।

बॉलीवुड एक्ट्रेस महिमा चौधरी की मां का निधन

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस महिमा चौधरी की मां का आज निधन हो गया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, उनका कुछ समय से अस्पताल में इलाज रहा था। जिस बीच आज उनकी मौत हो गई। हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। जानकारी के मुताबिक महिमा की मां बीते लंबे समय से बीमार थी। इसी बीच अचानक से महिमा की मां की सांस

टूटने लगी और उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। महिमा और उनकी बेटी अरियाना दोनों मिसेज चौधरी के गुजर जाने से काफी दुखी हैं। यहां यह बात गौरतलब है कि इससे पहले महिमा के कैंसर पीड़ित होने की जानकारी सामने आई थी। महिमा चौधरी के कैंसर का खुलासा 9 जून 2022 को अनुपम खेर ने किया था। फिल्म सिग्नेचर के दौरान महिमा चौधरी ने अपना दर्द अनुपम खेर के साथ बांटा था और बताया था कि वह ब्रेस्ट कैंसर जैसी समस्या से जूझ रही हैं।

मैं सांस लेना चाहता हूं ताकि मैं काम कर सकूं

- फिल्म द कश्मीर फाइल्स के निर्माता अग्निहोत्री ने कहा

मुंबई (ईएमएस)। विवादास्पद फिल्म द कश्मीर फाइल्स फिल्म के निमार्ता विवेक अग्निहोत्री ने कहा कि पांच साल पहले, अमेरिका स्थित दृष्टिकोण ने गौतम नवलखा पर एक आर्टिकल पब्लिश किया था। श्री नवलखा को भारत की अखंडता और संप्रभुता को खतरे में डालने के गंभीर आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अग्निहोत्री ने कहा कि मैंने केवल सोर्स और लेखक का हवाला देते हुए लेख को एक ट्वीट थ्रेड के रूप में पोस्ट किया था। इसके बाद, दिल्ली हाई कोर्ट ने दृष्टिकोण, श्री एस. गुरुमूर्ति और मेरे खिलाफ अदालत की अवमानना का सूओ मोटो जारी किया। आर्टिकल को लेखक ने फौरन माफी के साथ हटा दिया था, जिसके बाद श्री एस गुरुमूर्ति ने अदालत में बिना शर्त माफी मांगी। इससे मेरे पास कोई अधिकार नहीं रह गया था और मैं नैतिक और बौद्धिक रूप से उस सोर्स से जानकारी शेयर करने के लिए माफी मांगने के लिए मजबूर था। इसे न्याय और साहस की लड़ाई के रूप में अन्यथा पेश करना दिखावा और गलत होगा। इस मुद्दे में जो नहीं है उसमें बदलकर गैलरी में प्ले करना सही नहीं है और क्रिएटिव एनर्जी की सरासर बबार्दी है। मेरे मन में भारतीय न्यायपालिका के लिए बहुत सम्मान है और मैं कभी भी ऐसा कुछ भी नहीं कहूंगा या लिखूंगा जो बिना किसी बुनियाद हो और जो हमारी न्यायपालिका की पवित्रता के खिलाफ हो, जो हमारे राष्ट्र के स्तंभों में से एक है। किसी व्यक्ति को कानूनी मामलों में फंसाना, गलत खबरों के जरिए उसे बदनाम करना और हर समय प्रतिक्रिया देने में उनका टाइम और एनर्जी बर्बाद करना ताकि उनका ध्यान उनके काम

से भटकाया जा सके, हमारे लोकतंत्र में आम बात नहीं है। द कश्मीर फाइल्स के रिलीज होने के बाद से, मुझे चरमपंथियों, अलगाववादियों, मीडिया, पॉलिटिकल पार्टीज, खतरनाक कम्युनल फैक्ट चेकर्स, कुछ निहित एजेंसियों, फिल्म फेस्टिवल जूरी मेंबर्स, और उनके ट्रोल और बॉट्स के विभिन्न सेक्शन द्वारा ऑनलाइन और रियल लाइफ में, दोनों में परेशान किया गया है। मेरे खिलाफ खुले फतवे और धमकियां हैं। मुझे एक्टर्स से लेकर फंडामेंटलिस्ट रिलीजियस बॉडीज से लेकर कोर्ट केसेस तक, कई कानूनी नोटिस दिए गए हैं। मेरे परिवार, (खासकर के मेरी छोटी बेटी) को कुछ कम्युनल फैक्ट चेकर्स और उनके सहयोगियों द्वारा खुलेआम एब्यूज किया जा रहा है और धमकाया जा रहा है। यह मेरी हकीकत है और यह सब पब्लिक डोमेन में है। अपने काम के जरिए एक इंडिक पुनर्जागरण के अपने मिशन में बिना धैर्य खोए मैं अपने प्रोजेक्ट पर दृढ़ विश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ फोकस्ड हूं। मेरा मकसद भारतीय सभ्यता की महानता के बारे में जागरूकता पैदा करना और हमारे महान इतिहास, दर्शन, बलिदान, शक्ति और उपलब्धियों को उजागर करना है ताकि युवा पीढ़ी अपनी समृद्ध विरासत पर गर्व महसूस कर सके। मैंने अपनी सभ्यता की सच्चाई को उजागर करने वाली परियोजनाओं के लिए लगातार अपने जीवन और संसाधनों को जोखिम में डाला है। अर्बन नक्सल से लेकर द कश्मीर फाइल्स तक, मेरी टीम और मैंने एक अनोखी लड़ाई लड़ी है। मेरे जीवन के अगले कुछ साल इन प्रोजेक्ट्स के लिए डेडिकेटेड हैं: भारत की सॉफ्ट पावर के रूप में सिनेमा का इस्तेमाल करने के अलावा, हम कई यंग इंडियन स्टोरीटेलर्स को भी एम्पावर कर रहे हैं। यह सब लगातार फोकस के जरिए ही मुमकिन है, बिना किसी डिस्ट्रैक्शन के - चाहे वह कानूनी हो या राजनीतिक, मैं अपने जीवन में ज्यादा क्रिएटिव और स्पिरिचुअल एनर्जी के लिए जगह बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं ताकि मैं वह कर सकूं जो पहले कभी नहीं किया गया। एक प्राइड इंडियन के रूप में, मैं चाहता हूं कि भारत दुनिया के लिए एक प्रेरणा बने।

लंदन की सड़कों पर लिपलॉक करते दिखे प्रियंका व निक

एक वायरल तस्वीर में प्रियंका चौपड़ा अपने पति निक के साथ लंदन की सड़कों पर लिपलॉक करते नजर आ रहे हैं। गौरतलब है कि एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा सोशल मीडिया पर अक्सर चर्चा में रहती हैं। कुछ दिनों पहले एक्ट्रेस अपने पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी संग इंडिया आई थीं, जहां उन्होंने अपनी अपीयरेंस से लोगों का खूब ध्यान खींचा। इंडिया में कुछ दिनों के दौरे के बाद वह अपने ससुराल पहुंच गई हैं। वहां पहुंचने के बाद हाल ही में एक्ट्रेस को पति निक संग लंदन की सड़कों पर मस्ती और रोमांस करते देखा गया। कपल की ये तस्वीरें अब इंटरनेट

पर जमकर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में प्रियंका चोपड़ा पिंक कलर की हुडी और मैचिंग पैंट में कैजुअल लुक दे रही हैं, जबकि उनके पति निक ब्लैक आउटफिट में हैंडसम दिख रहे हैं। जैसे ही प्रियंका शॉप से बाहर निकलती है, सड़क पर वह पति संग खुलेआम इश्क लड़ाती नजर आती हैं। गाड़ी में बैठते समय कपल एक दूजे को लिपकिस करता है। जबकि अन्य तस्वीरों में वह अलग-अलग पोज देते नजर आ रहे हैं।

सूडोकु नवताल- 6404

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6403 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7151

ब	क	दो	यु	ला	प	ब	रे	ली	झ	क
ज	ल	ल	प	आ	रिं	पू	ना	दि	शा	ऊ
अं	इ	रा	म	सं	ग	ल	श	र	न	ल
क	कु	दा	म	धा	ब	रा	प	ख	श	र
क	ति	ब	न	पु	क	र	ल	ग	वी	इ
ब	स्ती	ल	लि	व	र	र्त	ऐ	ढ़	प	ला
ती	अ	ल	श	या	प	म	ग	कौ	ला	ह
क	ली	अ	ब	त	क	म	प्प	न	श	बा
क	ग	थो	तें	व	ज	ज	द	शा	जू	द
द	ढ़	ल	प	आ	रं	र्त	ऐ	बें	प	रु
थो	त	सा	बि	ज	नौ	र	जा	एं	प	क

शब्द जाल में उत्तर प्रदेश के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

आगरा,अलीगढ़,इलाहबाद,आजमगढ़, बस्ती, बलिया, बलरामपुर, बरेली, बिजनौर, लखनऊ.

शब्दजाल - 7150 का हल

ग	हु	मे	रि	सो	म	ना	थ	च	ट	जीं
णे	खु	कु	प	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी
श	पी	जा	म	र	ग	बा	द	ह	प	ल
मा	ग	ए	पा	सिं	दू	स	ल	ह	लि	म
व	र	अ	सं	न	ह	ला	कि	यो	प	सं
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	गी	जी
न	जी	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	व
क	रि	भा	र	य	र	स	रा	ल	वि	रे
र	या	बा	तें	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	शि	व	रा	ज	पा	टि	ल
बां	स	म	प	ब	लि	रा	म	भ	ग	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6104

6	3	2	5		1	
	27		33		38	3
	4	1		7		
7	27		35		38	2
2		3		6		4
4	27	5	35		27	
		4	7	1	2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6103 का हल

6	5	2	3	7	4	1
1	33	7	40	6	34	6
7	1	4	6	5	2	3
4	27	5	34	1	29	2
2	1	3	6	4	7	5
5	25	6	30	3	38	4
3	4	1	5	2	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

पीएसजी ने लेंस को 3-1 से हराया, म्बापे के रिकॉर्ड 139वां गोल दागा, मेसी भी चमके

पेरिस ।
पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने पिछले कुछ समय के खराब प्रदर्शन से उबरते हुए दूसरे स्थान पर चल रहे लेंस को 3-1 से हराकर फ्रेंच लीग, लीग-1 में शीर्ष स्थान पर अपनी बढ़त को नौ अंकों का कर लिया। इस जीत में कप्तान काइलिन म्बापे ने मुख्य भूमिका निभाई। उन्होंने टीम के लिए पहला गोल किया। यह लीग में क्लब के लिए उनका रिकॉर्ड 139 गोल रहा। इसके साथ ही वह लीग में पीएसजी के शीर्ष स्कोरर बन गए। उन्होंने क्लब के लिए 138 गोल करने वाले उरुग्वे के एडिंसन कवानी को पीछे छोड़ा। म्बापे का यह क्लब के लिए कुल 203वां गोल रहा। कुछ समय पूर्व ही म्बापे ने क्लब के लिए 200वां गोल किया था और उसके लिए वह सर्वकालिक शीर्ष स्कोर बने थे।

मेसी ने क्लब के लिए सत्र का 15वां गोल किया - सभी प्रतियोगिताओं में आठ मुकाबले हारने वाली पीएसजी के लिए यह मुकाबला अहम था। 25वें मिनट में मिडफील्डर वितिन्हा के पास पर उन्होंने गोल के दाहिने निचले हिस्से में फर्स्ट टाइमर लगाया। यह इस सत्र में क्लब के लिए उनका 20वां गोल रहा। छह मिनट बाद ही 25 मीटर की दूरी से वितिन्हा ने पीएसजी की बढ़त 2-0 कर दी। मेसी भी पीछे नहीं रहने वाले थे। 40वें मिनट में उन्होंने म्बापे से मिले पास को गोल में भेजा। यह इस सत्र में क्लब के लिए उनका 15वां गोल रहा।

10 खिलाडियों से खेली लेंस - लेंस के मिडफील्डर सालिस अब्दुल समद को 19वें में ही लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। हालांकि 10 खिलाडियों के बावजूद लेंस ने दूसरा हाफ में अच्छा खेल दिखाया। पीएसजी के फैबियन रुइज ने गेंद को बॉक्स में हाथ से छुआ, जिससे लेंस को पेनाल्टी मिली। पोलैंड के विंगर प्रेजमाइस्लॉव फ्रेंकोवस्की ने 60वें मिनट में इस पर गोल किया।

ला लिगा: रियल मैड्रिड ने कैडिज को 2-0 से हराया - बार्सिलोना। रियल मैड्रिड ने कैडिज पर स्पेनिश लीग ला लिगा में 2-0 से जीत हासिल की। इस जीत के साथ उसने शीर्ष पर चल रहे बार्सिलोना की बढ़त का अंतर 10 अंक कर दिया गया है। रियल के अगले सप्ताह चैंपियंस लीग के दूसरे चरण का क्वार्टर फाइनल चेल्सी के खिलाफ उसके घर में खेलना है। रियल पहला चरण जीत चुका है। रियल को दोनों गोल दूसरे हाफ में नसीब हुए। 72वें मिनट में नाचो फर्नांडीज ने और 76वें मिनट में मार्को एसेंसियो ने गोल किया।

न्यूज ब्रीफ

दिमुथ करुणारत्ने और कुसल मेंडिस की रिकॉर्डतोड़ साझेदारी, श्रीलंका ने पहले दिन बनाया विशाल स्कोर

नई दिल्ली। कप्तानन दिमुथ करुणारत्ने (179) और कुसल मेंडिस (140) के बेहतरीन शतकों की बदौलत श्रीलंका ने आयरलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन विशाल स्कोर बनाया। स्टंप्स के समय श्रीलंका ने 88 ओवर में 4 विकेट खोकर 386 रन बनाए। गॉल में श्रीलंकाई कप्तान दिमुथ करुणारत्ने ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। निशान मदुष्का (29) और करुणारत्ने ने पहले विकेट के लिए 89 गेंदों में 64 रन की साझेदारी की। कर्टिस कैंफर ने मदुष्का को विकेटकीपर टकर के हाथों कैच आउट कराकर श्रीलंका को पहला झटका दिया। इसके बाद दिमुथ करुणारत्ने को कुसल मेंडिस का साथ मिला। दोनों बल्लेबाजों ने आयरिश गेंदबाजों की जमकर खबर ली और दूसरे विकेट के लिए रिकॉर्ड 281 रन की साझेदारी की। करुणारत्ने-मेंडिस के बीच 281 रन की साझेदारी गॉल के मैदान में किसी भी विकेट के लिए सर्वश्रेष्ठ है। श्रीलंका की तरफ से दूसरे विकेट के लिए यह तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। जॉर्ज डॉकरेल ने कुसल मेंडिस को एलबीडब्ल्यू आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। मेंडिस ने 193 गेंदों में 18 चौके और एक छक्के की मदद से 140 रन बनाए। मेंडिस के आउट होने के बाद एंजेलो मैथ्यूज क्रीज पर आए। बेन व्हाइट ने मैथ्यूज को खाता भी नहीं खोलने दिया और विकेटकीपर टकर के हाथों कैच आउट कराकर आयरलैंड को तीसरी सफलता दिलाई। दिन के अंत में आयरलैंड के हाथ बड़ी सफलता लगी। दिमुथ करुणारत्ने को मार्क एडेर ने विकेटकीपर टकर के हाथों कैच आउट करा दिया। करुणारत्ने दोहरा शतक चूक गए। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 235 गेंदों में 15 चौके की मदद से 179 रन बनाए।

रूबलेव लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंचे, डेन होल्गर से होगा मुकाबला

मोनाको । पांचवीं वरीय रूस के आंद्रे रूबलेव दूसरी बार मोंटे कार्लो मास्टर्स के फाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने बारिश से बाधित सेमीफाइनल मुकाबले में आठवीं वरीयता के अमेरिकी टेलर फिट्ज को 5-7, 6-1, 6-3 से हराया। दो साल पहले फाइनल में हारने वाले अपने 13वें खिताब के लिए उतरेंगे। उनकी खिताबी टक्कर छठवीं वरीयता के डेन होल्गर रुने से होगी। रुने ने अन्य मैच में इटली के जैनिक सिनर को 1-6, 7-5, 7-5 से हराया। लगातार तीसरी बार मास्टर्स सेमीफाइनल में खेल रहे इक्कीस साल के सिनर ने दो बार सर्विस ब्रेक कर पहला सेट जीत लिया था। दूसरे सेट में जब रुने 3-0 से बढ़त पर थे तो बारिश ने बाधा डाली। सिनर ने बाद में टक्कर दी लेकिन रुने ने यह सेट जीतकर मैच को निर्णायक सेट की ओर मोड़ दिया। तीसरे सेट में कड़ी टक्कर हुई लेकिन सिनर का शॉट नेट में उलझते के साथ रुने ने जीत का जश्न शुरू कर दिया। रूबलेव से उनकी कॅरिअर में तीसरी भिड़ंत होगी। इससे पहले दोनों 1-1 मुकाबला जीतने में सफल रहे। रुने अपने कॅरिअर का चौथा खिताब जीतने उतरेंगे। उन्होंने पिछले साल पेरिस मास्टर्स भी जीता था।

हरियाणा के खेल विभाग में भर्ती होंगे हेड कोचः 21 अप्रैल तक कर सकेंगे आवेदन; कौशल रोजगार निगम के जरिए भरी जाएंगी 21 पोस्ट

चंडीगढ़। हरियाणा खेल विभाग में विभिन्न खेलों के 21 हेड कोच पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। सभी पद

हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड के तहत कॉन्ट्रेक्ट के आधार पर भरे जाएंगे। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 21 अप्रैल निर्धारित की गई है। हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड के तहत हॉकी, टाई कमांडो, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, जूडो, जिम्नास्टिक्स, स्विमिंग, वेटलिफ्टिंग आदि के हेड कोच के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इसी के साथ स्पोर्ट्स साइकोथैरेपिस्ट, न्यूट्रीनिस्ट, स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग एक्सपर्ट आदि के आवेदन आमंत्रित भी किए गए हैं। हरियाणा खेल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इच्छुक योग्य आवेदक ऑनलाइन मोड़ के माध्यम से दिए गए पदों के लिए अपने आवेदन भेज सकते हैं। आवेदन करने का लिंक व पदों से जुड़ी अन्य जानकारी उपलब्ध है।

रणजी चैंपियन को अब मिलेंगे 5 करोड़

बीसीसीआई ने सभी घरेलू टूर्नामेंट की प्राइज मनी बढ़ाई ; महिलाओं को 833प्रतिशत ज्यादा इनाम मिलेगा

नई दिल्ली ।
भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अपने घरेलू टूर्नामेंट की प्राइज मनी बढ़ाने की घोषणा की है। रणजी ट्रॉफी, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी समेत महिलाओं के घरेलू टूर्नामेंट की इनामी राशि भी बढ़ाई गई है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने इस बात की जानकारी को सोशल मीडिया पर शेयर की। इसके मुताबिक, रणजी चैंपियन को अब दो करोड़ की जगह 5 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं महिलाओं की सीनियर वनडे ट्रॉफी चैंपियन को अब करीब 833प्रतिशत ज्यादा इनामी राशि मिलेगी। विमेन चैंपियन को पहले 6 लाख रुपए मिलते थे, लेकिन अब उन्हें 833प्रतिशत ज्यादा 50 लाख रुपए मिलेंगे।

क्या कहा जय शाह ने - जय शाह ने ट्वीट कर कहा, मुझे बीसीसीआई के सभी डोमेस्टिक टूर्नामेंट्स की प्राइज मनी बढ़ाने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। हम घरेलू क्रिकेट में इन्वेस्ट करने के हमारे प्रयासों को लगातार जारी रखेंगे। घरेलू क्रिकेट ही असल में भारतीय क्रिकेट की रीढ़ है। रणजी चैंपियन को 2 से बढ़ाकर 5 करोड़ और सीनियर विमेंन चैंपियंस को 6 से बढ़ाकर 50 लाख रुपए मिलेंगे।

महिलाओं के दोनों टूर्नामेंट का इनाम बढ़ा - सीनियर विमेंस वनडे ट्रॉफी विजेता को 6 की जगह 50 लाख और रनर-अप को 3 से बढ़कर 25 लाख रुपए मिलेंगे। वहीं सीनियर विमेंस टी-20 ट्रॉफी चैंपियन को 5 से बढ़कर 40 लाख रुपए और रनर-अप को 3 से बढ़कर 20 लाख रुपए मिलेंगे। रेलवे विमेंस ने कर्नाटक को हराकर पिछला वनडे खिताब जीता था। रेलवे ने ही टी-20 चैलेंजर्स ट्रॉफी भी जीती थी।

3 फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट की प्राइज मनी बढ़ाई - बीसीसीआई ने रणजी ट्रॉफी समेत कुल 8 सीनियर डोमेस्टिक टूर्नामेंट की प्राइज मनी बढ़ाई। इनमें 6 पुरुष और 2 महिला टूर्नामेंट शामिल हैं। फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट में रणजी ट्रॉफी उप विजेता को एक करोड़ से बढ़ाकर 3 करोड़ रुपए और सेमी-फाइनल में हारने वाली टीमों को 50 लाख से बढ़ाकर एक करोड़ रुपए

मिलेंगे। सौराष्ट्र पिछली रणजी चैंपियन है, उन्होंने बंगाल को हराकर खिताब जीता था।

ईरानी कप चैंपियन 50 लाख रुपए मिलेंगे - ईरानी कप चैंपियन को 25 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपए मिलेंगे। इससे पहले रनर-अप को कुछ नहीं मिलता था, लेकिन अब उन्हें भी 25 लाख रुपए मिलेंगे। ईरानी कप में रणजी ट्रॉफी विजेता और रेस्ट ऑफ इंडिया के बीच 5 दिवसीय मैच होता है। रेस्ट ऑफ इंडिया पिछली ईरानी कप चैंपियन है, उन्होंने मध्य प्रदेश को हराया था।

दलीप ट्रॉफी चैंपियन को एक करोड़ मिलेंगे - दलीप ट्रॉफी चैंपियन को 40 लाख से बढ़ाकर एक करोड़ मिलेंगे। रनर-अप को 20 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपए मिलेंगे। दलीप ट्रॉफी 6 जोन के बीच होने वाला फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट है। वेस्ट जोन पिछली चैंपियन है, उन्होंने साउथ जोन को हराकर खिताब जीता था।

दोनों लिस्ट-ए टूर्नामेंट की इनामी राशी बढ़ाई - लिस्ट-ए डोमेस्टिक टूर्नामेंट में विजय हजारे चैंपियन को 30 लाख से बढ़कर एक करोड़ रुपए और रनर-अप को 15 लाख से बढ़कर 50 लाख रुपए मिलेंगे। सौराष्ट्र ने पिछले सीजन महाराष्ट्र को हराकर विजय हजारे ट्रॉफी का खिताब जीता था। प्रोफेसर बी देवधर ट्रॉफी चैंपियन को अब 25 लाख से बढ़कर 40 लाख रुपए मिलेंगे। वहीं रनर-अप को 15 से बढ़कर 20 लाख रुपए मिलेंगे। देवधर ट्रॉफी इंडिया-ए, इंडिया-बी और इंडिया-सी के बीच होने वाला लिस्ट-ए टूर्नामेंट है। कोरोना से पहले 2019-20 में हुई पिछली चैंपियनशिप को इंडिया बी ने जीता था। उन्होंने इंडिया-सी को फाइनल में हराया था।

टी-20 चैंपियन को 80 लाख मिलेंगे - 20 ओवर के घरेलू टूर्नामेंट सैयाद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने वाली टीमों को अब 25 लाख से बढ़कर 80 लाख रुपए मिलेंगे। वहीं रनर-अप को 10 की बजाय 40 लाख रुपए मिलेंगे। मुंबई ने हिमाचल प्रदेश को हराकर पिछली बार खिताब जीता था। बता दें, 20 ओवर के फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट आईपीएल चैंपियन को 20 करोड़ रुपए मिलते हैं।

28 जून से शुरू होंगे घरेलू टूर्नामेंट - भारतीय घरेलू क्रिकेट के 2023-24 सीजन की शुरुआत दलीप ट्राफी टूर्नामेंट के साथ होगी जो 28 जून से होगी। रणजी ट्राफी इस बार अगले साल 5 जनवरी से खेली जाएगी। दलीप ट्रॉफी छह जोनल टीमों के बीच खेली जाएगी। उसके बाद देवधर ट्रॉफी (लिस्ट ए) 24 जुलाई से 3 अगस्त, ईरानी कप एक से 5 अक्टूबर, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 16 अक्टूबर से 6 नवंबर और विजय हजारे ट्रॉफी 23 नवंबर से 15 दिसंबर तक खेली जाएगी।

नीरज चोपड़ा डायमंड लीग के लिए तैयार, 90 मीटर की दूरी और स्वर्ण पदक है लक्ष्य

नई दिल्ली ।
टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा पिछले वर्ष इस समय तक पूरी तरह फिट नहीं थे। जिसके चलते वह दोहा डायमंड लीग में शिरकत नहीं कर पाए, लेकिन नीरज इस वर्ष न सिर्फ पूरी तरह फिट हैं बल्कि दोहा डायमंड लीग से ही सत्र की शुरुआत करने जा रहे हैं। नीरज ने कहा कि इस वर्ष उनका लक्ष्य अपने को पूरी तरह फिट रखते हुए विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण जीतना है। वह कोशिश करेंगे कि इस बार 90 मीटर की दूरी को लेकर चर्चाओं को बंद कर दें। हालांकि वह इस बारे में अपने ऊपर कोई ज्यादा दबाव नहीं ले रहे हैं।

पिछली बार नहीं मिला तैयारियों का ज्यादा समय - नीरज कहते हैं कि अगर पिछले वर्ष से तुलना करें तो वह इस साल ज्यादा अच्छी तरह तैयार हैं। पिछले वर्ष उन्होंने जून में फिनलैंड में हुए पावो नूरमी गेम्स से सत्र शुरू किया। फिटनेस, शक्ति और तकनीकि तीनों रूप से वह पिछले वर्ष इस दौरान तैयार नहीं थे। तैयारियों का भी ज्यादा समय नहीं मिला, लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। वह न सिर्फ पूरी तरह फिट हैं बल्कि समय से सत्र की शुरुआत करने जा रहे हैं। यही कारण है कि वह 5 मई को होने वाली दोहा डायमंड लीग में खेलेंगे, जहां ट्रिपल जंपर एल्डोस पॉल भी उनके साथ भाग लेंगे।

तकनीकि रूप से करेंगे अपने को दक्ष - ग्लोरिया स्पोर्ट्स एरीना, अंताल्या (तुर्किये) में तैयारियां कर रहे नीरज कहते हैं कि वह विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण जीतना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए कोई दबाव नहीं है, चाहें वह यह स्वर्ण इस बारे

जीतें या बाद में जीतें। यह सत्र उनके लिए लंबा है, इस लिए वह अपने को इस बार तकनीकि रूप से दक्ष करना चाहते हैं।

टोक्यो का स्वर्ण पेरिस में अच्छा करने की देगा प्रेरणा - पेरिस ओलंपिक पर नीरज का कहना है कि उन पर यहां स्वर्ण जीतने का दबाव होगा, इस लिए टोक्यो के मुकाबले उन्हें यहां के लिए ज्यादा तैयार रहना होगा। हालांकि टोक्यो का स्वर्ण पदक उन्हें पेरिस में अच्छा करने की प्रेरणा देगा। नीरज डायमंड लीग के विजेता हैं। इससे पहले उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 2018 में भाग लिया था, जहां वह 87.43 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। नीरज कहते हैं कि पिछले वर्ष उन्होंने विश्व चैंपियनशिप के अनुभव से फैसला लिया है कि अगर उन्हें हल्की चोट लगी है तो वह पांचवीं और छठी थ्रो के लिए प्रयास नहीं करेंगे। विश्व चैंपियनशिप में उन्हें चौथी थ्रो में चोट लगी थी, लेकिन उन्होंने बाद में जांघ पर पट्टी बंधवाकर थ्रो की और चोट गहरा गई, जिससे वह राष्ट्रमंडल खेल में अपने स्वर्ण की रक्षा करने नहीं उतर पाए।

विराट कोहली और सौरव गांगुली के बीच खत्म नहीं हुआ पंगा, हाथ नहीं मिलाने के बाद एक और हरकत से उठे सवाल

नई दिल्ली।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और दिल्ली कैपिटल्स के बीच आईपीएल 2023 का 20वां मैच कई कारणों से सुर्खियों में रहा। विराट कोहली ने मौजूदा टूर्नामेंट में तीसरा अर्धशतक जमाया और ऑरेंज कैप लिस्ट में शामिल हुए। वहीं दिल्ली कैपिटल्स ने सीजन की लगातार पांचवीं शिकस्त सही। मगर इन सबसे चर्चा ज्यादा विराट कोहली और सौरव गांगुली के बीच विवाद ने बटोरी।

कई वीडियोज सोशल मीडिया पर चल रहे हैं, जिसमें दिखा कि विराट कोहली ने गांगुली को एकटक देखा, जो दिल्ली कैपिटल्स के डगआउट में बैठे हुए थे। यह घटना दिल्ली कैपिटल्स की पारी के 18वें ओवर की थी, जब आरसीबी को जीत के लिए एक विकेट की दरकार थी। फिर एक और वीडियो फैला, जिसमें दिखा कि गांगुली ने कतार से हटकर कोहली ने हाथ नहीं मिलाया और दूसरे खिलाड़ी को बधाई दी।

नहीं ठीक हुआ विवाद

इन घटनाओं से लग ही रहा था कि विराट कोहली

और सौरव गांगुली के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। अब विराट कोहली की सोशल मीडिया पर हरकत ने इसे और बल दे दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली को अनफॉलो कर दिया है। वहीं गांगुली ने कोहली को फॉलो करना जारी रखा है।

क्या था विवाद

याद दिला दें कि अक्टूबर 2021 में कोहली ने भारतीय टी20 टीम की कप्तानी छोड़ी थी। इसके बाद उन्हें वनडे कप्तानी से हटा दिया गया था। विराट कोहली ने यह कहकर विवाद बढ़ा दिया था कि बीसीसीआई ने इस फैसले की जानकारी उन्हें नहीं दी थी। हालांकि, गांगुली ने इससे उलट बयान दिया था। यह विवाद काफी बढ़ा था और फिर जनवरी 2022 में दक्षिण अफ्रीका के हाथों टेस्ट सीरीज गंवाने के बाद कोहली ने लंबे प्रारूप की कप्तानी से भी इस्तीफा दे दिया था।

आईपीएल में आमने-सामने होंगी सनराइजर्स और इंडियंस

हैदराबाद ।
आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद अपने घरेलू मैदान पर मुम्बई इंडियंस पर जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। वहीं मुम्बई इंडियंस भी इस मैच में जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। पिछले मैच में मुम्बई ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ शानदार जीत हासिल की थी। इस मैच में उसके आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने भी फॉर्म में वापसी करते हुए आक्रामक पारी खेली थी। इसके अलावा ईशान किशन ने भी अच्छी बल्लेबाजी की थी। मुंबई और सनराइजर्स दोनों को ही अपने-अपने पिछले दोनों मैचों में जीत मिली थी। इससे दोनो का ही मनोबल ढ़ा हुआ है। ऐसे में दोनो का लक्ष्य तीसरी जीत दर्ज करना रहेगा। इन दोनों ही टीमों का अब तक का प्रदर्शन करीब-करीब एक सा रहा है। टीम को टूर्नामेंट की शुरुआत में लगातार दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। । मुंबई के लिए राहत की बात ये है कि सूर्यकुमार रन बनाने लगे हैं। उन्होंने केकेआर के खिलाफ अपने पहले वाले अंदाज में खेलते हुए में 25 गेंदों पर ही 43 रन बनाए थे जिससे उनकी टीम को इस मैच में जीत मिली थी। केकेआर के खिलाफ सूर्यकुमार ने कप्तानी की थी पर इस मैच में कप्तानी रोहित शर्मा ही संभालेंगे।

सूर्यकुमार के अलावा ईशान ने भी अच्छी पारी खेली थी। उन्होंने 25 गेंदों पर 58 रन बनाए। अब इन दोनो का ही लक्ष्य इस प्रदर्शन को सनराइजर्स के खिलाफ भी दोहराना रहेगा। मुम्बई की ओर से तिलक वर्मा ने शुरुआत से ही अच्छा प्रदर्शन किया है। इसके अलावा कैमरन ग्रीन और टिम डेविड भी अब ठीक प्रदर्शन कर रहे हैं। अनुभवी स्पिनर पीयूष चावला ने भी अबतक अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि युवा ऋतिक शौकीन ने उनका अच्छा साथ दिया है। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के नहीं होने से मुंबई की तेज गेंदबाजी जरुर कमजोर हुई है। आर्चर की कोहनी की चोट फिर उभर आई है। ऐसे में उनकी जगह पर रिले मेरेडिथ तेज गेंदबाजी की कमान संभाल रहे हैं। मुंबई ने पिछले मैच में अर्जुन तेंदुलकर और डुआन यानसन को खेलने का अवसर दिया था। इन दोनो ने ही अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में इन्हें इस मैच में भी अवसर मिल सकता है। वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स को हैरी ब्रूक और राहुल त्रिपाठी से बेहतर बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। हैरी ने पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी जबकि राहुल ने पंजाब के खिलाफ मिली जीत में 48 गेंदों पर 74 रन बनाये थे। कप्तान एडेन मार्कराम ने भी इन दोनों मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया था। गेंदबाजी की जिम्मेदारी स्पिनर मयंक मारकंडे पर रहेगी। मारकंडे ने अब तक सबसे ज्यादा छह विकेट लिए हैं जबकि उमरान मलिक, मार्को यानसन और भुवनेश्वर कुमार ने भी विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा है।

अर्जुन के डेब्यू पर सचिन का इमोशनल पोस्ट

खेल को रेस्पेक्ट करोगे, तो खेल भी आपसे प्यार करेगा

मुंबई ।
2 साल आईपीएल के डगआउट में बैठने के बाद सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मैच में मुंबई इंडियंस से डेब्यू करने का मौका मिला। अर्जुन तेंदुलकर 2021 से मुंबई इंडियंस के साथ जुड़े थे, लेकिन अब तक उन्हें डेब्यू का मौका नहीं मिला था। बेटे के डेब्यू के बाद मास्टर ब्लास्टर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए खेल के प्रति सम्मान और जुनून को बरकरार रखने की सलाह दी। सचिन ने अपने पोस्ट में कहा, आपके पिता होने के नाते, जो कि आपको प्यार करता है और खेल के प्रति जुनूनी है, मैं जानता हूं कि आप खेल को सम्मान देना जारी रखोगे जिसका वह हकदार है और खेल वापस आप पर प्यार लुटाएगा। आप अगर खेल को रेस्पेक्ट करेंगे तो आपको खेल भी प्यार करेगा और आपके सम्मान को भी वापस लौटाएगा।

उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि आपने यहां तक पहुंचने के लिए काफी मेहनत की है और मुझे यकीन है कि ऐसा करना जारी रखेंगे। आपके करियर की खूबसूरत यात्रा की शुरुआत हुई है। आपको शुभकामनाएं। वहीं बड़ी बहन सारा तेंदुलकर ने भी अर्जुन के डेब्यू पर इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर लिखा कि एक बहन की खुशी के लिए इससे बड़ा दिन नहीं हो सकता..

डेब्यू मैच में 2 ओवर में 17 रन दिए

अर्जुन तेंदुलकर को इस मैच में बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला।

लेफ्ट आर्म पेसर अर्जुन तेंदुलकर ने गेंदबाजी करते हुए 2 ओवर में 17 रन दिए। हालांकि, वे विकेट लेने में सफल नहीं हो पाए। उन्होंने गेंदबाजी की शुरुआत करते हुए अपने पहले ओवर में पांच रन दिए। उन्होंने जगदीशन के खिलाफ आउट के लिए जोरदार अपील की, लेकिन अंपायर ने इसे ठुकरा दिया, क्योंकि ऐसा लग रहा था कि गेंद स्टंप के ऊपर से जाएगी। वहीं अपने दूसरे ओवर में उन्होंने 12 रन दिए। वेंकटेश अय्यर ने इस ओवर में एक चौका और छक्का जड़ा।

साल 2021 में मुंबई ने 20 लाख रुपए में खरीदा था

अर्जुन को साल 2021 में पहली बार मुंबई इंडियंस ने 20 लाख रुपये में खरीदा था। उसके बाद 2022 में उन्हें 25 लाख रुपये में टीम में शामिल किया था। इस सीजन के लिए पिछले साल दिसंबर में हुए मिनी ऑक्शन में मुंबई ने उन्हें रिटेन किया था।

सचिन-अर्जुन आईपीएल खेलने वाले पिता-पुत्र

सचिन-अर्जुन आईपीएल खेलने वाली पहली पिता-पुत्र की जोड़ी है। सचिन भी मुंबई इंडियंस से ही आईपीएल के पहले सीजन, यानी 2008 में डेब्यू किया। अब 15 साल बाद उनके बेटे को आईपीएल में मुंबई इंडियंस से डेब्यू करने का मौका मिला।

अर्जुन का घरेलू क्रिकेट करियर

पहली बार अर्जुन तेंदुलकर ने गोवा की तरफ से फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया था। फर्स्ट क्लास में उन्होंने कुल 7 मैच खेलते हुए 547 रन बनाए और 12 विकेट चटकाए हैं। लिस्ट ए क्रिकेट में अर्जुन ने 7 मैचों में कुल 259 रन और 8 विकेट हासिल किए हैं। अर्जुन ने पहली बार हरियाणा के खिलाफ टी-20 में डेब्यू साल 2021 में किया था। उन्होंने अब तक कुल 9 मैच खेलते हुए 198 रन और 12 विकेट चटकाए है।

लेटेस्ट हेयर एक्सेसरीज...

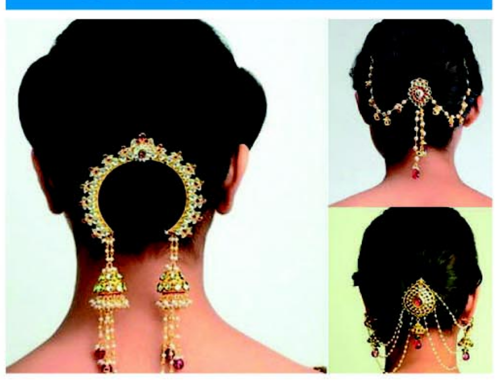

आपकी खूबसूरती बढ़ाने में सबसे बड़ी भूमिका आपके बालों की होती है अगर आप बनना चाहती है पार्टी की शान तो ट्राई करें ये लेटेस्ट स्टाइल की हेयर एक्सेसरीज से और दिखें सब से अलग। ऊंचा जूड़ा बनाकर उसके चारों ओर फोम डोनट लगाएं। फिर सिल्वर ब्रॉच हेयर एक्सेसरीज लगाएं या बन के चारों ओर पर्ल स्ट्रिंज लपेटें। बनना हो पार्टी की शान तो ढीले जूड़े पर सिल्वर वायर बैरेट अच्छा लगता है। ग्लैम लुक के लिए बालों को बाहर की तरफ कर्ल करके बीच-बीच में पर्ल हेयर पिंस लगाएं। क्लीन हाई पोनी के साथ साइड में कलर्ड स्टोन वाली बॉबी पिन काफी पसंद की जा रही है। बोहमियन लुक के लिए सेंटर पार्टिंग करें और एक सुंदर सा हेड बैन्ड लगाएं।

क्लासी रिस्ट वॉच...

खूबसूरत गोरी कलाई पर जब शानदार वॉच पहनी हो तो देखने वालों की नजरें अटक जाती हैं। वॉच आपके आम-से लुक को स्टाइलिश बना सकती है और इनकी स्टाइलिश अपील आपको हॉट लुक देती है। जिन लोगों को खास मौकों के लिए स्टाइलिश दिखना पसंद है उनके लिए अपनी कलाई में एक्स्ट्रा कैरट उठाना कोई ज्यादा मुश्किल नहीं होता। वॉचेज के यूनीक डिजाइन ग्लैमर वर्ल्ड में बेहद पसंद किए जाते हैं। ये वॉचेज उनकी स्टाइल स्टेटमेंट बन चुकी हैं। वे जहां भी जाते हैं, वॉचेज अपना लाउड इम्पैक्ट बना लेती हैं। इन वॉचेस की खूबसूरती बढ़ाते हैं इनमें जड़े बेशकीमती डायमंड्स। वैसे भी डायमंड्स महिलाओं के दिल के बेहद करीब होते हैं। इन वॉचेज की खूबसूरती देखकर यकीनन आप भी इन्हें खरीदना चाहेंगी।

पैरों में हो कुछ खास...

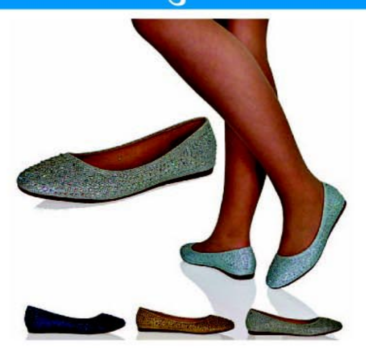

अक्सर हम सभी मौसम के बदलते ही अपनी त्वचा और वॉर्डरोब को मौसम के हिसाब से बदल लेते हैं। हम सभी मौसम के हिसाब से ही कपड़े, जूते आदि पहनते हैं। आज हम आपको गर्मियों के मौसम में पहनने वाले कुछ फुटवीयर्स के बारे में बताएंगे। फैशन के इस दौर में आजकल महिलाएं सबसे अलग दिखने के लिए एनिमल प्रिंट की बैलरीनाज बहुत ज्यादा पहनती हैं। चाहे वह पार्टी हो या हर रोज पहनने वाले फुटवियर। यह प्रिंट सभी पर अच्छा लगता है। ज्यादातर युवतियां शिमरी बैलरीनाज को पार्टी में पहनती है क्योंकि इसका शिमर ड्रेस को कॉम्प्लीमेंट करेगा और आप को चलनें में आराम भी रहेगा। इसे पहन कर पार्टी में आपके पैर चमकते दिखाई देंगे। अगर आप जींस या क्रॉप्ड पैंट्स पहनकर बाहर जाना चाहती हैं तो टैसल्ड बैलरीनाज पहन कर जाएं। इसे पहने से आपकी लुक को अलग ही स्टाइल मिलेगा। क्रोशिए से बने जूते पहनने में आरामदायक तो होते ही हैं, साथ ही देखने में भी बहुत सुंदर लगते हैं।

चिलचिलाती गर्मियों में आपको चिल करने का राज आपके पास खुद है। मौसम चाहे जैसा हो आपको बस थोड़ा वॉर्डरोब पर ध्यान देने की जरुरत होती है। तेज धूप वाले इस मौसम में पसीना आना आम बात है लेकिन आप ऐसे में कूल बने रह सकती हैं। आपको बताते हैं कि गर्मी के इस सीजन में आप आउटफिट और अपने स्टाइल के जरिए खुद को कैसे रखें कूल। आपके वॉर्डरोब को स्टाइलिश बनाने का हॉट सीजन शुरू हो गया है।

आया मौसम फैशन का...

कुछ मौसम ही फैशनेबल होते हैं। गर्मी का मौसम भी ऐसा ही है। आपकी सहूलियत और मिजाज के अनुरूप ढेरों कपड़े आपको इस मौसम में मिल जाएंगे। मौसम का मिजाज बदलते ही, कपड़ों का अंदाज भी बदल जाता है। सर्दियां जाते ही गर्म कपड़ों की जगह हल्के-फुल्के और आरामदायक कपड़े ले लेते हैं। गर्मियों में कपड़ों को पसंद करते समय हमारी कोशिश यही रहती है कि ऐसे कपड़े पसंद किए जाएं, जो बजट में हों, जिनमें गर्मी कम लगे और साथ में फैशनेबल, ट्रेंडी और कूल लुक दें। कुछ कपड़े ऐसे भी होते हैं, जो साल दर साल फैशन में बने रहते हैं। आपकी समझदारी इसी में है कि आप शॉपिंग करते वक्त अपने लिए ऐसे कपड़ों का चुनाव करें, जिनका चलन कभी खत्म नहीं हुआ है और न होगा। इन गर्मियों के लिए कुछ ऐसे ही सदाबहार कपड़ों के बारे बात करते हैं, जो इस मौसम में राहत देने के साथ आपको ट्रेंडी लुक भी देंगे।

क्रॉप टॉप का चलन

बॉलीवुड में क्रॉप टॉप का खूब चलन है। खासकर प्रियंका चोपड़ा को कई अवसरों पर क्रॉप टॉप में देखा गया है। क्रॉप टॉप, सामान्य टॉप के मुकाबले थोड़े छोटे होते हैं। टाइट फिटिंग वाले जींस, स्कर्ट और हाई वेस्ट पैंट के साथ ये खूब जंचते हैं। इसकी सबसे खास बात यह है कि यह हर महिला पर अच्छा लगता है। वजन ज्यादा हो या कम, कद छोटा हो या ज्यादा इसे हर युवती पहन सकती है। इस साल गर्मियों में इसे अपने वॉर्डरोब में जरूर शामिल करें।

मैक्सी ड्रेस बेहतर

गर्मी के मौसम के लिए मैक्सी ड्रेस सबसे बेहतरीन विकल्प है। आप इसे कभी भी पहन सकती हैं। ये बेहद आरामदायक होते हैं। टखने तक लंबाई वाले मैक्सी ड्रेस इन दिनों खूब चलन में हैं। मैक्सी ड्रेस ज्यादातर फ्लोरल प्रिंट में ही आते हैं। बाजार में सफेद, मोव और आंखों को सुकून देने वाले अन्य रंगों के मैक्सी ड्रेस मौजूद हैं। मैक्सी ड्रेस को किसी अच्छे नेक पीस के साथ पहनें तो इससे आपके रूप में चार चांद लग जाएगा।

आरामदेह जम्प सूट

जम्प सूट ट्रेंडी, फैशनेबल होने के साथ-साथ आरामदेह भी होता है। बाजार में जम्प सूट के कई रेंज मौजूद हैं। कुछ टखने तक लंबाई वाले हैं तो कुछ घुटनों तक। वहीं कुछ जम्प सूट शॉर्ट्स की लंबाई जितने भी हैं। इसे आप कभी भी और कहीं भी पहन सकती हैं। स्टाइलिश और आरामदेह लुक के लिए इसे अपना स्टाइल स्टेटमेंट जरूर बनाएं।

सदाबहार शॉर्ट्स

शॉर्ट्स का फैशन कभी पुराना नहीं होता। यह सदाबहार है। लगभग हर युवती के पास एक डेनिम शॉर्ट्स तो होता ही है। पर इन गर्मियों में कुछ नया करें। क्यों न आप इस बार फ्लोरल प्रिंट वाले शॉर्ट्स घर ले आएं। आप स्ट्रिप्स और चेक वाले शॉर्ट्स भी खरीद सकती हैं। जरा सा बदलाव आपके अंदाज को निखार देगा।

ए लाइन स्कर्ट

युवतियों को स्कर्ट बेहद पसंद आते हैं। यहां तक कि कुछ इसे गर्मियों के लिए अपना स्टाइल स्टेटमेंट भी बना लेती हैं। घर, बाहर, कॉलेज या पार्टी आप कहीं भी स्कर्ट पहन सकती हैं। स्कर्ट की खास बात यह है कि इसका दौर कभी खत्म नहीं होता। इस बार आप ए लाइन स्कर्ट को आजमा सकती हैं। जहां एक तरफ यह बिल्कुल साधारण और आरामदायक लगते हैं, वहीं दूसरी ओर पूरी तरह फैशनेबल। सबसे जरूरी बात बताएं कि स्कर्ट पहनने के बाद हर युवती की उम्र कम से कम दो साल घट जाती है।

स्ट्राइप्स जरूर पहनें

इन गर्मियों में स्ट्राइप्स जरूर पहनें। सफेद और काले रंग के स्ट्राइप हमेशा चलन में रहते हैं। लेकिन आप दूसरे रंग भी अपना सकती हैं। यदि आपका वजन ज्यादा है और कद छोटा है तो लंबाई वाले स्ट्राइप पहनें। इससे आपका कद भी ऊंचा लगेगा और आप फैशनेबल भी दिखेंगी।

स्कार्फ हमेशा हो साथ

वैसे भी कहा जाता है कि मौसम कोई भी हो, लड़कियों के बैग में एक स्कार्फ हमेशा होना चाहिए। माथे पर लपेट लें तो धूप से बचेंगी, इससे चेहरे को ढंक लें तो धूल और प्रदूषण से बचाव हो जाएगा। वहीं बरसात और सर्दी में भी स्कार्फ खूब काम आता है। यानी स्कार्फ एक ऐसा कपड़ा है, जो मौसम के साथ नहीं बदलता और न ही इसकी उपयोगिता कम होती है। कुछ खास कपड़ों पर स्कार्फ बहुत जंचते हैं। गर्मी के मौसम में सूती स्कार्फ खरीदें। डिजाइन ऐसा चुनें, जो हर तरह की ड्रेस के साथ अच्छा लगे।

लॉन्ग कुर्तियां

एक बार फिर लंबी कुर्तियों का सीजन इन है। ऐसे में हल्के रंग की लॉन्ग कुर्ती के साथ आप प्लाजो पहनिए। जहां एक तरफ प्लाजो गर्मियों में बेहद आरामदायक होते हैं वहीं दूसरी तरफ आपको बेहद ही स्टाइलिश लुक भी देते हैं।

स्टाइलिश प्लाजो

प्लाजो के साथ आप ट्रेंडी टॉप्स भी कैरी कर सकती हैं साथ ही टीशर्ट भी अच्छे दिखेंगे। थोड़ा और स्टाइल में रहना हो तो आप टॉप या टीशर्ट के साथ कलरफुल स्टॉल्स या स्कार्फ भी ट्राइ कर सकती हैं।

डेनिम ड्रेसिंग से जुड़े टॉप ट्रेंड्स

रफ एंड टफ लुक की बात हो या कैजुअल फंकी लुक, डेनिम सबसे सेफ ऑप्शन है। इसलिए हर किसी के वॉर्डरोब में डेनिम का कोई न कोई आइटम जरूर होता है। हालांकि, कुछ वक्त पहले तक डेनिम का मतलब केवल जींस माना जाता था। लेकिन जैसे जैसे लोगों ने फैशन को गंभीरता से लेना शुरू किया, डेनिम को फैब्रिक का दर्जा मिल गया। आलम ये है कि अब लोगों के वार्डरोब में डेनिम की जींस के अलावा जैकेट, स्कर्ट, शर्ट को भी जगह मिल गई है। लेकिन अहम बात ये है कि हम इसे कैरी कैसे करते हैं।

हाई वेस्ट जींस

हाई वेस्ट जींस एक बार फिर फैशन में हैं। इन्हें सफेद रंग की टीशर्ट के साथ टीम-अप करें। गर्मियों में अपना आउटफिट और भी दिलचस्प बनाना है तो साथ में रंगीन जूते और फंकी जूलरी पहनें।

डबल डेनिम

डेनिम शर्ट और डेनिम जींस एक साथ कैरी करना डबल डेनिम कहलाता है। सबसे खास बात ये कि आपके पास चाहे जिस भी शेड की शर्ट और जींस हो, अगर आप एक साथ पहनेंगे तो भी जंचेंगे। वैसे, आमतौर पर सेफ लुक के लिए जींस से एक-दो शेड हल्के रंग की शर्ट पहनें।

डेनिम जंपर

छुट्टियों के दौरान या दोस्तों के साथ गेट टुगेदर के लिए कैजुअल और फैशनेबल लुक चाहिए तो डेनिम जंपर से बढ़िया कुछ नहीं हो सकता। इन्हें आप स्ट्राइप्स वाले क्रॉप टॉप या प्लेन टीशर्ट के साथ पहनें।

डेनिम जैकेट

अगर आप अपने आम टी-शर्ट-जींस वाले गेटअप से बोर हो गई हैं, तो ऊपर से डेनिम जैकेट पहनें, प्रॉब्लम सॉल्व। ये काम आप लॉन्ग स्कर्ट और लेस टॉप के कॉम्बिनेशन के साथ भी कर सकते हैं।

डेनिम ड्रेस

डेनिम ड्रेस या फ्रॉक हर महिला के वॉर्डरोब में होना चाहिए। इसके साथ स्टेटमेंट नेकपीस या प्रिंटेड स्कार्फ जरूर कैरी करें। डेनिम के साथ सबसे बड़ी सहूलियत ये है कि इन्हें मेनटेन करने में भी ज्यादा परेशानी नहीं होती है। अगर आयरन नहीं भी किया तो भी चलेगा।

ध्यान से करवाएं हेयर कट...

हर महिला चाहती है कि वह स्टाइलिश दिखे। इसके लिए वह अपनी पर्सनेलिटी को डिफरेंट लुक देने के लिए अलग-अलग तरह के हेयर कट करवाती हैं। ऐसे में अगर हेयर स्टाइलिस्ट से आपका हेयर कट गलत हो जाए तो आपके बाल भद्दे दिखाई देते हैं। इसलिए हमेशा ध्यान से ही हेयर कट करवाएं क्योंकि जरूरी नहीं है कि हर बार लिया गया हेयरकट आपको खुशी दे। आज हम आपके भद्दे हेयर कट को अच्छा करने के बारे में कुछ बातें बताएंगे।

घर पर कोशिश न करें

अगर आप पार्लर से बाल कटवाती हैं और आपके हेयर स्टाइलिस्ट ने आपकी हेयर कट खराब कर दी है तो उसे अच्छे से समझाएं कि आपको किस तरह का लुक चाहिए। साथ ही उसे कारण बताएं कि क्यों आपके हेयर कट खराब हुए हैं। आप घर पर खुद से भद्दे हेयर कट बदलने की कोशिश करें। ऐसा करने से आप और भी भद्दी दिख सकती हैं।

नया हेयर स्टाइल

अगर आप भद्दे हेयर कट को अच्छा करना चाहती है और गुड लुक दिखना चाहती है, तो ऐसे में आप अपने बालों को नया हेयर स्टाइल दें। इसके लिए अपनी डिजाइनर से बालों को अच्छे से काट कर नया हेयर स्टाइल देने के लिए कहें। आप बालों पर अलग अलग स्टाइल आजमाएं और देखें कि किस तरह का स्टाइल आप पर ज्यादा अच्छा लगता है।

बालों को कर्ली कर लें

अगर आपके बाल भद्दे हेयर कट होने के कारण अच्छे नहीं दिखाई देते हैं तो आप अपने बालों पर कर्ली कर सकती हैं। ऐसा करने से आपकी लुक भी बदल जाएगा और यह आपके भद्दे लुक को छिपा सकता है।

नए एक्सेसरीज ट्राई करें

आप नए हेयर स्टाइल के लिए कुछ एक्सेसरीज ट्राई कर सकती हैं। इसे लगाने से आपके बुरे और भद्दे कटे बाल छुप सकते हैं। इसे ट्राई करने से आप फैशनेबल तो लगेगी ही साथ ही खूबसूरत भी दिखेंगी।

ऐसे करें बालों को स्ट्रेट

ज्यादातर देखा जाता है कि महिलाएं अपने बालों को स्ट्रेट करने के लिए बहुत से महंगे उत्पाद लेकर लगाती हैं, लेकिन आज हम एक आसान सा तरीका लेकर आए हैं जिसे आजमाने से आप अपने बाल घर पर ही स्ट्रेट कर सकती हैं। नारियल दूध से आपके बाल मजबूत,लंबे और घने हो जाते हैं। यह बालों की जड़ों को पोषण देकर उन्हें मजबूत करता है। यह उलझे बालों के आसानी से सुलझा देता है। अगर आपके बाल घुंघराले हैं तो इन्हें सीधा करने के लिए आप नींबू और नारियल का दूध लगा सकती हैं। इसे लगाने से बालों में रूसी दूर होती है और शाइन आती है क्योंकि इसमें आयरन और मैगनीज होते हैं। इसे लगाने से बालों का झड़ना और टूटना भी बंद हो जाता हैं। एक कटोरी में नींबू का रस और नारियल का दूध लेकर अच्छे से मिक्स करने पैक बना लें। इस पैक को आप अपने बालों पर लगाकर सूखने दें। जब बाल सूख जाएं तो इन्हें गुनगुने गर्म पानी से धो लें। नारियल का कंडीशनर बना कर लगाएं। सबसे पहले एक नारियल लेकर उसे घिस कर या फिर ब्लेंड करके इसका दूध निकाल लें। अब इसमें नींबू के रस की कुछ बूंदें मिला कर पूरी रात फ्रिज में रख दें। सुबह उठ कर इस मिश्रण को फ्रिज में से निकाल लें। निकालने पर इसकी एक क्रीमी परत बन गई होगी। आप इस परत को अपने बालों और सिर की त्वचा पर लगाएं। लगाने के बाद एक गर्म तौलिया लेकर उसे सिर पर एक घंटें के लिए लपेट कर छोड़ दें। एक घंटे के बाद में इसे पानी से साफ कर लें और चौड़े दांतों वाली कंघी से बाल बनाएं। बालों को स्ट्रेट करने के लिए इस विधि का प्रयोग हफ्ते में कम से कम तीन बार करें।

कभी स्विच ऑफ नहीं होते दिमाग व शरीर

स्वस्थ रहने के लिए नींद की एक मुख्य भूमिका है, लेकिन कई लोग या तो पर्याप्त नींद नहीं ले पाते या बहुत अधिक नींद लेते हैं । एक हालिया अध्ययन में यह दिखाया गया है कि अधिक सोने से स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है। तो आइए आज हम जानते हैं कि नींद से संबंधित भ्रांतियों के बारे में जिन्हें दूरे करने से हम स्वस्थ रह सकते हैं।

इस बारे में न करें चिंता

हम में से कुछ लोग 6 या 7 घंटे की नींद लेकर अच्छा काम करते हैं, जबकि कुछ लोगों को 8 से 9 घंटे की नींद की जरूरत होती है। जब बात नींद की आती है तो कोई एक समय सब के लिए फिट नहीं बैठता। यदि आप स्वस्थ तथा अच्छा महसूस करते हैं तो इस बात की चिंता छोड़ दें कि आपने पर्याप्त नींद ली है या नहीं। लंबे समय तक अर्थात 10 घंटे से अधिक सोना उतना ही नुकसानदायक है जितना कि 6 घंटे या उससे कम सोना। लंबे समय तक सोने से शरीर के विभिन्न अंगों तक रक्त प्रवाह की गति धीमी हो जाती है और इससे ब्लड शूगर के स्तर पर भी प्रभाव पड़ता है, जिससे हृदय रोग, स्ट्रोक तथा डायिबटीज का खतरा बढ़ जाता है। एक निर्धारित समय तक सोना और जागना जरूरी है।

...तो कसरत से नुकसान

हमारे दिमाग और शरीर कभी भी स्विच ऑफ नहीं होते। वे लगातार यादें सहेजने, रोग प्रतिरोधक क्षमता को ताकतवर बनाने, शरीर में से विषैले तत्वों को बाहर निकालने तथा ब्लड शूगर को नियंत्रित करने जैसे कार्य करते रहते हैं। जैसे-जैसे हम बूढ़े होते जाते हैं हमारी नींद की गुणवत्ता गिरती जाती है और हमारी नींद के पैटर्न में परिवर्तन देखने को मिलता है। जैसे थोड़े अंतराल पर जागना, गैर- आरईएम नींद की कमी या अधिक ऊंघना। कसरत अच्छी गुणवत्ता वाली नींद के लिए ठीक है, लेकिन अधिक ज्यादा कसरत जो सोने के समय के नजदीक की जाए, वह हमारे लिए नुकसानदायक होगी।

वेडिंग सीजन का लेटेस्ट ब्राइडल फैशन

क्लासी लुक के साथ ही पाएं परंपरागत डिजाइन

इन दिनों शादियों का दौर चल रहा है। वेडिंग सीजन में पुराने अम्ब्रेला कट घाघरा व चोली बिलकुल आउट है। उनकी जगह ले ली है नए वेडिंग लुक ने। इन दिनों लहंगों की जगह ले ली है स्लीम लांग स्कर्ट्स ने, जिन्हें फिगर हगिंग लॉन्ग स्लीव्स ब्लाउजेस के साथ मैच किया जा रहा है, वहीं इसी के साथ ब्राइडल विअर में ड्रेपिंग भी इन है व इस वजह से साड़ी को लहंगों के साथ भी मिक्स एंड मैच किया जा रहा है। साड़ी गाउन भी काफी चलन में है। अगर आप भी भावी दुल्हन के लिए पोशाक चुनने बाजार का रुख कर रहे हैं तो जरा इन बातों पर भी ध्यान दे दीजिए। कह सकते हैं कि 21 सेंच्यूरी की ब्राइड्स का लुक अब इंटरनेशनल लुक व फील लिए हुए है और वेस्टर्न फैशन से भी काफी हद तक प्रभावित है। तो आज हम आपको बताएंगे कि क्या फैशन में है क्या नहीं।

नेट, वेलवेट भी फेवरेट लिस्ट में शामिल

लहंगों के फेब्रिक की बात करें तो उसमें भी ब्राइड्स की चॉइस केवल सिल्क तक लिमिटेड नहीं रही, बल्कि नेट, वेलवेट भी ब्राइड्स की फेवरेट लिस्ट में शामिल है। ब्लॉक प्रिंट, एम्ब्राइडरी आदि के साथ विभिन्न फेब्रिक्स और पैटर्न्स के साथ मिक्स एंड मैच करे हुए लहंगे चुनने में भी ब्राइड्स बिलकुल नहीं हिचकिचा रही। डिजाइनर साड़ियों की बात करें तो इनमें भी ज्यादा ध्यान ऑर्नेट ब्लाउजेस पर दिया जा रहा है। साड़ी हो या लहंगा, इनकी चोलियों की डिजाइनिंग को खास तवज्जो दी जा रही है। चोलियों की स्वील्स, बेक, फ्रंट, नेक सभी की डिटेलिंग पर खास ध्यान दिया जा रहा है। कुछ समय पहले तक जहां स्लीव्स को केप स्लीव्स रखा जाता था, वहीं अब इन्हें शॉर्ट, थ्री-क्वार्टर से लेकर लांग तक रखा जा रहा है।

जापानीज क्रेंस है चलन में

जो लोग थोड़ा हैवी लुक पसंद करते हैं वे चमक-दमक वाले विक्टोरियन गाउंस चुन सकते हैं। इन दिनों कारीगरी में जापानीज क्रेंस और चैरी ब्लॉसम्स बहुत चलन में है, जो लहंगे में चार-चांद लगा रहे हैं। इसके साथ थीम को मैच करते किमोनो स्टाइल के ब्लाउज भी खास चलन में हैं। ब्राइडल आउटफिट्स में होने वाली एम्ब्राइडरी अब थीम से इंस्पायर्ड हो गई है। परशियन कारपेट्स, रोज, क्रिस्टल्स, चैरी ब्लॉसम्स जैसी थीम्स बहुत 'इन' है। ट्रेडिशनल रेड या फ्यूशिया कलर अब भी पॉप्यूलर है, वहीं ब्राइड्स इन दिनों ब्राउन, बेज, पिंक, ब्लू, एमरल्ड ग्रीन, वाइन, मरून, रस्ट जैसे कलर्स भी पसंद कर रही हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**